नई दिल्ली, रविवार 31 मार्च 2024 ■ चैत्र मास कृष्ण पक्ष-06 ■ वर्ष : 27 अंक : 354 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 मौसम अधि. 34, न्यून. 19 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

केंद्र सरकार ने इस साल भारत रत्न के लिए पांच नामों की घोषणा की थी

भारत रत्न से सम्मानित हुईं चार हस्तियां, वरिष्ठ नेता आडवाणी को घर जाकर अवॉर्ड सौंपेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

भाजपा नेता आडवाणी के खराब स्वास्थ्य को देखते हुए निर्णय। राष्ट्रपति मुर्मू भाजपा के वरिष्ठ नेता आडवाणी के आवास पर जाएंगी और उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित करेंगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव , पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह , कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन तथा बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न मरणोपरांत प्रदान किया।

राष्ट्रपति मुर्मू भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के आवास पर जाएंगी। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के लिए मुर्मू से यह सम्मान उनके पुत्र पीवी प्रभाकर राव ने स्वीकार किया। चौधरी चरण सिंह के लिए उनके पोते और ▶▶ शेष पेज 5 पर

हमारे गर्व...

1 चौधरी चरण सिंह

चौधरी चरण सिंह में देशभक्ति की भावना प्रबल थी। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा था। जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार में उनके योगदान को तथा अर्थव्यवस्था, विशेषकर ग्रामीण और कृषि अर्थव्यवस्था की उनकी गहरी समझ को, सम्मानपूर्वक ▶▶ शेष पेज 5 पर

2 पीवी नरसिंह राव

भारत के नौवें प्रधान मंत्री के रूप में पीवी नरसिंह राव ने दूरगामी आर्थिक सुधार किए थे। अपनी युवावस्था में, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में, विशेषकर निज़ामशाही के दौरान हैदराबाद में कुशासन और उत्पीड़न के विरुद्ध, संघर्ष किया था। अनेक भाषाओं और साहित्यों पर उनका ▶▶ शेष पेज 5 पर

3 डॉ. एमएस स्वामीनाथन

डॉ. स्वामीनाथन ने भारत को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्हें 'भारत की हरित क्रांति के जनक' के रूप में जाना जाता है। कृषि से जुड़े प्रत्येक आयाम पर अपनी असाधारण समझ के साथ, उन्होंने अनुसंधान, ▶▶ शेष पेज 5 पर

4 कर्पूरी ठाकुर

वंचित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास करने वाले कर्पूरी ठाकुर ने बहुत सम्मान अर्जित किया था और लोगों ने उन्हें 'जन नायक' का दर्जा दिया था। कर्पूरी ठाकुर स्वतंत्रता सेनानी थे। वे समानता और समावेशी विकास ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने राजस्थान दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने राजस्थान दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई दी। पीएम ने एक्स हैंडल पर अपने शुभकामना संदेश में कहा कि राजस्थान दिवस पर राज्य के अपने सभी परिवारजनों को मेरी कोटि-कोटि शुभकामनाएं। अद्भुत ऊर्जा और उत्साह से भरे यहां के लोग राज्य के गौरव की एक नई गाथा लिखने में जुटे हैं। मुझे विश्वास है कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में राजस्थान की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है।

पुंछ में कटा सिर बरामद तलाशी अभियान जारी

पुंछ। जिले के सूरनकोट इलाके के चमरेर तथा आसपास के इलाकों की संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक व्यक्ति का सिर मिला है। इसे जवान साथ लेकर सूरनकोट थाने आए। पूरे इलाके में तलाशी अभियान जारी है। पिछले वर्ष 21 दिसंबर को सावनी इलाके में आतंकियों ने घात लगाकर सेना की जिप्सी तथा ट्रक पर हमला किया था। इसमें चार जवान शहीद हो गए थे। तीन अन्य घायल भी थे।

पुलिस ने आरोपी दीपक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। महिला खिलाड़ियों से मारपीट मामले में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को गोवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को खेल मंत्रालय ने सख्ती दिखाते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इस बात की जानकारी खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी।

भाजपा ने घोषणा पत्र समिति का किया गठन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे अध्यक्ष

कुल 27 सदस्य... 4 सीएम और 2 पूर्व सीएम के साथ कई केंद्रीय मंत्री शामिल

निर्मला सीतारमन को समिति का संयोजक जबकि पीयूष गोयल का इस समिति का सह-संयोजक बनाया गया

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस समिति का ऐलान किया है। भारतीय जनता पार्टी जल्द ही अपना घोषणा पत्र भी जारी कर सकती है।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव घोषणा पत्र समिति का गठन किया है। इस समिति में कुल 27 लोग होंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, निर्मला सीतारमन को समिति का संयोजक जबकि पीयूष गोयल का इस समिति का सह-संयोजक बनाया गया है। इनके अलावा इस समिति में 24 लोग सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। इन 27 सदस्यों में मप्र के सीएम ▶▶ शेष पेज 5 पर

भाजपा इस बार 'अबकी बार 400 पार' के नारे के साथ चुनावी मैदान में उतर रही

कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी को भी शामिल किया

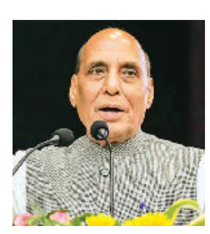

इन सदस्यों का भी है नाम

वहीं, इस समिति के सदस्यों की बात करें तो इसमें 24 सदस्यों के नाम शामिल हैं। अर्जुन मुंडा, भूपेंद्र यादव, अर्जुनराम मेघवाल, किरेन रिजीजू, अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र पटेल, हिमंता बिस्वासरमा, विष्णुदेव साय, डॉ. मोहन यादव, शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे, स्मृति ईरानी, जुएल ओराम, रविशंकर प्रसाद, सुशील मोदी, केशव प्रसाद मौर्य, राजीव चंद्रशेखर, विनोद तावड़े, राधामोहन दास अग्रवाल, मनजिंदर सिंह सिरसा, ओपी धनखड़, अनिल एंटनी, तारीक मंसूर इस समिति के सदस्य हैं।

लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज

बता दें कि इस चुनाव घोषणा पत्र समिति में जिन लोगों के नाम शामिल किए गए हैं, ये सभी राजनीति के धुरंधर माने जाते हैं। सभी नेताओं के पास राजनीति का अच्छा अनुभव रहा है और ये कई वर्षों ने राजनीति में सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी अपने घोषणा पत्र में बुनियादी सुविधाओं को शामिल करने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ये सभी लोग मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणा पत्र तैयार करेंगे, जिसके आधार पर जनता के बीच जाकर पार्टी वोट मांगेगी।

जल्द जारी होगा घोषणा पत्र

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और अब पहले चरण के चुनाव में भी ज्यादा दिन शेष नहीं है। पहले चरण के नामांकन पत्र भी दाखिल किए जा चुके हैं। इसके साथ ही सभी दल अपने-अपने चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। एक तरफ जहां सभी लोग जनता को लुभाने के भरसक प्रयास में जुटे हुए हैं, तो वहीं भाजपा भी अपनी पूरी तैयारी में है। भारतीय जनता पार्टी जल्द ही अपना घोषणा पत्र भी जारी कर सकती है। बता दें कि भाजपा इस बार 'अबकी बार 400 पार' के नारे के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है।

लोकसभा चुनावः भाजपा की आठवीं सूची जारी

हंसराज हंस फरीदकोट से, परनीत कौर पटियाला से लड़ेंगी चुनाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की आठवीं सूची जारी कर दी है। सूची में ओडिशा की तीन, पंजाब की छह और पश्चिम बंगाल की दो लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का ऐलान किया गया है। इसमें बड़ी खबर यह है कि पंजाब की गुरदासपुर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद और बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल का टिकट काट दिया गया है। उनकी जगह दिनेश सिंह को टिकट दिया गया है।

इसके अलावा दूसरे दलों से आए सांसदों को भी टिकट दिया गया है। पंजाब के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर पटियाला से चुनाव लड़ेंगी। भाजपा ने 543 सदस्यीय लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 411 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

हंसराज हंस

परनीत कौर

अलग-अलग दलों से भाजपा में शामिल हुए नेताओं को टिकट

भाजपा ने शनिवार को जिन 11 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की, उसमें भर्तृहरि महताब, रवनीत सिंह बिट्टू, सुशील कुमार रिंकू और परनीत कौर जैसे कई नेताओं के नाम हैं। ये सभी हाल ही में अलग-अलग दलों से भाजपा में शामिल हुए थे। सभी को उन सीटों से ही चुनावी मैदान में उतारा गया है, जिनका वे मौजूदा लोकसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं।

तरणजीत सिंह संधू अमृतसर से चुनावी मैदान में

इसके अलावा अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू अमृतसर से चुनावी मैदान में उतरेंगे। हंस राज हंस 2019 में भाजपा के टिकट पर उत्तर पश्चिम दिल्ली से जीते थे, उन्हें इस बार फरीदकोट सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया है।

पांच हफ्तों में लगातार पांचवां मास्टरस्ट्रोक

सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

◆ भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़कर 642.631 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर ताजा आंकड़े जारी किए गए हैं। इनके अनुसार भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवे सप्ताह शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। 22 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 642.631 बिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह अब तक का सर्वोच्च स्तर है। पांचवे सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा कोष में 140 मिलियन डॉलर की वृद्धि देखने को मिली है। शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वोच्च स्तर 2021 में देखा गया था। उस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

भारत के गोल्ड रिजर्व में जबरदस्त बढ़ोतरी

आरबीआई का कहना है कि 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 347 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ा है। इस बढ़त के बाद भारत को गोल्ड रिजर्व 51.487 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। आरबीआई को कहना है कि इस दौरान एसडीआर यानी विशेष आहरण अधिकार घटा है। भारत का एसडीआर 57 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 18.219 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह ▶▶ शेष पेज 5 पर

खुदाई के दौरान अवशेषों को संरक्षित कर रही टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

भोजशाला में शनिवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने साढ़े 9 घंटे तक सर्वे किया। सर्वे के 9वें दिन अधिकारी सुबह करीब 8 बजे भोजशाला पहुंचे और शाम साढ़े 5 बजे बाहर आए। रंगपंचमी को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात रहा। सर्वे टीम में शनिवार को पांच नए सदस्य भी शामिल हुए। ये अधिकारी आगरा, लखनऊ और भोपाल सर्कल के हैं। अब टीम के कुल सदस्यों की संख्या 22 हो गई है। हिंदू पक्ष के आशीष गोयल ने ▶▶ शेष पेज 5 पर

अरुणाचल प्रदेशः भाजपा के लिए 'अच्छी खबर'

सीएम खांडू समेत 10 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

एजेंसी ▶▶ ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा के लिए अच्छी खबर सामने आई है। यहां राज्य की 60 सीटों में से सीएम पेमा खांडू और डिप्टी सीएम चौना मीन समेत भाजपा के 10 विधायक निर्विरोध जीत गए हैं। भाजपा ने यह दावा किया है। दरअसल, यहां बुधवार को नामांकन की आखिरी तारीख थी, लेकिन इन नेताओं की विधानसभा सीटों से किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है। बता दें, अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा और 60 विधानसभा सीटों के लिए एक साथ 19 अप्रैल को चुनाव होंगे। निर्विरोध जीत को लेकर अरुणाचल प्रदेश भाजपा ने ट्वीट कर जानकारी दी है। संसदीय चुनाव के प्रभारी अशोक सिंघल ने अरुणाचल प्रदेश में 60 में से 10 विधायकों की निर्विरोध जीत की शुरुआत के लिए सीएम पेमा खांडू और डीसीएम चौना मीन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत मोदी की गारंटी को दिखाती है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम पेमा खांडू के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश के लोगों का अटूट समर्थन और विश्वास है। बता दें कि मुख्यमंत्री खांडू ▶▶ शेष पेज 5 पर

देवरिया में दर्दनाक हादसा

चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फटा, 3 बच्चे और मां की मौत

एजेंसी ▶▶ देवरिया

■ सुबह दुकान जाते वक्त हुआ हादसा

उत्तर प्रदेश के देवरिया के बरहज तहसील इलाके के भलुअनी स्थित डुमरी गांव में शनिवार की सुबह करीब पांच बजे चाय बनाने के दौरान गैस सिलेंडर भभक गया। जिससे सिलेंडर फट गया। चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

डुमरी गांव निवासी शिवशंकर गुप्त पावरोटी बेचते हैं। सुबह वह दुकान पर जाने के लिए तैयार हो रहे थे। उनकी पत्नी आरती देवी चाय बनाने लगी। इसी बीच गैस सिलेंडर भभकने लगा। सिलेंडर भभक कर फट गया। जिसकी चपेट में आने से शिवशंकर गुप्त की पत्नी आरती देवी (42), पुत्री आंचल (14), सृष्टि (11), पुत्र कुंदन (12) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर इंस्पेक्टर अर्चना सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंच गईं। डीएम अखंड प्रताप सिंह, एसपी डॉ. संकल्प शर्मा, एडीशनल एसपी डॉ. भीम कुमार गौतम, एसडीएम दिशा श्रीवास्तव, सीओ आदित्य कुमार गौतम आदि ने मौके का जायजा लिया। फारेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। इतने बड़े हादसे की जानकारी होने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ रहीं

करीबी मंत्री रहे गहलोत से ईडी की पांच घंटे पूछताछ, शराब नीति घोटाले पर दागे सवाल

शराब नीति केस में जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के करीबी मंत्री कैलाश गहलोत से ईडी ने करीब 5 घंटे तक पूछताछ की। वहीं, ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड केस में 140 पन्नों की पहली चार्जशीट दाखिल की है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनके करीबी मंत्री कैलाश गहलोत से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 5 घंटे तक पूछताछ की। गहलोत शनिवार को साढ़े 11 बजे ईडी दफ्तर पहुंचे थे। गहलोत नजफगढ़ से आप के विधायक हैं। वे केजरीवाल सरकार में परिवहन, गृह और कानून मंत्री हैं। ईडी ने शनिवार सुबह ही गहलोत ▶▶ शेष पेज 5 पर

ईडी की चार्जशीट में है गहलोत का नाम

शराब नीति बनाने वाले ग्रुप का हिस्सा रहे हैं गहलोत

गहलोत के बंगले में रहता था नायर

एजेंसी ने इसी केस में पहले से गिरफ्तार आप संचार प्रभारी विजय नायर को लेकर भी बताया था कि नायर, गहलोत को दिए गए सरकारी बंगले में रहता था। ईडी ने किसी लोक सेवक के सरकारी आवास का इस्तेमाल किसी और को उपयोग करने की अनुमति देने पर इसे आपराधिक विश्वासघात करार देते हुए केस की जांच सीबीआई से करवाने को कहा था।

सीएम समेत 3 लोग इस केस में गिरफ्तार

शराब नीति केस में आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को ईडी ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। ये दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। इसी केस में 15 मार्च को के कविता और 21 मार्च को सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल केजरीवाल 1 अप्रैल और कविता 9 अप्रैल तक रिमांड पर हैं।

बीएसएफ अधिकारी के घर सेंध लगाने वाले दो नाबालिग समेत चार पकड़े

आर के पुरम इलाके का मामला: लड़कियां देती थी बंद फ्लैट के बारे में जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आर के पुरम पुलिस ने घरों में सेंध लगाने वाले एक गैंग का खुलासा किया है। इस गैंग में शामिल दो नाबालिग समेत चार लोगों को पकड़ा गया है। इनमें दो लड़कियां भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से महरौली इलाके से चुरायी गई एक बाइक भी बरामद की है।

डीसीपी साउथ वेस्ट रोहित मीना ने बताया कि आर के पुरम थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार त्यागी की टीम ने आरोपी राहुल उर्फ छोटा चिकन और अंजलि (19) को अरेस्ट किया है। दोनों आर के पुरम सेक्टर चार के ही रहने वाले हैं। इनके साथ ही एक नाबालिग लड़की और लड़के को भी पकड़ा गया है। इनकी निशानदेही पर दस महंगी पानी की नलें और पाकिस्तानी व बांग्लादेशी करेंसी बरामद हुई है। पुलिस ने इस संबंध में 26 मार्च को चोरी की शिकायत दर्ज की थी। पीड़ित बीएसएफ अफसर ने बताया था कि वह सेक्टर 1, आर के पुरम में रहते है। 19 मार्च को वह परिवार के साथ होली मनाने के लिए राजस्थान अपने गांव गया था। 26

मार्च की सुबह घर लौटे तो चोरी का पता चला। जांच के दौरान स्थानीय पुलिस को पता चला कि क्षेत्र का एक नामी बदमाश हाल ही में जेल से छूटकर बाहर आया है। वह लड़कियों का एक नया गैंग बना वारदात कर रहा है। 27 मार्च की सुबह पुलिस टीम ने संगम सिनेमा के पास ट्रैप लगा पहले राहुल को पकड़ा। इसके बाद अंजलि, एक अन्य लड़की व लड़के को पकड़ लिया। इनसे चोरी का माल भी बरामद हो गया। राहुल ने बताया कि अंजलि ने ही उसे इस फ्लैट के बंद होने की सूचना दी थी। इसके बाद उसने अपने एक नाबालिग साथी के साथ मिलकर फ्लैट में चोरी को अंजाम दिया। राहुल का भाई सूरज भी जेल में बंद है। पुलिस का दावा है कि इस गैंग के पकड़े जाने से दो मामले सुलझे हैं।

दयालपुर: ट्यूशन पढ़ाकर घर लौट रही युवती का मोबाइल छीना, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दयालपुर इलाके में एक युवती से मोबाइल छीनने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दिल नवाज नशे की लत पूरा करने के लिए वारदात करता था। वह बाबू नगर का रहने वाला है। इसकी निशानदेही पर लड़की से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के

अनुसार 23 मार्च को 32 साल की एक युवती से दयालपुर इलाके में मोबाइल छीने जाने की सूचना मिली थी। पीड़ित लड़की ने बताया कि वह ट्यूशन क्लास देने के बाद रात करीब साढ़े दस बजे अपने घर लौट रही थी। इस दौरान पीछे से आए एक शख्स ने उसका मोबाइल छीन लिया और फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच के बाद आरोपी की पहचान कर उसे दबोच लिया। आरोपी स्टील वेल्डिंग की दुकान में काम भी करता है।

दिल्ली पुलिस ने किए रामलीला मैदान में व्यापक सुरक्षा प्रबंध

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आगामी रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा आयोजित 'इंडिया' गठबंधन की 'महारैली' के मद्देनजर रामलीला मैदान के हर द्वार पर जांच की व्यवस्था के साथ ही आसपास के इलाके में अर्धसैनिक बलों की तैनाती की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने कुछ शर्तों के साथ रैली आयोजित करने की अनुमति दी है, जिसमें मध्य दिल्ली में कोई मार्च निकालना या ट्रैक्टर ट्रॉली और हथियार नहीं लाना शामिल है। मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव सहित विभिन्न विपक्षी दलों के शीर्ष नेता 31 मार्च को रामलीला मैदान में रैली में शामिल होंगे। यह रैली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की पृष्ठभूमि में आयोजित की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, हालांकि रैली की अनुमति है लेकिन डीडीयू मार्ग पर धारा 144 लागू रहेगी, जहां राजनीतिक दलों के कार्यालय स्थित हैं। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान से किसी तरह का मार्च निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है ताकि आम जनता को रैली के कारण किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। सूत्रों ने कहा कि अर्धसैनिक बलों की लगभग 12 कंपनियां रामलीला मैदान और डीडीयू मार्ग सहित मध्य दिल्ली के अन्य हिस्सों में तैनात की जाएंगी।

आरोपपत्र में चार व्यक्तियों तथा एक कंपनी को किया नामजद

दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े धन शोधन मामले में पहला आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में कथित अनियमितताओं से जुड़ी धनशोधन की जांच के सिलसिले में अपना पहला आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को को बताया कि संघीय एजेंसी ने 28 मार्च को दिल्ली में एक विशेष पीएमएलए (धनशोधन रोकथाम कानून) अदालत में करीब 8,000 पृष्ठों की अभियोजन शिकायत दर्ज करायी, जिसमें अनुलग्नकों के अलावा 140 पृष्ठ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के लिए एक अप्रैल की तारीख तय की है।

आरोपपत्र में चार व्यक्तियों तथा एक कंपनी को नामजद किया गया है, जो क्रमशः डीजेबी के पूर्व मुख्य इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा, ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल, एनबीसीसी के पूर्व

महाप्रबंधक डी के मित्तल, तेजिंदर सिंह और एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड हैं।

चुनावी फंड के रूप में भेजा गया था पैसा

ईडी ने आरोप लगाया कि डीजेबी द्वारा दिए गए एक ठेके में भ्रष्टाचार के माध्यम से प्राप्त धन दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) को कथित तौर पर चुनावी फंड के रूप में भेजा गया था। एजेंसी ने इस मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी समन भेजा था, लेकिन वह उसके समक्ष पेश नहीं हुए थे। ईडी ने आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक अन्य मामले में 21 मार्च को केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। उसने फरवरी में जांच के सिलसिले में केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार, 'आप' के राज्यसभा सदस्य तथा कोषाध्यक्ष एन डी गुप्ता, डीजेबी के पूर्व सदस्य शलभ कुमार, चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज मंगल और कुछ अन्य के परिसरों की तलाशी ली थी। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें तकनीकी पात्रता मानदंड पूरे नहीं करने पर भी डीजेबी की ओर से एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी को दिए गए 38 करोड़ रुपये के ठेके में अनियमितताओं का आरोप है। इस मामले में ईडी ने 31 जनवरी को अरोड़ा और अग्रवाल को गिरफ्तार किया था।

'जाली' दस्तावेज जमा कर ठेका हासिल किया

जांच एजेंसी ने दावा किया कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने 'जाली' दस्तावेज जमा कर ठेका हासिल किया और अरोड़ा को इस तथ्य की जानकारी थी कि कंपनी तकनीकी पात्रता पूरी नहीं करती है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में आरोपों से इनकार किया था और दावा किया था कि यह मामला 'आप' और उसके नेताओं की छवि धूमिल करने का एक और प्रयास है।

समाचार पोर्टल केस: पुलिस ने किया आरोपपत्र दाखिल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने समाचार पोर्टल के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले में शनिवार को 8000 से अधिक पन्नों का आरोप-पत्र दायर किया, जिसमें पोर्टल और इसके संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ को आरोपी बनाया गया है। पोर्टल एवं पुरकायस्थ पर अपनी कहानियों के जरिये चीन समर्थक प्रचार के लिए भारी मात्रा में धन प्राप्त करने का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, आरोप-पत्र कई हजार पन्नों का है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष अंतिम रिपोर्ट दाखिल की। विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह और सूरज राठी के अनुसार, आरोप-पत्र में पुरकायस्थ एवं पीपीके न्यूजक्लिक स्टुडियो प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया गया है। अदालत के सूत्रों ने कहा है कि आरोप-पत्र में संलग्नकों के साथ 8000 से अधिक पन्ने हैं। मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय की गई है। पुलिस ने पिछले साल यूएपीए की धारा 13, 16, 17, 18 और 22 के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच

दुश्मनी बढ़ाना और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिकूल कार्य करना) तथा धारा 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया था। अदालत ने दिल्ली पुलिस को पहले पिछले साल दिसंबर में और फिर इस साल फरवरी में आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए मोहलत बढ़ाई थी। बाद में, 20 मार्च को, सरकारी अभियोजकों की दलीलों पर ध्यान देने के बाद अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए आवश्यक समय को फिर से 10 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया था। पुलिस ने तीन अक्टूबर, 2023 को समाचार पोर्टल के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और मानव संसाधन विभाग के प्रमुख अमित चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार कर लिया। इस साल जनवरी में, अदालत ने चक्रवर्ती के उस आवेदन को स्वीकार कर लिया था, जिसमें अदालत से सरकारी गवाह बनने की अनुमति मांगी गई थी।

दो करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, नाबालिग सहित चार दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स तस्करी के रैकेट का खुलासा करते हुये तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम जकी अहमद, हबीब और राशिद बताये गये हैं।

तीनों दिल्ली और बदायूं, यूपी के रहने वाले हैं। इस रैकेट से जुड़े एक नाबालिग को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनके पास

से 510 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। इसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग दो करोड़ रुपये बताई गई है। डीसीपी संजय सेन ने बताया कि पूर्वी रेंज-2 ने तस्करी के इस मामले का खुलासा किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जकी और हबीब ड्रग तस्करी का धंधा करते है। वह वेलकम के कबीर नगर इलाके में हेरोइन की सप्लाई करने के लिए आएंगे। सूचना पर पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया और दोनों को दबोच लिया। हेरोइन बरामद होने पर दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में इनके तीसरे आरोपी के बारे में पता चला जो कार से हेरोइन लाकर दिल्ली में इन्हें देता था। उसके पास से कार और हेरोइन भी जब्त की गई। उसने बताया कि वह बदायूं के रहने वाले एक शख्स से हेरोइन खरीदता था। पुलिस ने वहां छापा मारकर भी एक नाबालिग को पकड़ा।

दिल्ली दंगा मामला : अदालत ने पूर्व पार्षद हुसैन की जमानत याचिका खारिज की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश के मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की नियमित जमानत याचिका शनिवार को खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने कहा कि रिकॉर्ड देखने के बाद, कोर्ट का मानना है कि आरोपी के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही हैं। उन्होंने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत आरोपी को जमानत देने पर रोक है। कोर्ट ने कहा कि तदनुसार, जमानत याचिका खारिज की जाती है।

प्लेसमेंट एजेंसी की आड़ में ठगी, तीन महिलाओं समेत चार धरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो में जॉब का झांसा देकर बेरोजगारों को ठगी के लिये टारगेट करने वाले गैंग का पर्दाफाश आर्थिक अपराध शाखा ने किया है। यह गैंग प्लेसमेंट एजेंसी की आड़ में अब तक लगभग 300 बेरोजगार युवकों को चूना लगा चुका था। मामले में तीन महिला समेत चार लोग गिरफ्तार हुए हैं। यह गैंग डिजी रिक्रूटर्स के नाम से प्लेसमेंट एजेंसी चलाता था। हर रोज 500 लोगों को कॉल की जाती थी। डीसीपी अनीश रॉय ने बताया कि 29 पीड़ितों की शिकायत पर आर्थिक अपराध शाखा थाने में जालसाजी सम्बंधी

धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। इन्हें दिल्ली मेट्रो, अमेजन आदि में ड्राइवर, गार्ड, फील्ड बॉय आदि की नौकरी के बहाने झांसे में लिया गया था। इनसे साढ़े सात लाख रुपए ठगे गए थे। एसीपी वीरेन्द्र कादियान व इंस्पेक्टर रामकेश की टीम को जांच में करीब तीन लोगों के साथ ठगी का पता चला। पुलिस ने टैक्नीकल सर्विलांस की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया गया। इनके नाम शाहदरा निवासी निकिता ठाकुर, योगिता, सदर बाजार निवासी मोहम्मद असद और करोलबाग निवासी हेमलता पता चलें।

मुलाकात की खुशी...

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने शनिवार को नई दिल्ली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। फोटो: एजेंसी

'बच्चे देश का भविष्य, बचपन से ही बेहतरीन शिक्षा व संस्कार मिले'

नई दिल्ली। भारत सरकार की प्रधान मुख्य आयकर महानिदेशक (जनरल) सीमा राज ने शनिवार को दिल्ली में एक समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कहा कि बच्चे इस देश का भविष्य होते है। बच्चों को बचपन से ही बेहतरीन शिक्षा व संस्कार मिलने चाहिए, जिससे वह भविष्य में समाज व देश के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभा सके। सीमा राज रोहिणी के आर डी इंटरनेशनल स्कूल के छठे वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रही थी। इस मौके पर मौजूद हरियाणा की अतिरिक्त-डिवीजनल मजिस्ट्रेट दीप्ती माथुर ने स्पेशल गेस्ट के रूप में अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं शक्ति आज किसी भी क्षेत्र में क्यों न हो वह किसी से पीछे नहीं है।

IN THE COURT OF SH. SANJEEV KUMAR AGGARWAL, DISTRICT JUDGE (COMMERCIAL)- 01
ROOM NO. 301, THIRD FLOOR, TIS HAZARI COURT EXTENSION BLOCK, DELHI- 110 054
PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(Order 5, Rules 20 of the Code of Civil Procedures)
SUIT NO. CS (COMM) NO. 669/23
Next Date of Hearing 18.04.2024
ICICI BANK LTD. ...Plaintiff
VS.
ASHAVEEN KAUR SODHI ...Defendant
To,
ASHVEEN KAUR SODHI
. JAGMOHAN SINGH SETHI
VILLA NO. 04, RAHEJA ATLANRIS, SECTOR-31, GURGAON- 122 001
WHEREAS you are intentionally evading the service of summons of the court, it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **18.04.2024** the day fixed for the final disposal of the above mentioned case, it will be heard and determined as ex-parte.
Given under my hand and the seal of the court, this **18.03.2024.**
District Judge (Commercial Court)- 1 Tis Hazari Court, Delhi

पुलिस ने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के लिए काटा 36 हजार का चालान

रील के लिए कार से स्टंट करने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल स्टंटबाजी के वीडियो पर संज्ञान लेते हुये आउटर जिले की पुलिस ने यूट्यूबर प्रदीप ढाका को गिरफ्तार कर लिया। इसने रील्स बनाने के लिये न सिर्फ सड़क पर जाम लगाया था बल्कि कार का दरवाजा खोलकर स्टंटबाजी भी की थी। पुलिस ने आरोपी की कार को जब्त करते हुये 36 हजार रुपये का चालान भी काटा है।

निहाल विहार इलाके का मामला

कार जब्त, कुछ प्लास्टिक के नकली हथियार भी मिले

डीसीपी जिम्मी चिरम ने बताया आरोपी यूट्यूबर प्रदीप ढाका नांगलोई इलाके का रहने वाला है। इसकी गुरुग्राम रजिस्ट्रेशन की कार को भी जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस घटना की जानकारी मिली थी। वायरल रील्स में हरियाणा नंबर की गोल्डन कलर कार सड़क पर जिगजैग करते नजर आई। इसके बाद कार चालक सड़क पर कार रोक गाड़ी से बाहर निकलता है। फिर सेल्फी लेता है। जिस कारण पीछे भारी जाम भी लग जाता है। इसके बाद सड़क पर सुरक्षा के लिए लगे हुए दिल्ली पुलिस के बेरिकेड में आग लगाकर एक और रील बनाकर सोशल मीडिया में वायरल की गई थी। कुछ लोगों ने वीडियो दिल्ली पुलिस को भी टैग किया था। पुलिस ने कार और युवक के बारे में जानकारी जुटायी और फिर उसे पकड़ लिया। एमवी एक्ट और सरकारी संपति को नुकसान पहुंचाने सम्बंधी धाराओं के तहत निहाल विहार थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है इस तरह के वीडियो शूट करने से पहले पुलिस की इजाजत जरुर लें। आरोपी प्रदीप ढाका (25) छज्जू राम कॉलोनी नांगलोई इलाके का रहने वाला है। इसके पास से मिली कार उसकी मां के नाम पर रजिस्ट्र्ड है। आरोपी यूट्यूब कंटेंट अपलोडर है। इसकी गाड़ी से कुछ प्लास्टिक के नकली हथियार भी मिले हैं।

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति का शव **नाम** : संदीप **पुत्र** : श्याम बाबू राम, **निवासी** : म.नं. 1008, लाल डोरा, गांव रिठाला, विजय विहार, फेस– ।।, दिल्ली, **उम्र** : 30 वर्ष, **रंग** : सांवला, **कद** : 5' 7", **पहनावा** : पीले रंग की टी–शर्ट और भूरे रंग की पैन्ट पहने है जो बीएसए अस्पताल, सेक्टर–6, रोहिणी, नई दिल्ली द्वारा में मृत पाया गया था। इस बाबत **FIR/ DD No. 11A दिनांक : 21.03.2024 थाना : विजय विहार, दिल्ली** में दर्ज है।

इस मृत व्यक्ति के बारे में या इसके परिवार के बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी/सुराग मिले तो निम्नलिखित पते या फोन नम्बरों पर सूचित करें।

हस्ता/- थानाध्यक्ष
थाना : विजय विहार, दिल्ली
फोन : 011-27521294 / 27521295

DP/3749/RD/2024

खबर संक्षेप

बढ़ने लगी बिजली की मांग, आंकड़ा चार हजार मेगावाट दर्ज

नई दिल्ली। राजधानी में जैसे जैसे पारा चढ़ने लगा है वैसे वैसे बिजली की खपत भी बढ़ने लगी है। गत दो तीन दिनों से बिजली की मांग का आंकड़ा चार हजार मेगावाट के पार दर्ज हो रहा है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार शनिवार को अधिकतम खपत 4071 मेगावाट दर्ज हुई। जबकि न्यूनतम खपत का ग्राफ 2724 मेगावाट दर्ज हुआ। एसएलडीसी के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम बिजली खपत का आंकड़ा 4209 मेगावाट दर्ज हुआ, जबकि न्यूनतम तापमान 2590 मेगावाट रहा था। बिजली की मांग बढ़ने को लेकर निजी विद्युत आपूर्ति कंपनियों बीएसईएस और टाटा पावर डीडीएल का कहना है कि अप्रैल महीने के पहले पखवाड़े में पारा 40 डिग्री या इससे पार दर्ज होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में बिजली की मांग का ग्राफ पांच हजार मेगावाट तक पहुंच सकता है। उसके बाद जैसे जैसे गर्मी बढ़ेगी दिल्ली में बिजली की मांग का ग्राफ बढ़ना तय है।

भाजपा प्रत्याशियों ने पश्चिम विहार में किया अनूठा संयुक्त जनसंपर्क

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के चांदनी चौक से प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल एवं उत्तर पश्चिम दिल्ली से प्रत्याशी योगेन्द्र चंदोलिया ने पश्चिम विहार में अनूठा संयुक्त प्रचार किया। पश्चिम विहार दोनों संसदीय क्षेत्रों का सीमा क्षेत्र है और कॉलोनी के कुछ कुछ हिस्से दोनों संसदीय क्षेत्रों में आते हैं और विधानसभा भी दो तीन टकराती हैं जिस वजह से कॉलोनी का समग्र विकास बाधित होता है। पश्चिम विहार के समग्र विकास की कल्पना के साथ शनिवार को भाजपा के दोनों प्रत्याशियों ने एक संयुक्त प्रयास करके पूरे पश्चिम विहार की सभी आरडब्लूए के साथ पश्चिम विहार बी ब्लॉक में बैठक की। प्रत्याशी खंडेलवाल एवं चंदोलिया ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि चुनाव बाद वह पश्चिम विहार की ट्रैफिक समस्या के साथ ही इस कॉलोनी को हरित कॉलोनी बनाने के लिए काम करेंगे।

आर्टिकल 370 हटने के बाद कश्मीर में हो रहा है चौतरफा विकास : तरुण

नई दिल्ली। आर्टिकल 370 हटने के बाद कश्मीर में चौतरफा विकास हो रहा है। आर्टिकल 370 एक प्रेरक फिल्म है और इसने समाज में एक संदेश भेजा है कि किस तरह आर्टिकल 370 का लाभ उठाकर कुछ राजनीतिक नेताओं ने आम कश्मीरियों को विकास के लाभ से वंचित किया था। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने शनिवार को दिल्ली गेट स्थिति डिलाइट सिनेमा में फिल्म आर्टिकल 370 की स्पेशल स्क्रीनिंग के मौके पर उक्त संबोधन दिया। इस मौके पर तरुण चुग ने कहा कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि सभी को यह फिल्म एक बार और जरुर देखनी चाहिए क्योंकि यह फिल्म कांग्रेस और घाटी के अलगाववादी नेताओं की असलियत से वाकिफ कराती है। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटाकर मोदी सरकार ने जम्मू और कश्मीर को मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है।

देश की जनता संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए करेगी अपनी आवाज बुलंद

महारैली के लिए रामलीला मैदान तैयार, आज तानाशाही के खिलाफ गरजेगा पूरा इंडिया : राय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के आह्वान पर आज, 31 मार्च 2024 को 'इंडिया' की हो रही महारैली के लिए रामलीला मैदान पूरी तरह से तैयार है। महारैली में पूरा 'इंडिया' तानाशाही के खिलाफ और देश का लोकतंत्र-संविधान बचाने के लिए अपनी आवाज बुलंद करेगा। शनिवार को 'आप' के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने रामलीला मैदान जाकर तैयारियों का जायजा लिए। उन्होंने बताया कि रैली में कांग्रेस से मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पंजाब के सीएम भगवंत मान, झारखंड के सीएम चंपई सोरेन, एनसीपी से शरद पवार, शिवसेना से उद्धव ठाकरे, सपा से अखिलेश यादव, आरजेडी से तेजस्वी यादव और लेफ्ट समेत दर्जनों बड़े नेता शामिल होंगे। देश का संविधान और लोकतंत्र बचाने का यह आखिरी मौका है। अगर आज देश की जनता ने आवाज नहीं उठाई तो कल कोई भी अपनी आवाज नहीं उठा पाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों से भाजपा ने पहले सुप्रीम कोर्ट से मिला अधिकार छीन लिया और अब उनका मुख्यमंत्री छीन लिया है। सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है।

पूरे देश में हो रही है लोकतंत्र की हत्या

महारैली की तैयारियों का जायजा लेने रामलीला मैदान पहुंचे गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री ने तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाते हुए गिरफ्तार करवाया है। उसके खिलाफ पूरी दिल्ली के लोगों में आक्रोश है। पूरे देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है, उसके खिलाफ रविवार को रामलीला मैदान में पूरा इंडिया 'तानाशाही हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' महारैली में पहुंच रहा है। इसमें गठबंधन के सभी घटक दलों के साथ अन्य विपक्षी पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व भी शामिल होंगे और दिल्ली के लोग के साथ मिलकर के इस तानाशाही के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए आवाज बुलंद करेंगे।

'आप' के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि इस देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने का यह आखिरी मौका है। क्योंकि इस समय जो स्थितियां बन रही हैं। अगर इनको अभी नहीं संभाला गया तो फिर कल कोई इस देश में आवाज भी नहीं उठा पाएगा। उम्मीद है कि रामलीला मैदान में आंदोलन के लिए जिस संख्या में लोग आते रहे हैं, रविवार को उससे भी बड़ी संख्या में लोग आएंगे।

ईडी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को समन कब भेजेगी : गोपाल

कैलाश गहलोत को समन भेजे जाने को लेकर 'आप' दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी के लोगों को समन भेजना अब रोज की बात हो गई है। लेकिन देश जानना चाहता है कि जिनके ऊपर केवल आरोप है और कोई सबूत नहीं है, उनको तो ईडी रोजाना समन भेज रही है। लेकिन जमानत पर बाहर जिस आरोपी सरथ चंद्र रेड्डी के बयान के आधार पर सारी गिरफ्तारियां हो रही है और समन भेजे जा रहे हैं, जिस भाजपा ने सरथ चंद्र रेड्डी से 60 करोड़ रुपए लिए, उस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को ईडी समन कब भेजेगी। जहां साफ दिख रहा है कि पैसा लिया गया, वहां ईडी कोई जांच नहीं करती है और जहां दो साल से छानबीन कर रहे हैं और कोई सबूत नहीं मिला, वहां रोजाना समन भेजे जा रहे हैं।

'लगातार विपक्ष के नेताओं को किया जा रहा गिरफ्तार'

गोपाल राय ने कहा कि जिस तरह से देश में लगातार विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। उनको एजेंसियों के जरिए टारगेट किया जा रहा है। जिस तरह से एक चुने हुए मुख्यमंत्री को केवल आरोप के आधार पर उठाकर जेल में डाल दिया गया। लोकतंत्र को कुचलने का जो पूरा खेल चल रहा है। इसके खिलाफ रविवार को रामलीला मैदान में देशभर से इंडिया के लोग आ रहे हैं। आज संविधान और लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है। अलग-अलग तरह से लोगों की आवाज को बंद किया जा रहा है। ऐसे में तानाशाही सरकार को हटाकर लोकतंत्र को बचाना जरूरी हो गया है। दिल्ली के लोगों ने देखा कि किस तरह से सुप्रीम कोर्ट के संविधान पीठ के द्वारा दिल्ली के लोगों को दिए गए अधिकार को केंद्र सरकार ने छीन लिया। भाजपा शासित केंद्र सरकार ने पहले दिल्ली के लोगों के अधिकार छीने और अब दिल्ली का मुख्यमंत्री छीन लिया।

इंडिया गठबंधन की रैली के लिए कांग्रेस ने कहा, अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता

नई दिल्ली। आज रविवार को रामलीला मैदान में प्रस्तावित इंडिया गठबंधन की लोकतंत्र बचाओ रैली की तैयारियां पूरी हो चुकी है। रैली को कामयाब बनाने के लिए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कार्यकर्ताओं को आह्वान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। लवली ने कहा है कि रैली में दिल्ली के तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता अपने पूरे दम खम से नजर आयेंगे। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान इस ऐतिहासिक महारैली का गवाह बनेगा। रैली को लेकर देर रात तक सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। दिल्ली के हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ता रैली में पहुंचेंगे और केंद्र सरकार के खिलाफ नई ताकत दिखाएगें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाओ रैली केवल लोकसभा चुनाव पर चर्चा करने के लिए ही नहीं बल्कि देश के भविष्य को बचाने के लिए भी होगी। रैली में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी से विपक्षी एकता का संदेश पूरे देश में जाएगा कि इंडिया गठबंधन के सभी दल भाजपा के खिलाफ एकजुटता के साथ खड़े होकर मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को चंदा, पूंजीपति मित्रों को धंधा और ई.डी. का फंदा भाजपा की केन्द्र सरकार की नीति बन गई है। भाजपा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके लगातार विपक्षी पार्टियों को तोड़ने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा तानाशाही करके जिस तरह से युवाओं, महिलाओं, श्रमिकों, किसानों सहित देश के हर वर्ग पर कुठाराघात कर रही है, इंडिया गठबंधन की एकता और आम जनमानस भाजपा के मंसूबों को पूरा नही होने देगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद एकाउंट फ्रीज करना और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्षी पार्टियों पर हमला भाजपा लगातार लोकतंत्र पर प्रहार कर रही है। लोकतंत्र बचाने की लड़ाई कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और हमारे नेता राहुल गांधी संसद से सड़क तक लड़ रहे है।

कांग्रेस और आप दोनों इंडिया गठबंधन की भ्रष्टाचार गाथा के एक साथ हैं खड़े : सचदेवा

नई दिल्ली। देश के लोग आज आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की भ्रष्टाचार की कहानियों में एक नया खुलासा देखकर आश्चर्यचकित हैं और आज दोनों दल इंडिया गठबंधन दलों की भ्रष्टाचार गाथा के एक ही पृष्ठ पर खड़े हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को इंडी गठबंधन की महारैली को लेकर उक्त बातें कही। सचदेवा ने कहा है कि रविवार को 'आप' और कांग्रेस के भ्रष्टाचार की नई-नई बातें सामने आई हैं। एक तरफ शराब घोटाले में आप मंत्री कैलाश गहलोत की भूमिका सामने आई है तो दूसरी तरफ कांग्रेस को 2014 से 2019 के बीच अलग-अलग कंपनियों से 626 करोड़ रुपये नकद मिले हैं और दोनों खुलासों ने लोगों को चौंका दिया है। सचदेवा ने कहा है कि कैलाश गहलोत तुलनात्मक रूप से चुप रहने वाले मंत्री रहे हैं और शराब घोटाले में उनकी भूमिका के उजागर होने से दिल्लीवासियों के सदमे को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है और अब लोग मानते हैं कि पूरी सरकार और पार्टी विधायक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में हमने प्रवर्तन निदेशालय को एक विधायक गुलाब सिंह मटियाला और गोवा के कुछ आप नेताओं की भी जांच करते देखा। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली के लोग यह देखकर स्तब्ध हैं कि टीम केजरीवाल सांसद कपिल सिब्बल और शरद पवार जैसे लोगों से राजनीतिक संरक्षण की मांग करने के निचले स्तर तक गिर गई है, जिन्हें वे कभी इंडिया अगेंस्ट करप्शन के कार्यकर्ता के रूप में कोसते थे। सचदेवा ने कहा है कि 31 मार्च दिल्ली का रामलीला मैदान रोएगा जब वह आप नेताओं को कांग्रेस और अन्य इंडी गठबंधन नेताओं के साथ खड़ा देखेगा, जिन्हें उन्होंने अगस्त 2011 में अन्ना हजारे की रैली के दौरान इसी मैदान में श्राप दिये थे। सचदेवा ने कहा है कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार की प्रेस वार्ता में आम आदमी पार्टी को थप्पड़ मारा है जब उन्होंने कहा कि 31 मार्च, रविवार की इंडिया गठबंधन की रैली किसी व्यक्ति का समर्थन करने के लिए नहीं है जैसा कि मीडिया द्वारा कहा जा रहा है बल्कि गठबंधन के साझा एजेंडे के लिए है।

दिल्ली पुलिस ने रविवार के लिए यातायात परामर्श किया जारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रविवार को होने वाली 'लोकतंत्र बचाओ रैली' के मद्देनजर यातायात परामर्श जारी किया है और कहा है कि उस दिन शहर में वाहनों की आवाजाही छह घंटे के लिए नियंत्रित की जाएगी। मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव सहित विभिन्न विपक्षी दलों के शीर्ष नेता 31 मार्च को रामलीला मैदान में रैली में भाग लेंगे। यह रैली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की पृष्ठभूमि में आयोजित की जा रही है। यातायात परामर्श के अनुसार, बाराखंभा रोड से गुरु नानक चौक तक रणजीत सिंह फ्लाईओवर, मिंटो रोड से गोल चक्कर कमला मार्केट तक विवेकानंद मार्ग, हमदर्द चौक, दिल्ली गेट से गुरु नानक चौक तक जेएलएन मार्ग पर और अजमेरी गेट, कमला मार्केट गोल चक्कर से गुरु नानक चौक और वीआईपी गेट के पास चमन लाल मार्ग, गुरु नानक चौक से तुर्कमान गेट तक सुबह नौ बजे से अपराह्न तीन बजे तक यातायात की आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा और यातायात प्रतिबंधित भी किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि राजघाट चौक, मिंटो रोड, डीडीयू मार्ग, पहाड़गंज चौक और दिल्ली गेट पर सुबह नौ बजे से मार्ग परिवर्तन किया जा सकता है। परामर्श में कहा गया है कि आवश्यकता के अनुसार यातायात नियमों और मार्ग परिवर्तन के संबंध में समीक्षा की जाएगी, जिसके बाद इसमें बदलाव भी किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि यात्रियों से अनुरोध है कि यदि संभव हो तो इन रास्तों का उपयोग करने से बचें और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें।

आईपी यूनिवर्सिटी के 20 यूजी प्रोग्राम में सीयूईटी स्कोर से भी होंगे दाखिले

समर्थ पोर्टल पर 31 मार्च और यूनिवर्सिटी के दाखिला पोर्टल पर 10 अप्रैल तक करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अकादमिक सत्र 2024-25 के लिए आईपी यूनिवर्सिटी के 20 यूजी प्रोग्राम में दाखिले सीयूईटी स्कोर से भी होंगे। पिछले साल की तरह इस बार भी दाखिले लिए सीयूईटी स्कोर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाओं (सीईटी) के बाद दूसरी प्राथमिकता होगी। दाखिले के इच्छुक छात्र समर्थ पोर्टल पर आज, 31 मार्च तक और यूनिवर्सिटी के दाखिला पोर्टल पर 10 अप्रैल तक आवेदन करें। आईपी यूनिवर्सिटी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यूजी सीयूईटी 24 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आज, 31 मार्च है। ऐसे में वैसे छात्र जो आईपी के 20 प्रोग्राम में सीयूईटी स्कोर से दाखिला लेना चाहते हैं वे समर्थ पोर्टल पर यूजी सीयूईटी 24 के लिए 31 मार्च तक आवेदन कर दें ताकि वे आईपी के 20 यूजी प्रोग्राम में सीयूईटी स्कोर से आवेदन करने से वंचित न रह जाए। समर्थ पोर्टल पर आवेदन के बाद छात्र आईपी यूनिवर्सिटी के ऑनलाइन दाखिला पोर्टल पर भी आवेदन करें।

प्रशासन ने बताया कि बीसीए, बीएससी (योग), बीए एलएलबी/बीबीए एलएलबी, बीएड,पारा-मेडिकल प्रोग्राम, बीबीए, बीएजेएमसी, बीएचएमसीटी, बीटेक(बायो टेक), बीफ़ार्मा, बीएससी (एमआईटी), बीएससी(इन्वायरॉन्मेंट साइयन्स), बीएससी (पैकिजिंग टेक्नॉलोजी), बीएससी/एमएससी (डूअल डिग्री), बीकॉम (आनर्स), बीएससी (एमटीआर), बीएड (स्पेशल एजुकेशन), चार वर्षीय बीए (अंग्रेज़ी, अर्थशास्त्र और लिबरल आर्ट्स) और बैचलर ऑफ डिजाइन जैसे ये 20 यूजी प्रोग्राम हैं।

केवीएस में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया एक अप्रैल से शुरु

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके तहत कक्षा 1 से 11 तक दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। कक्षा 1 में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शुरू होगी, जो 15 अप्रैल शाम 5 बजे तक चलेगी। वहीं, कक्षा 11 में दाखिले के लिए प्रवेश प्रक्रिया कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने के 10 दिन बाद शुरू की जाएगी। इसके लिए छात्र और अभिभावक आधिकारिक वेबसाइट को जांच सकते हैं। कक्षा 1 में दाखिले के लिए बच्चे की उम्र 31 मार्च 2024 तक कम से कम छह वर्ष होना आवश्यक है। वहीं, केवीएस के अनुसार कक्षा 2 और आगे की कक्षाओं के लिए ऑफलाइन पंजीकरण प्रक्रिया अप्रैल में शुरू हो जाएगी। केवीएस दाखिला 2024 में एससी/एसटी और ओबीसी श्रेणी के बच्चों को आरक्षण का फायदा मिलेगा। 15 प्रतिशत सीटें एससी के लिए आरक्षित, एसटी के लिए 7.5 प्रतिशत और ओबीसी वर्ग के लिए 27 फीसदी सीटें आरक्षित की गई हैं। कक्षा 1 में दाखिले के लिए पंजीकरण 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलेगा। वहीं, पहली चयनित और वेटिंग लिस्ट 19 अप्रैल को जारी की जाएगी। इसके बाद दूसरी लिस्ट 29 अप्रैल को और तीसरी 8 मई में जारी की जाएगी। कक्षा 2 और उससे अधिक के लिए रजिस्ट्रेशन 1 अप्रैल से 10 अप्रैल तक ऑफलाइन होंगे।

दिल्ली नगर निगम में करोड़ों रुपये की धांधली : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सत्ता के 15 माह में हर कुछ दिन बाद नई धांधली अथवा पार्षदों के लूट खसोट के किस्से साधारण हो गए हैं। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने शनिवार को आप सरकार पर यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि निगम का शिक्षा विभाग लगातार धांधली के किस्सों के चलते खबरों में रहता है, ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी, स्कूल ड्रेस, स्टेशनरी एवं किताबों के वितरण एवं बायस फंड जैसे हर मुद्दे में गड़बड़ी की शिकायतें आती रही हैं और यह क्रम जारी है। प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि अब इसी क्रम में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों को दिए जाने वाले वार्षिक रखरखाव फंड में किए जा रहे घोटाले का मामला सामने आया जिससे निगम को जानने वाले स्तब्ध हैं। दिल्ली नगर निगम के अपने 1534 स्कूलों को हर वर्ष स्कूल के साइज अनुसार रखरखाव फंड देता है। एक से 10 क्लास रूम वाले स्कूल को 1 लाख रुपये तो 10 से 30 क्लास रूम वाले स्कूल को 1.5 लाख रुपये तो 20 से अधिक क्लास रूम के स्कूल को 2 लाख रूपये दिये जाते हैं। प्रवक्ता कपूर ने कहा कि शनिवार 30 मार्च को दिन भर निगम स्कूलों मे प्रिंसीपल एवं शिक्षक इसी चिंता में बैठे रहे क्योंकि एक ओर महापौर एवं शिक्षा निदेशक कार्यालय का भुगतान दबाव है तो दूसरी ओर उन्हें सम्भावित सतर्कता विभाग जांच का भी डर है। महापौर एवं शिक्षा निदेशक दोनों की भूमिका इस लिए भी संदिग्ध है कि आखिर उन्होंने मात्र 2 से 4 दिन में खर्च के लिए इतना बड़ा आवंटन क्यों होने दिया।

भारद्वाज और आतिशी ने तथाकथित शराब घोटाला मामले में की संयुक्त प्रेसवार्ता

भाजपा का एक्साइज पॉलिसी में साउथ लॉबी से सीधा कनेक्शन : आप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भाजपा का एक्साइज पॉलिसी में साउथ लॉबी के साथ सीधा कनेक्शन है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने तथाकथित शराब घोटाला मामले में गवाहों के बयान के संबंध में संयुक्त प्रेसवार्ता में यह खुलासा किया। उन्होंने कहा कि गुरुवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के सामने बताया कि उनके खिलाफ मुख्यतः 4 लोगों के बयान हैं, जिसके आधार पर ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया है। उन्होंने कोर्ट से पूछा कि क्या इस तरह के 4 बयान एक सीटिंग मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त हैं? 'आप' की मांग है कि ईडी भाजपा और साउथ लॉबी के रिश्तों की जांच करे और दोनों को आरोपी बनाकर चार्जशीट कोर्ट में पेश करे।

'आप' के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि तथाकथित शराब मामले में सरकारी गवाह राघव मगुंटा के पिता मगुंटा रेड्डी को भाजपा के सहयोगी दल टीडीपी ने लोकसभा का टिकट दिया है। मगुंटा रेड्डी के लिए अब पीएम मोदी और भाजपा के नेता वोट मांगेंगे। सरथ रेड्डी से 60 करोड़ का चंदा लेना और मगुंटा रेड्डी को एनडीए से टिकट मिलना, शराब घोटाले के आरोपियों से भाजपा के करीबी लिंक होने का सबूत है। शराब मामले में मगुंटा रेड्डी ने दो बयान में कहा है कि एक्साइज पॉलिसी को लेकर उनकी सीएम से कोई बात नहीं हुई। लेकिन बेटे की गिरफ्तारी के बाद वो टूट गए और तीसरा बयान केजरीवाल के खिलाफ दे दिया। इसी तरह, राघव मगुंटा ने भी छह बयान में सीएम का नाम नहीं लिया, लेकिन 7वां बयान उनके खिलाफ देकर सरकारी गवाह बन गया और बेल मिल गई। वहीं, आतिशी ने कहा कि सरथ रेड्डी की तरह ही मगुंटा रेड्डी और उनके बेटे राघव मगुंटा का भाजपा के साथ रिश्ता अब देश के सामने आ गया है।

आतिशी ने बताया कि राघव मगुंटा रेड्डी और मगुंटा एस रेड्डी की फर्जी गवाही के आधार पर सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई। जब तक ईडी और भाजपा को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान नहीं मिला, तब तक हर गवाह को प्रताड़ित किया जाता रहा। आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरथ रेड्डी की तरह ही मगुंटा रेड्डी और उनके बेटे राघव मगुंटा का भाजपा के साथ रिश्ता अब देश के सामने आ गया है।

इलेक्टोरल बॉन्ड आजाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला : कक्कड़

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने इलेक्टोरल बॉन्ड को आजाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए भाजपा पर तीखा हमला किया। 'आप' की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए ईडी से उगाही कराई है। उन्होंने कहा कि जब इलेक्टोरल बॉन्ड लाया जा रहा था, तब आरबीआई के तत्काली गर्वनर उर्जित पटेल ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि यह कालेधन को सफेद करने की स्कीम साबित होगी। उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम लागू न करने को लेकर मोदी सरकार को चिट्ठी भी लिखी थी और बाद में इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि तथाकथित शराब मामले में सरकारी गवाह सरथ रेड्डी ने 9 बयान में सीएम केजरीवाल का नाम नहीं लिया। छह-सात महीने जेल में रखने के बाद सरथ रेड्डी के सामने शर्त रखी जाती है कि भाजपा को 60 करोड़ रुपए और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गवाही दो। फिर सरथ रेड्डी अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गवाही देकर सरकारी गवाह बन जाता है और इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए 60 करोड़ रुपए भाजपा को मिल जाता है।

अब चुनाव आयोग भी भाजपा के एजेंट की तरह कर रहा कार्य : भारती

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा दोहरे मापदंड अपनाने पर कड़ा ऐतराज जताया है। नई दिल्ली से इंडिया गठबंधन के घटक दल आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने शनिवार को प्रेसवार्ता में कहा कि ईडी की तरह ही अब चुनाव आयोग भी भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है। भाजपा पुलिस का दुरुपयोग कर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार करने रोक रही है और चुनाव आयोग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को वह विधायक वीरेंद्र कादियान के साथ दिल्ली कैंट में चुनाव प्रचार कर रहे थे, तभी पुलिस आ गई और धारा 144 का हवाला देकर उन्हें प्रचार करने से रोक दिया। भारती ने कहा कि पुलिस उनसे प्रचार के लिए चुनाव आयोग से अनुमति पत्र मांग रही है, जबकि आयोग नामांकन होने के बाद अनुमति पत्र देने की बात कह रहा है। ऐसे में वो अपना चुनाव प्रचार कैसे करें? 'आप' मांग करती है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उचित कदम उठाए। भारती ने कहा कि चुनाव आयोग किसी भी लोकतंत्र की महत्वपूर्ण इकाई होता है। भारत का चुनाव आयोग स्वयं कहता है कि वो एक स्वतंत्र इकाई है। उन्होंने एक वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग संविधान के हिसाब से अपना काम नहीं कर रहा है।

चुनाव के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने निकाला फ्लैग मार्च

चलाया कांबिंग और सर्च अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के दिशा निर्देश के तहत चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर फरीदाबाद पुलिस द्वारा आईटीबीपी के साथ मिलकर तीन चरणों में फ्लैग मार्च निकाला, जिसमें डीसीपी एनआईटी कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन में एनआईटी जोन में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखना के लिए जागरूक किया। इस फ्लैग मार्च में एसीपी मुजेसर महेश श्योराण, एसीपी बड़खल वीरेंद्र सिंह, थाना सेक्टर-58, धोज, कोतवाली, सारन, डबुआ, एसजीएम नगर, सूरजकुण्ड, एनआईटी के पुलिसकर्मी भारी संख्या में मौजूद रहे। आईपीबीटी की तरफ से इंचार्ज इंस्पेक्टर जगन्नाथ सिंह अपनी दो कंपनी के साथ मौजूद रहे।

> डीसीपी एनआईटी कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन में एनआईटी जोन में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए जागरूक किया।

शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए आमजनों को किया जागरूक

आइटीबीपी के साथ मिलकर चल रहा अभियान

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस आइटीबीपी की दो कंपनियों के साथ मिलकर विभिन्न एरिया में जाकर वहां पर रहने वाले लोगों को चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए जागरूक किया, ताकि समाज में शांति व्यवस्था सुदृढ़ की जा सके। इसी के तहत पुलिस तथा आइटीबीपी द्वारा सेक्टर-58 से फ्लैग मार्च शुरू कर राजीव कॉलोनी, करनेरा, सिकरोना, फिरोजपुर, जकोपुर, बीजोपुर, धौज, पाली, संजय कॉलोनी, मुजेसर, सारन, डबुआ, कोतवाली, एनआईटी, एसजीएम नगर, सूरजकुंड इत्यादि एरिया में होते हुए एनआईटी जोन के गांव में यह फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान आमजन को जागरूक किया गया कि चुनाव के दौरान कुछ असामाजिक तत्व समाज का माहौल बिगाडने की कोशिश करते हैं इसलिए ऐसे लोगों से सावधान रहें और शांति व्यवस्था कायम रखने में पुलिस का सहयोग करें। चुनाव के दौरान नशा तस्करों पर विशेष ध्यान रखें और किसी भी प्रकार के अपराध की जानकारी होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को देकर पुलिस प्रशासन के कार्यों में मदद करने के लिए प्रेरित किया गया।

खबर संक्षेप

स्कूल एसोसिएशन ने डीईओ को सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। इंडियन प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने डीईओ कार्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी आशा दहिया को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालों में इंडियन प्राइवेट स्कूल एसोसिएशनके चेयरमैन डॉ. विमल पाल, प्रधान प्रदीप गुप्ता, महासचिव राजेश मदान एडवोकेट, शोभित आजाद,. भूपेन्द्र श्योराण, अभिषेक सिंह, पुरूषोत्तम, अमित गर्ग ने शामिल थे।

देशी कट्टे सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर प्रभारी जितेन्द्र की टीम ने आरोपी को देशी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।आरोपी अश्वनी फरीदाबाद के पल्ला का रहने वाला है।

क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर आरोपी को सराय एरिया से अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया था। आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद किया गया। आरोपी को थाने लाकर उसके खिलाफ अवैध हथियार अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले में पूछताछ की गई।

वाहन चोरी के मामले में गिरफ्तारी, ऑटो बरामद

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी प्रभारी संदीप कुमार की टीम ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम मनोज है । पूछताछ की गई तो बताया

कि ऑटो उसने 27 मार्च को पल्ला से चोरी किया था। मामले में गहनता से पूछताछ करने के लिए आरोपी को काबू कर थाने लाया गया और मामले की जांच शुरू की गई तो सामने आया कि आरोपी के खिलाफ चोरी व अवैध हथियार के 11 मुकदमे दर्ज हैं।

हिरासत से भाग रहा लुटेरा मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने लूट का फोन बरामद करने गई पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने वाले लुटेरे को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। यह लुटेरा पुलिस की गोली से घायल हो गया था। उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके कब्जे से लूटा गया एक आईफोन और एक तमंचा , जिंदा कारतूस के साथ बरामद किया है। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि गिरफ्तार लुटेरे का नाम आरिफ है।

3198 पोलिंग स्टेशनों की व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक बैठक

प्रत्येक विधानसभा में मॉडल व पिंक बूथ बनाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मतदान स्थलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए योजना बनाई गई।

बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले 413 मतदान केंद्र के साथ-साथ, संबंधित नगर पालिकाओं तथा नगर पंचायत में भी आने वाले मतदान केन्द्र की व्यवस्था को सुदृढ़ कराया जाना है।

जनपद गाजियाबाद अंतर्गत आने वाले 841 मतदान केन्द्र पर, समुचित प्रकाश व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, रैंप की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, फर्नीचर की व्यवस्था मतदाताओं के लिए प्रवेश एवं विकास द्वारा की व्यवस्था, हेल्प डेस्क व सैनेज की व्यवस्था, व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए तथा एक टीम के रूप में प्रशंसनीय कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया ।

गाजियाबाद नगर निगम सीमा क्षेत्र के साथ-साथ मोदीनगर, मुरादनगर, लोनी व खोड़ा मकनपुर नगर पालिकाओं में अधिशासी अधिकारियों को व्यवस्था बेहतर करने के लिए कहा गया है तथा मतदेय स्थलों पर लगातार निरीक्षण कर कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत क्षेत्र पतला, निवाड़ी फरीदनगर, डासना की अधिशासी अधिकारियों को भी अपने क्षेत्र में मध्य प्रदेश स्थलों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए निर्देशित किया गया है।

> नगर आयुक्त ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले 413 मतदान केंद्र के साथ-साथ, संबंधित नगर पालिकाओं तथा नगर पंचायत में भी आने वाले मतदान केन्द्र की व्यवस्था को सुदृढ़ कराया जाना है।

खास बातें

- गाजियाबाद जनपद के अंतर्गत आने वाले 841 मतदान केन्द्र
- मॉडल व पिंक बूथ को सुसज्जित करने की जिम्मेदारी एसडीएम को

महिला मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था, दिव्यांगों के लिए व्यवस्था युक्त बूथ

जनपद गाजियाबाद में लोनी विधानसभा 53, विधानसभा 54 मुरादनगर, विधानसभा 55 साहिबाबाद, विधानसभा 56 गाजियाबाद, विधानसभा 57 मोदीनगर की मतदान केंद्रो की जिम्मेदारी नगर आयुक्त गाजियाबाद बखूबी निभा रहे हैं । लगातार अधिकारियों से भी बैठक कर रहे हैं तथा लोकसभा सामान्य निर्वाचन व्यवस्थाएं बूथो पर सुदृढ़ रहे, नजर बनाए हुए हैं इसी के साथ पांचो विधानसभा में एक-एक पिंक बूथ तथा मॉडल बूथ बनाने के लिए भी निर्देशित किया गया है पिंक बूथ तथा मॉडल बूथ पूर्णतः व्यवस्थित तथा सुसज्जित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं, जिसके लिए एसडीएम को जिम्मेदारी सौपी।

प्रकाश व्यवस्था बेहतर रखने के लिए खास निर्देश

तहसीलदार सदर, तथा गाजियाबाद नगर निगम सहयोग कर बूथों को आकर्षक बनाएगा, बैठने की व्यवस्था यदि बच्चों के साथ आती है महिलाएं तो उनके लिए अलग से व्यवस्था, दिव्यांग जनों के लिए व्यवस्था से युक्त बूथ बनाए जाएंगे, महिलाओं के लिए विशेष रूप से व्यवस्थाएं होगी, नगर आयुक्त द्वारा गाजियाबाद नगर निगम के मुख्य अभियंता निर्माण एनके चौधरी, महाप्रबंधक जल केपी आनंद, प्रभारी प्रकाश आस कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश को मतदेय स्थल पर रैंप की व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था आवश्यकता अनुसार मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करने के लिए विशेष निर्देश दिए हैं जिसके क्रम में अधिकारी गण कार्य कर रहे हैं।

दो सगे भाई 2 साल से चला रहे थे रैकेट

सेक्सटॉर्शन रैकेट का सरगना सहित दो काबू

- सोशल मीडिया पर फेक आईडी बनाकर करते थे वीडियो कॉल
- आपत्तिजनक वीडियो बनाकर करते थे लोगों को ब्लैकमेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

पुलिस ने राजस्थान के अलवर से चल रहे एक सेक्सटॉर्शन रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपी दोनों सगे भाई हैं,जो लड़कियों के नाम से सोशल मीडिया पर फेक आईडी बनाकर पहले लड़कों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे।

इसके बाद लोगों को वीडियो कॉल कर आपत्तिजनक वीडियो चला देते थे और उसका स्क्रीन रिकॉर्ड कर ब्लैकमेल करते थे। पुलिस ने एक आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है और पूछताछ कर रही है।

ब्लेकमेल कर ठगे 40 हजार रुपए

पुलिस को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसे सोशल मीडिया के जरिए एक युवती की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। रिक्वेस्ट को एसेप्ट करने के बाद उसी आईडी से वीडियो कॉल किया गया। जब उसने वीडियो कॉल पर बात करनी शुरू की तो उसी वक्त युवती की तरफ से आपत्तिजनक हरकतें की जाने लगी। इस वीडियो को रिकॉर्ड कर उसे ब्लैकमेल किया जाने लगा। आरोप है कि एक व्यक्ति ने फोन कर उसकी वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी और उससे करीब 40 हजार रुपए ठग लिए। अपने साथ हुई इस ठगी की शिकायत उसने साइबर थाना वेस्ट को दी। जिसके बाद एसीपी साइबर वेस्ट प्रियांशु दीवान के निर्देशानुसार साइबर क्राइम वेस्ट के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन, एसआई सचिन, एएसआई अमित, राकेश, हवासिंह की टीम ने वारदात को अंजाम देने वाले दो भाइयों को काबू किया।

दो साल से चला रहा था रैकेट

आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सगे भाई है और इनके आसपास/क्षेत्र के लड़के ओएलएक्स फ्रॉड, फेसबुक, व्हाट्सएप से न्यूड वीडियो कॉल करके धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपी जुनैद ने न्यूड वीडियो कॉल के माध्यम से धोखाधड़ी करना सीखा और अपने भाई अलताप को भी साइबर ठगी की तकनीक सिखाई। इसके बाद दोनों भाई साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देने लगे।

ऑडिट में हुआ खुलासा

ट्रांसपोर्ट कंपनी चालकों ने किया 55 लाख का सामान गायब

एजेंसी ▶▶ गुरुग्राम

फर्रुखनगर थाना एरिया में ट्रांसपोर्ट कंपनी के चालकों ने अमेजन कंपनी का 55 लाख रुपये का सामान गायब कर दिया। आरोपी ट्रांसपोर्ट कंपनी के कैंटर को मुंबई में छोड़कर फरार हो गए। कंपनी के द्वारा किए ऑडिट में खुलासा हुआ। पुलिस ने ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव सिधरावली निवासी विजयपाल ने कहा कि वह एक ट्रांसपोर्ट कंपनी चलाता है।

मुंबई के लिए निकले थे

छह टायर का ट्रक अमेजन कंपनी में लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्नाव का अस्जदुल्लाह और अलीगढ़ का विकास कुमार ट्रक को लेकर नौ मार्च को फर्रुखनगर से मुंबई जाने के लिए निकले थे। ट्रक में अमेजन

कंपनी का मोबाइल फोन सहित अन्य सामान था। 12 मार्च को मुंबई स्थित उनके ऑफिस में पहुंचे । चालक ट्रक को वहीं कंपनी में छोड़ने के बाद गायब हो गए।

महानगर अध्यक्ष व प्रत्याशी मामला

अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ की शिकायत

एजेंसी ▶▶ गाजियाबाद

भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा व लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग के साथ बदसलूकी की अफवाह फैलाने के मामले में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने साहिबाबाद थाने में तहरीर दी और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ करवाई की मांग की। तहरीर में कहा गया है कि कुछ लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने का एवं आक्रोश में लाने का कार्य किया है।

शांति भंग की कोशिश

एक तरह से गाजियाबाद में शांति भंग करने का जो कार्य किया है। थाना प्रभारी अजय चौधरी ने तहरीर पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन देकर पूर्ण सहयोग पुलिस के द्वारा किया जाने का

आश्वासन दिया है। तहरीर देने वालों में दीपक राघव, मनोज पाल, विनीत चौधरी, राजेश सिंह, राजकुमार खन्ना, सूरज कसाना आदि थे।

अमरोहा से दिल्ली जा रही बच्चों से भरी कार पलटी, 10 साल का बच्चा व चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

यहां दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर बच्चों से भरी एक अर्टिगा कर कैंटर से टकराकर पलट गई। जिससे उसमें सवार 11 स्कूली बच्चे व ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने पर कार ड्राइवर व एक 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई जबकि बाकी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

- छठीं कक्षा में प्रवेश परीक्षा देने जा रहे थे 11 स्कूली बच्चे

एसीपी क्रॉसिंग रिपब्लिक पूनम सिंह ने बताया कि सुबह दिल्ली में छठी क्लास के लिए परीक्षा प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। अमरोहा के एक ट्यूशन सेंटर से अर्टिगा कर में 11 बच्चे व ड्राइवर प्रवेश परीक्षा देने जा रहे थे। जब कार क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर नीलम धर्म कांटा के पास पहुंची तभी अचानक वह कैंटर से टकरा गई और पलट गई। सभी बच्चे घायल हो गए।

घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल मणिपाल अस्पताल जिला एमएमजी अस्पताल वह अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। क्रॉसिंग रिपब्लिक के एसएसआई तेहजीबुलहसन पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में पहुंचने पर कार ड्राइवर व एक दस वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस आगे की करवाई कर रही है।

दुर्लभ सांपों को गले में डालकर बनाया वीडियो

सांपों के साथ क्रूरता मामले में एल्विश व राहुल पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गाने की शूटिंग में दुर्लभ प्रजाति के सांपों का इस्तेमाल करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर शनिवार को बादशाहपुर थाना पुलिस ने बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता एवं यूट्यूबर एल्विश यादव व हरियाणवी सिंगर राहुल यादव फाजिलपुरिया के खिलाफ

एफआईआर दर्ज कर ली है।

दो दिन पहले गुरुग्राम में एसीजेएम मनोज राणा की कोर्ट ने एक याचिका पर संज्ञान लेते हुए राहुल यादव फाजिलपुरिया व एल्विश यादव के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे।

चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट मनोज राणा की अदालत ने दिए आदेश

एनजीओ की ओर से दायर की गई याचिका

याचिका पीपल फॉर एनिमल एनजीओ की ओर से संचालक सौरभ गुप्ता की ओर से दायर की गई थी। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि गाने की शूटिंग के दौरान दुर्लभ प्रजाति के सांपों को अवैध रूप से प्रयोग किया गया और इन्हें गले में डालकर शूटिंग की गई। एल्विश यादव और सिंगर राहुल यादव फाजिलपुरिया का कुछ महीने पहले ही 32 बोर गाना आया था। जिसमें दोनों गले में सांप डालकर वीडियो में नजर आए थे। इसमें आरोप लगाया गया कि ये दुर्लभ प्रजाति के सांप व जीव हैं। इन्हें रखने की परमिशन नहीं होती है। लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिस पर याचिका कोर्ट में दायर की गई थी। जिस पर कोर्ट ने बादशाहपुर थाना पुलिस को केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। याचिका पर मनोज कुमार राणा एसीजेएम की कोर्ट के आदेश सीआरपीसी की धारा 156(3) के अनुसार एल्विश यादव व गायक फाजिलपुरिया के गाने की शूटिंग के दौरान अवैध रूप से सांपों का प्रयोग करने के कारण वन्यजीवों के प्रति क्रूरता के चलते केस दर्ज कर लिया।

साइबर पुलिस ने 2023 में साइबर अपराध के 229 मुकदमे दर्ज किए

423 आरोपियों को किया गिरफ्तार, 5.49 करोड़ वसूले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस तीनों जोन की साइबर थाना पुलिस टीम के द्वारा कार्रवाई करते हुए वर्ष 2023 में 423 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साइबर ठगों के द्वारा नए-नए तरीकों से साइबर फ्रॉड किए जा रहे है जिसमें स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर, सोशल मीडिया पर टास्क पूरा करने के नाम पर लैप्स बीमा पॉलिसी का फुल रिटर्न दिलाने के नाम पर, कुछ मिनट में ही लोन देने के लिए, घर बैठे लोन उपलब्ध करवाने का लालच देती हैं और

ट्रेडिंग के नाम पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच

- अपराध शाखा ने 8867 लाख शिकायतकर्ता को करवाए रिफंड

2.23 करोड़ रुपए बैंक खाते में करवाएं फ्रीज

वर्ष 2023 में फरीदाबाद की साइबर पुलिस ने 229 मुकदमे सुलझाते हुए 423 आरोपियो को गिरफ्तार किया और इस दौरान आरोपियों से करीब 5.49 करोड़ रूपए कराए बरामद। साइबर पुलिस ने 15486 शिकायतों में से निस्तारण करते हुए 3.07 करोड़ रुपए करवाए रिकवर, 8867 लाख रुपए शिकायतकर्ता को करवाए रिफंड, साइबर अपराध के मामलों में 2.23 करोड़ रुपए बैंक खाते में कराए फ्रीज करवाएं।

फर्जी ऐप डाउनलोड करवा दें, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़वाने के नाम पर, घर बैठे कमाने का लालच, फ्री गिफ्ट, लॉटरी लगना के नाम पर, वाउचर जीतने के नाम पर, बैंक कर्मी बनकर, विदेश भेजने के नाम पर, जाब दिलाने के नाम पर, अश्लील वीडियो कॉल रिकॉर्ड से ब्लैकमेल करए एईपीएस इत्यादी के नाम पर लोगो के साथ साइबर फ्रॉड किया जाता है।

बचाव में किसी भी विदेशी नम्बर से कॉल आए तो नजरअंदाज करे। व्हाट्सएप पर अनजान नम्बर से विडियो कॉल, कॉल आने पर नजरअंदाज करें।

मथुरा के बलदेव में डोल पंचमी के साथ 45 दिवसीय होली महोत्सव का समापन हो गया। होलिकोत्सव के आखिरी दिन खूब अबीर-गुलाल उड़ा और जमकर रंग बरसा।

डोल पंचमी के साथ हो गया 45 दिवसीय होली महोत्सव का समापन

खूब उड़ा अबीर-गुलाल, बरसा रंग

एजेंसी ▶▶ मथुरा

तीर्थनगरी मथुरा के बलदेव में ब्रज के राजा श्री बलदाऊजी के 45 दिवसीय होली महोत्सव का समापन डोल पंचमी के साथ हो गया। श्री दाऊजी महाराज मंदिर में 45 दिवसीय होली महोत्सव समापन के अवसर सुबह से शाम तक भारी भीड़ उमड़ती रही। दोपहर में मंदिर में हजारों सेवायत व श्रद्धालुओं की उपस्थिति में समाज गायन हुआ।

इसमें होली के पद गायन विभिन्न वाद्य यंत्रों से हुआ। समाज गायन की गूंज चारों ओर उठी। समाज गायन में जोश व उत्साह नजर आया। समाज गायन में ढप धरि दे यार गई परु की, जो जीवेगौ सो खेलेगौ फाग से समाज गायन के स्वर गूंज उठे। अबीर, गुलाल टेसू के रंग की वर्षा के साथ गुलाल व टेसू के रंगों से सेवायत व श्रद्धालु सरावोर नजर आए।

■ होली के पदगायन अलग-अलग वाद्य यंत्रों से हुआ। गायन की गूंज चारों ओर उठी, जोश नजर आया

समस्त गुलाल अबीर टेसू के रंग की वर्षा के साथ 45 दिवसीय होली महोत्सव समापन हो गया। मंदिर को विशेष रूप से गुब्बारों, फूलों, आम व केला के पत्तों से फूल बंगला से आकर्षक ढंग से सजाया गया। श्री दाऊजी महाराज व रेवती मैया मनोहारी श्रृंगार में बड़े मनोहारी लग रहे थे।

फऊआ प्रसाद में लड्डू पेड़ा, गुजिया बांटे

भारी भीड़ देर शाम तक उमड़ती रही। महिलाएं लहंगा फरिया में आई। इस अवसर पर सभी को फऊआ प्रसाद में लड्डू, पेड़ा, गुजिया आदि बांटा गया। मंदिर रिसीवर आर के पांडेय व पुजारी रामनिवास शर्मा ने बताया जो जीवैगौ सो खेलेगौ फाग की गूंज के साथ होली का समापन अगले साल की तैयारी के साथ विदा हो गया।

खबर संक्षेप

बिजनौर से चुनावी प्रचार शुरू करेंगी मायावती

बिजनौर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नगीना लोकसभा सीट सबसे शांत लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबलों वाली सीट है। नगीना के मतदाताओं ने अधिकतर बाहरी प्रत्याशी के साथ-साथ हर बार नई पार्टी व नए प्रत्याशी को ही गले लगाया है। अब तक हुए तीन चुनाव में दो बार बाहरी प्रत्याशी को यह सीट रास आई है, जबकि तीनों चुनाव में नगीना की जनता ने हर बार नई पार्टी के प्रत्याशी को जिताकर संसद में भेजा है।

बरेली जंक्शन पर 38 बोतल शराब बरामद

बरेली। बरेली जंक्शन पर जीआरपी ने चेकिंग के दौरान हरियाणा मार्का अंग्रेजी शराब की 38 बोतलों के साथ बिहार के दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। प्लेटफार्म नंबर एक पर जीआरपी की टीम को चेकिंग के दौरान बेंच पर बैठे दो संदिग्ध युवक दिखे। इनमें पास तीन बड़े बैग थे। शक होने पर दोनों की तलाशी ली गई।

---

30 साल तक मेनका गांधी व वरुण गांधी का इस सीट पर था कब्जा

35 साल बाद पीलीभीत के मतदाता मेनका व वरुण के बगैर देंगे वोट

टीएन मिश्र ▶▶ लखनऊ

इस बार न तो पीलीभीत से मेनका गांधी चुनाव लड़ रही हैं और न ही उनके बेटे वरुण गांधी। शनिवार को नामांकन वापसी के आखिरी दिन 16 में से 6 प्रत्याशियों ने अपने टिकट वापस ले लिए हैं ।अब इस सीट से 10 प्रत्याशी अपना अपना भाग्य आजमाएंगे।

यूपी की पीलीभीत लोकसभा सीट के मतदाता 35 साल बाद गांधी नेहरू परिवार के किसी सदस्य को वोट नहीं दे सकेंगे। जिसकी वजह यह है कि इस बार न तो वहां से मेनका गांधी चुनाव लड़ रही हैं और ना ही उनके बेटे वरुण गांधी । शनिवार को नामांकन वापसी के आखिरी दिन 16 में से 6 प्रत्याशियों ने अपने टिकट वापस ले लिए हैं ।अब इस सीट से 10 प्रत्याशी अपना अपना भाग्य आजमाएंगे।

भाजपा के जितिन प्रसाद का सपा और बसपा के प्रत्याशी से सीधा मुकाबला होगा। यूपी के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद पहली बार पीलीभीत से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे है। इसके पहले वह धौरहरा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं।

- भाजपा के जितिन प्रसाद का सपा और बसपा के प्रत्याशी से सीधा मुकाबला
- वरुण गांधी ने गरीबी, स्वास्थ्य , नौकरियों को मुद्दे पर भाजपा की आलोचना की थी

कृषक दल और राष्ट्रीय समाज दल ने भी उतारे प्रत्याशी

भारतीय कृषक दल ने राजीव कुमार सक्सेना तो राष्ट्रीय समाज दल आर ने संजय कुमार भारती को बनाया प्रत्याशी इनके अलावा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में आदर्श पांडे आशीष कुमार प्रमोद कुमार पटेल मोहम्मद शाहिद हुसैन व सुशील कुमार शुक्ला पीलीभीत से अपनी किस्मत आजमाएंगे।

पार्टी विरोधी बयानों के चलते कटा वरुण का टिकट

तीन दशक से मेनका और वरुण के कब्जे में रही इस सीट पर वरुण लगातार जनता के बीच बने रहे। कई मौकों पर उन्होंने गरीबी, स्वास्थ्य और नौकरियों के मुद्दे पर भाजपा की आलोचना भी की। मोदी सरकार की आलोचना करना महंगा पड़ गया।

समाजवादी पार्टी ने भागवत शरण पर लगाया दांव

समाजवादी पार्टी भागवत शरण को प्रत्याशी बनाकर सीट हासिल करने की कोशिश में है। वहीं बीएसपी ने अनीस अहमद खां को अपना उम्मीदवार बनाया है।

1831699 वोटर तय करेंगे भविष्य

पीलीभीत लोकसभा के एक करोड़ 83 लाख 1699 वाटर इन प्रत्याशियों का भाग्य तय करेंगे जिसमें से 978577 पुरुष व 853082 महिला वोटर हैं। जबकि 40 थर्ड जेंडर इस लोकसभा क्षेत्र में शामिल है।

हेमा मालिनी के सामने मुक्केबाज विजेंदर को कांग्रेस ने बनाया लोकसभा प्रत्याशी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा से दो बार सांसद रहीं और सिने स्टार हेमामालिनी के ग्लैमर की काट के लिए कांग्रेस ने अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। इससे जिले के जाट बाहुल्य मतदाताओं को भी आकर्षित किया जा सकेगा। इंडिया गठबंधन में मथुरा लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में आई है। यहां से कांग्रेस ने बॉक्सर विजेंदर सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। विजेंदर सिंह ने पिछली बार दिल्ली से भी लोकसभा चुनाव लड़ा था। दरअसल मथुरा से भाजपा की हेमामालिनी दो बार की सांसद रही हैं।

हांसी में विजय संकल्प रैली में बोले हरियाणा के सीएम

कांग्रेस में बेटे और भाजपा में कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाने की सोच : नायब

■ पार्टी प्रत्याशी रणजीत सिंह के पक्ष में मतदान का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

देश में लोकसभा चुनाव के आगाज के बाद भाजपा ने शनिवार को हांसी में विजय संकल्प रैली का आयोजन कर हरियाणा में भी लोकसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया। अनाज मंडी में आयोजित विजय संकल्प रैली में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 31 मिनट तक लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री सैनी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पार्टी पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में बाप के स्थान पर बेटे को मुख्यमंत्री बनाने की सोच थी और जिस जिले का मुख्यमंत्री बनता था विकास भी केवल उसी जिले तक सिमट कर रह जाता था। जबकि भाजपा में विचार होता है कि आगामी मुख्यमंत्री कौन सा कार्यकर्ता बनेगा। कांग्रेस पार्टी पिछले 60 वर्षों में केवल सत्ता हासिल करने के लिए केवल चुनाव में बड़ी बड़ी बातें कहती रही, जिस कारण कांग्रेस आज देश की जनता का विश्वास खो चुकी है जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेकर देश की जनता का दिल जीता है।

मोदी की गारंटी पर जनता का भरोसा

आज मोदी की गारंटी से विपक्ष में इतना खौफ है कि कांग्रेस शासनकाल में मुख्यमंत्री रहे नेता भी चुनाव लड़ने में हिचक रहे है और अपने स्थान पर किसी ओर को चुनाव लड़वा कर उसे बलि का बकरा बनाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने हिसार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी उम्मीदवार रणजीत सिंह चौटाला के पक्ष में मतदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि रणजीत चौटाला, मोदी का सिपाही बनने के लिए आपका आशीर्वाद लेने के लिए आपके बीच में आए हैं, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में हिसार का प्रतिनिधि बनकर अपना योगदान दे सकें। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

पेज एक का शेष

भारत रत्न से सम्मानित हुईं ...

राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राष्ट्रपति से यह सम्मान स्वीकार किया। स्वामीनाथन की ओर से उनकी बेटी नित्या राव और कर्पूरी ठाकुर की ओर से उनके बेटे रामनाथ ठाकुर ने राष्ट्रपति मुर्मू से यह पुरस्कार लिया। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केंद्र सरकार ने इस साल भारत रत्न के लिए पांच नामों की घोषणा की, जिसमें भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी भी शामिल थे। राष्ट्रपति मुर्मू भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के आवास पर जाएंगी और उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ भाजपा नेता आडवाणी के खराब स्वास्थ्य को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। लालकृष्ण आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को कराची में हुआ था। वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद से उन्होंने लंबे समय तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनका संसदीय करियर करीब 3 दशकों का रहा है जिसमें पहले वे गृह मंत्री और बाद में अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में उप प्रधानमंत्री रहे थे। कश्मीर में धारा 370 व राम मंदिर का मुद्दा उन्होंने मुखर तरीके से उठाया था और जनांदोलन बना दिया था।

चौधरी चरण सिंह...

याद किया जाता है। किसानों से उनका जुड़ाव अद्भुत था। स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की ओर से भारत रत्न उनके पौत्र जयंत चौधरी ने प्राप्त किया।

पीवी नरसिंह राव....

अधिकार सर्वविदित था। स्वर्गीय पीवी नरसिंह राव की ओर से भारत रत्न उनके पुत्र पीवी प्रभाकर राव ने प्राप्त किया।

डॉ. एमएस स्वामीनाथन...

शिक्षा और नई किस्मों तथा विधियों के विकास के लिए अनेक अभियानों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन सभी के लिए भोजन और पोषण सुरक्षा के लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। वह सर्वदा-हरित क्रांति के दृष्टिकोण के साथ सस्टेनेबल एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने के लिए काम करते रहे। स्वर्गीय डॉ. एमएस स्वामीनाथन की ओर से भारत रत्न उनकी बेटी डॉ. नित्या राव ने प्राप्त किया।

कर्पूरी ठाकुर...

के प्रबल पक्षधर थे। वे अपने जीवन की सादगी और निःस्वार्थ कार्यों के लिए जाने जाते हैं। स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर की ओर से भारत रत्न उनके पुत्र रामनाथ ठाकुर ने प्राप्त किया।

कुल 27 सदस्य...

डॉ. मोहन यादव व पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान शामिल किए गए हैं।

हंसराज हंस...

सूची के अनुसार ओडिशा की जाजपुर (अजा) सीट से डॉ. रबिंद्र नारायण बेहरा, कंधमाल से सुकांत कुमार पाणिग्रही, कटक से भतृहरि महताब, पंजाब राज्य में गुरदासपुर से दिनेश सिंह बब्बू, अमृतसर से तरणजीत सिंह संधू, जालंधर (अजा) से सुशील कुमार रिंकू, लुधियाना से रवनीत सिंह बिट्टू, फरीदकोट (अजा) से हंस राज हंस, पटियाला से श्रीमती परनीत कौर, पश्चिम बंगाल राज्य में झारग्राम (अजजा) से डॉ. प्रणत टुडू और बीरभूम से आईपीएस देबाशीष धर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

तरणजीत सिंह संधू अमृतसर से चुनावी मैदान में: इसके अलावा अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू अमृतसर से चुनावी मैदान में उतरेंगे। हंस राज हंस 2019 में भाजपा के टिकट पर उत्तर पश्चिम दिल्ली से जीते थे, उन्हें इस बार फरीदकोट सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया है। महताब कटक से चुनाव लड़ेंगे: हाल ही में बीजद छोड़ने वाले अनुभवी सांसद महताब कटक से चुनाव लड़ेंगे। इसी तरह बिट्टू लुधियाना, कौर पटियाला और रिंकू जालंधर से चुनाव लड़ेंगे। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते बिट्टू और पंजाब के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह की पत्नी कौर दोनों कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे, जबकि रिंकू आम आदमी पार्टी में थे।

भारत के गोल्ड रिजर्व....

में आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर कम होकर 4.662 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौन विदेशी मुद्रा संपत्ति 123 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 568.264 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है।

खुदाई के दौरान ...

बताया कि भोजशाला के अंदर खुदाई के दौरान मिल रहे अवशेषों को संरक्षित किया जा रहा है। कुछ नए स्थानों को चिन्हित किया गया है। संभावना है कि यहां भी खुदाई का काम शुरू होगा। गोयल ने कहा कि भोजशाला के स्तंभ और दीवारों पर बनी आकृतियों से सच सामने आएगा। हम सालों से इस सच को कानून के दायरे में रहकर साबित करना चाह रहे थे, जो अब जल्द उजागर होगा।

शुक्रवार को किया था पिछले हिस्से में मेजरमेंट: एएसआई की टीम ने शुक्रवार को भोजशाला के पिछले हिस्से में 50 मीटर तक की परिधि का मेजरमेंट किया था। इसी हिस्से में टीम खुदाई भी कर रही है। भोजशाला के पिछले हिस्से में 3 स्थानों पर गड्ढे किए गए हैं। गर्भगृह के पीछे करीब 10 फीट तक गड्ढा किया गया है। इस गड्ढे के आधार पर ही भवन की नींव तलाशी जा रही है। गड्ढे की लंबाई, चौड़ाई और गहराई को बढ़ाया जा रहा है। इसके साथ दो अन्य गड्ढों से मिट्टी हटाकर परीक्षण किया जा रहा है। टीम ने भोजशाला परिसर में मौजूद हवन कुंड की भी जांच की। हर मंगलवार को होने वाले सत्याग्रह के दौरान इसी कुंड में आहुति दी जाती है। टीम के सदस्यों ने भोजशाला की छत, अकल कुइयां क्षेत्र में भी सर्वे किया है।

सीएम खांडू समेत...

तवांग जिले की मुक्तो विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। यह क्षेत्र खांडू का गढ़ माना जाता है। 2010 में अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री दोरजी खांडू की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत के बाद हुए उपचुनाव में पेमा खांडू यहां से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध चुने गए थे। खांडू ने 2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव में भी इस सीट से जीत हासिल की थी।

करीबी मंत्री रहे गहलोत...

को समन जारी किया था और उन्हें तत्काल पूछताछ के लिए अपने दफ्तर बुलाया था। गहलोत से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा है। एजेंसी का कहना है कि गहलोत मंत्रियों के उस ग्रुप का हिस्सा थे। जिसने 2021-22 के लिए शराब नीति बनाई थी। इसमें तब डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और पूर्व शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन भी शामिल थे। एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में गहलोत का नाम लिखा था। ईडी का आरोप है कि शराब नीति साउथ लॉबी को लीक की गई थी, जिसमें तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी के. कविता भी शामिल थीं। साउथ लॉबी पर आप और उसके नेताओं को 100 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है।

सुनीता केजरीवाल से मिलीं कल्पना सोरेन: झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने के लिए पहुंची। कल्पना सोरेन ने मुलाकात के बाद कहा कि जैसी घटना दो महीने पहले झारखंड में हुई थी दिल्ली में भी वैसा ही कुछ हुआ है। मैं सुनीता केजरीवाल से मिलकर उनका दुख दर्द बांटने आई थीं। हमने मिलकर प्रण लिया है कि इस लड़ाई को हमें बहुत दूर तक लेकर जाना है। अरविंद केजरीवाल के साथ पूरा झारखंड रहेगा।

दिल्ली जल बोर्ड केस में ईडी ने पहली चार्जशीट दाखिल की: ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड केस में पहली चार्जशीट दाखिल की है। इसमें एक कंपनी और 4 लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। दावा किया गया है कि दिल्ली जल बोर्ड ने ठेका देने में भ्रष्टाचार किया। घूस की रकम आम आदमी पार्टी को इलेक्शन फंड के तौर पर दी गई। दिल्ली जल बोर्ड केस में यह ईडी की पहली चार्जशीट है। इसे दिल्ली की स्पेशल प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) कोर्ट में पेश किया गया। चार्जशीट में जल बोर्ड के पूर्व इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा, कॉन्ट्रैक्टर अनिल कुमार अग्रवाल समेत कंपनी के लोगों को आरोपी बनाया गया है।, एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड कंपनी के पूर्व जनरल मैनेजर डीके मित्तल, एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और तेजिंदर सिंह को आरोपी बनाया गया है। एजेंसी ने इस मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को भी पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था, पर वो नहीं पहुंचे। ईडी ने केजरीवाल को शराब घोटाला केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था, वे अभी भी ईडी की कस्टडी में हैं। ईडी ने जल बोर्ड केस में केजरीवाल के पर्सनल असिस्टेंट वैभव कुमार, आप के राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता, दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सदस्य शलभ कुमार, चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज मंडल और कुछ और लोगों के घर छापा मारा था।

38 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट में सीबीआई ने दर्ज की थी एफआईआर: सीबीआई ने भी इस मामले में एक एफआईआर दर्ज की है, इसमें जगदीश अरोड़ा को आरोपी बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि अरोड़ा ने जल बोर्ड का एक ठेका एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिया था। ये 38 करोड़ का ठेका था। सीबीआई का आरोप है कि कंपनी तकनीकी तौर पर ठेका लेने के काबिल नहीं थी, इसके बावजूद उसे ठेका दे दिया गया। अरोड़ा को ईडी ने 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। कॉन्ट्रैक्टर अनिल अग्रवाल भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

सहरसा में दो बसें धू-धूकर जली, मच गया हड़कंप

एजेंसी ▶▶ सहरसा

बिहार के सहरसा में बस स्टैंड पर खड़ी दो बसों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते दोनों बसें धूं-धूंकर जलने लगीं।

इनमें से एक बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। बसों में आग लगने से स्टैंड पर अफरातफरी का माहौल हो गया। अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियों और स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इन बसों में कुछ यात्री बैठे हुए थे। उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

एक बस पूरी तरह जल गई

बस स्टैंड पर खड़ी एक बस में अचानक आग लग गई। उसके पास खड़ी दूसरी बस को भी आग ने लपेटे में ले लिया। ये बसें सहरसा से आलमनगर जाने वाली थीं। बस मालिक राजन उर्फ पप्पू सिंह ने बताया कि शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी। एक बस पूरी तरह जलकर राख हो गई, जबकि दूसरी भी काफी जल गई है। बस स्टैंड पर करीब दो घंटे तक अफरातफरी रही।

ओबीसी वोटरों पर एनडीए व महागठबंधन लगा रहे दांव

एजेंसी ▶▶ रांची

लोकसभा चुनाव 2024 में जाति गणना का मुद्दा चर्चा में बना हुआ है। झारखंड में एनडीए और महागठबंधन दोनों ओबीसी वोटरों पर दांव लगा रहे हैं।

इसके पीछे वजह है कि राज्य में ओबीसी की आबादी तकरीबन 55 फीसदी है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जाति गणना का मुद्दा उठाते रहे हैं। इधर, महागठबंधन के जाति गणना करवाने के दावे के जवाब में एनडीए ने एक बड़ा दांव चला है।

55 फीसदी ओबीसी आबादी

यहां 14 लोकसभा सीटों में से एनडीए ने छह पर ओबीसी उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। इनमें एक आजसू का प्रत्याशी है, जबकि 5 भाजपा के। धनबाद से ढुल्लू महतो, कोडरमा से अन्नपूर्णा देवी, रांची से संजय सेठ, हजारीबाग से मनीष जायसवाल, जमशेदपुर से विद्युत वरण महतो को भाजपा ने जहां प्रत्याशी बनाया है। वहीं, गिरिडीह से आजसू ओबीसी समाज से आने वाले चंद्रप्रकाश चौधरी को उम्मीदवार बनाया है।

नमाज-ए-जनाजा में हजारों लोग पहुंचे

मुख्तार: सुपुर्द-ए-खाक, माता-पिता के बगल की कब्र में दफन

तौकीर किदवई ▶▶ लखनऊ

माफिया मुख्तार अंसारी को गाजीपुर के मोहम्मदाबाद स्थित काली बाग कब्रिस्तान में सुपुर्द का किया गया। करीब 18 साल छह महीने से जेल में बंद मुख्तार अंसारी की बीते गुरुवार को बांदा जेल में तबियत बिगड़ी थी। जिसके बाद अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने मुख्तार अंसारी को मृत घोषित किया था।

मुख्तार अंसारी के अंतिम संस्कार में हुजूम उमड़ा जिसे संभालना पुलिस के लिए भी चुनौती बना। परिवार के लोगों के अलावा किसी को भी कब्रिस्तान के अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली।

मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल और गाजीपुर डीएम के बीच जोरदार बहस

दरअसल जिला प्रशासन चाहता था कि मुख्तार अंसारी के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए। जबकि परिवार इस पर सहमत नहीं था। ऐसे में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस मुद्दे का मतभेद खुलाकर सामने आ गया। वहां गाजीपुर डीएम और अफजाल अंसारी के बीच जोरदार बहस हुई।

अफजाल अंसारी वीडियो में बोलते हुए दिख रहे हैं कि किसी के जनाजे में जाने और मिट्टी देने के लिए किसी की परमिशन लेने की जरूरत नहीं है। जितने लोग चाहे मिट्टी दे सकते हैं। डीएम ने कहा कि वो जिला निर्वाचन अधिकारी हैं और नियम तोड़ने वालों पर एफआईआर कराएंगी। दोनों के बीच की तीखी बहस का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। डीएम गाजीपुर ने धारा 144 का हवाला देते हुए कहा कि मिट्टी देने केवल परिवार के लोग जाएं, पूरा कस्बा नहीं जाएगा।

अगर धारा 144 का उल्लंघन हुआ तो सबके खिलाफ एफआईआर करेंगे। हालांकि इससे पहले समाजवादी पार्टी के विधायक और मुख्तार अंसारी के भतीजे मोहम्मद सुहैब अंसारी ने कहा कि मैं यहां मौजूद सभी लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे शांति बनाए रखें।

रोजमर्रा की जिंदगी में जब हम किसी को मूर्ख बनाते हैं या किसी के साथ मजाक करते हैं तो इसके पीछे का उद्देश्य हंसना-हंसाना ही होता है। लेकिन दुनिया के अधिकांश देशों में मूर्ख बनाकर हंसने के लिए एक खास दिन 1 अप्रैल निश्चित किया गया है। इसकी शुरुआत से जुड़ी कहानियां और इसे मनाने के तरीके भी कम मजेदार नहीं हैं।

कवर स्टोरी

राजकुमार 'दिनकर'

फूल बनाने के बहाने हंसने-हंसाने का दिन

हर साल एक अप्रैल को पूरी दुनिया में मूर्ख दिवस मनाया जाता है। चूंकि इसे एक अप्रैल को मनाया जाता है, इसलिए इसे अप्रैल फूल डे के नाम से भी जानते हैं। इस दिन लोग एक-दूसरे को बरगलाकर मूर्ख या कहें बेवकूफ बनाने की कोशिश करते हैं। अगर इस कोशिश में सफल हो जाएं तो अपनी इस कोशिश पर जमकर हंसते हैं।

मजाक करने का बहाना

अप्रैल फूल डे के बहाने होने वाली सारी कोशिश यही होती है, जो सदियों से हंसने-हंसाने के लिए की जाती रही है। इस दिन लोग अपने दोस्तों, करीबियों, रिश्तेदारों, सहपाठियों और सहकर्मियों से प्रैंक यानी मजाक करते हैं। जब से सोशल मीडिया का चलन हुआ है, तब से तो लोग अंजान लोगों के साथ भी प्रैंक करने से बाज नहीं आते। इसकी वजह यह है कि आजकल ऐसी रील बनाकर फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अगर वायरल हो जाए तो अच्छी-खासी कमाई भी हो जाती है। इसलिए, जब से सोशल मीडिया की दुनिया गुलजार हुई है, किसी को मूर्ख बनाने या मजाक करने के लिए इसका जमकर इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे हुई इसकी शुरुआत

अप्रैल फूल डे के इतिहास यानी इसकी शुरुआत पर नजर डालें तो इससे जुड़ी कई कहानियां मिलती हैं, लेकिन कुछ कहानियां सर्वाधिक प्रचलित हैं। जैसे एक कहानी के मुताबिक, अप्रैल फूल डे की शुरुआत सन 1381 में हुई, जब इंग्लैंड के तत्कालीन राजा रिचर्ड द्वितीय और बोहेमिया की रानी ऐनी की सगाई का ऐलान हुआ और यह सगाई 32 मार्च के लिए तय की गई। जनता ने सगाई की तारीख पर ध्यान नहीं दिया और सगाई की बात सुनते ही जश्न शुरू हो गया। लेकिन जब 31 मार्च आ गया, तब लोगों को पता चला अरे, 32 मार्च तो कुछ होता ही नहीं। जो लोग अभी तक राजा की सगाई का जश्न मना रहे थे, अब उन्हें समझ में आया कि वे तो मूर्ख बन गए। कहते हैं, तभी से अप्रैल फूल डे मनाया जा रहा है।

मूर्ख दिवस की शुरुआत को लेकर एक और कहानी काफी प्रचलित है, इसका संबंध फ्रांस से है। इस कहानी के मुताबिक अप्रैल फूल डे की शुरुआत सन 1582 में हुई, जब पोप चार्ल्स नवम ने पुराने कैलेंडर की जगह रोमन कैलेंडर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। उसके मुताबिक साल की शुरुआत एक जनवरी से होती है। लेकिन कुछ लोग इस तारीख को याद नहीं रख पाए और वे पुराने कैलेंडर के मुताबिक ही नए साल का जश्न मनाते रहे, तभी से यह अप्रैल फूल डे मनाया जाना शुरू हुआ। जहां तक अपने देश भारत में इस दिन के सेलिब्रेट किए जाने की शुरुआत का सवाल है तो यहां इसकी शुरुआत 19वीं सदी में हुई और जाहिर है ये शुरुआत करने वाले अंग्रेज ही थे। लेकिन आज सोशल मीडिया के दौर में यह दुनिया के हर देश में मनाया जाता है। भारत में तो नई पीढ़ी के बीच यह काफी प्रचलित है।

ऐसे भी सेलिब्रेट करते हैं यह दिन

कई देशों में इस दिन दोस्तों के साथ पार्टी करने, उन्हें फूल देने तथा दोस्ती करने की शुरुआत के दिन के रूप में भी मनाया जाता है, तो कई देशों में इसे दोस्ती बनाने का सबसे खास दिन मानते हैं। बेल्जियम और इटली में लोग इस दिन जिससे दोस्ती करनी होती है, उसकी पीठ पर चुपके से कागज की मछली बनाकर चिपका देते हैं। इससे माना जाता है कि मछली चिपकाने वाला शख्स उस व्यक्ति से दोस्ती करने का इच्छुक है, जिसकी पीठ पर उसने मछली चिपकाई है। इस तरह एक अप्रैल सिर्फ मूर्खता का दिन ही नहीं है, दोस्ती, प्यार और जीवन के कई नए अध्याय शुरू करने का दिन भी माना जाता है। *

अलग-अलग दिन मनाते हैं मूर्ख दिवस

हालांकि केवल पहली अप्रैल को ही मूर्ख दिवस मनाए जाने की परंपरा नहीं है। दुनिया के कई देशों में अलग-अलग तारीखों को मूर्ख दिवस मनाया जाता है। मसलन, डेनमार्क में 1 मई को मूर्ख दिवस मनाया जाता है और इसे मजकट कहते हैं। जबकि स्पेन में यह दिन 28 दिसंबर को मनाया जाता है और इसे मूर्ख दिवस कहने की बजाय डे ऑफ होली इनोसेंट्स कहते हैं। ईरानी लोग फारसी नववर्ष के 13वें दिन मूर्ख दिवस मनाते हैं, जो कि आमतौर पर एक या दो अप्रैल को ही पड़ता है। कई देशों में यह पूरे दिन मनाया जाता है, तो कई देशों में मूर्ख दिवस मनाए जाने का चलन सिर्फ दिन में 12 बजे तक का होता है। मसलन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और कुछ अफ्रीकी देशों में अप्रैल फूल डे दिन के 12 बजे तक ही मनाया जाता है। जबकि कनाडा, अमेरिका, रूस और बाकी यूरोपीय देशों में यह पूरे दिन मनाया जाता है। अपने यहां भी इसे सुबह से लेकर शाम तक मनाए जाने का ट्रेंड है।

अप्रैल फूल-डे के मौके पर मूर्ख बनने से बचने के लिए लोग ओवर कॉन्शस रहते हैं। लेकिन इस वजह से कई बार वे फूल बन जाते हैं या उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। अतीत में हुई ऐसी ही कुछ दिलचस्प घटनाओं पर एक नजर।

असली खबर को माना नकली ...और बन गए अप्रैल फूल

प्रिकॉशन इफेक्ट

शिखर चंद जैन

अप्रैल फूल यानी पहली अप्रैल के दिन लोगों को झूठी खबरें सुनाकर या पढ़ाकर बेवकूफ बनाने का रिवाज तो पुराना है, लेकिन कई बार लोग अत्यधिक सावधानी बरतने के चक्कर में सच्ची खबरों से भी अप्रैल फूल बन जाते हैं। आपको यहां बता रहे हैं, कुछ ऐसी ही दिलचस्प घटनाओं के बारे में-

चूक गए नई बीएमडब्लू कार पाने से: 1 अप्रैल 2015 को 'न्यूजीलैंड हेराल्ड' में एक बड़ा सा विज्ञापन छपा था, जिसमें कार निर्माता कंपनी बीएमडब्लू ने 'अप्रैल फूल्स डे स्पेशल ऑफर' निकाला था। विज्ञापन में लिखा गया था कि जो विज्ञापन के साथ दिए गए कूपन को लेकर सबसे पहले शॉप पर पहुंचेगा, उसे किसी भी पुरानी कार के बदले ब्रांड न्यू बीएमडब्लू दी जाएगी। पहली अप्रैल के दिन ऐसा विज्ञापन देखकर सबने इसे प्रैंक समझा और इस पर यकीन नहीं किया। कुछ लोगों को लगा कि कूपन लेकर जाने वाले को कोई खिलौना गाड़ी पकड़ा दी जाएगी और उसका मजाक उड़ाया जाएगा। लेकिन टियाना मार्श नामक महिला ने हिम्मत दिखाई और चांस लेने का निश्चय किया। वह अपनी पुरानी सस्ती सी कार लेकर शोरूम पहुंच गईं। उन्हें बड़ी हैरानी हुई क्योंकि वहां पहुंचने वाली वह अकेली इंसान थीं। उन्हें जरा शर्म भी आई लेकिन असली ताज्जुब तो तब हुआ, जब उनको सचमुच अपनी 15 साल पुरानी कार के बदले बीएमडब्लू की 50,000 डॉलर कीमत वाली नई कार दे दी गई। अगले दिन यह खबर छपने पर शहर भर के लोग बहुत पछताए।

जी-मेल लॉन्चिंग को माना प्रैंक: टेक वर्ल्ड में गूगल शुरू से ही प्रैंक के लिए चर्चित रही है। इसी वजह से 1 अप्रैल 2004 को जब गूगल ने जीमेल शुरुआत की घोषणा की तो किसी को यकीन नहीं हुआ। गूगल ने जब बताया कि कैसे जीमेल से लोग एक-दूसरे के साथ आसानी से संवाद कर सकेंगे और इसकी स्टोरेज लिमिट 1 जीबी (उन दिनों बड़ी बात) होगी, तब तो लोग इसे बिल्कुल ही एक मजाक समझ बैठे। गूगल के तत्कालीन वाइस प्रेसिडेंट जोनाथन रोजेनबर्ग द्वारा जारी बयान के बावजूद लोग इसे मजाक समझते रहे। बाद में जब उन्हें पता चला कि यह एक हकीकत थी, तो लोगों ने खुद को सचमुच अप्रैल फूल बना हुआ महसूस किया।

जीमेल लॉन्चिंग पर लोगों को नहीं हुआ था यकीन

नई बीएमडब्लू की ड्राइविंग सीट पर टियारा मार्श

अमेजॉन के हाउसहोल्ड डैश बटन पर नहीं किया भरोसा: वर्ष 2015 में अमेजॉन ने 1 अप्रैल से ठीक एक दिन पहले अपने नए प्रोडक्ट अमेजॉन डैश बटन की शुरुआत की घोषणा करते हुए बताया कि घरेलू सामानों की खरीद मात्र 1 बटन दबाकर की जा सकेगी। लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे अप्रैल फूल डे पर कंपनी की मूर्ख बनाने की तरकीब समझ लिया। लोगों को बताया गया था कि इस डिवाइस को घर लाकर अपनी जरूरत के प्रोडक्ट के लिए बटन दबाते ही सामान घर पहुंचा दिया जाएगा तो लोग खूब हंसे। लेकिन हकीकत का जब पता चला, तो लोग समझ गए कि वे सचमुच बेवकूफ बन गए हैं और कंपनी का दावा बिल्कुल सही है।

रेस्क्यू को समझा प्रैंक: 1 अप्रैल 2015 को ही मिक्स्ड मार्शल आर्ट फाइटर मैट हेमिल न्यूयॉर्क की ओर एक ट्रक पर सवार होकर जा रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि उनके ठीक बगल से एक कार तेज रफ्तार से विपरीत दिशा में गुजरी। मैट को कुछ संदेह हुआ तो उन्होंने अपनी ट्रक घुमा कर तेजी से कार के नजदीक जाकर देखा कि उसमें कार चालक महिला बेसुध पड़ी थी और पीछे की सीट पर एक शिशु लेटा हुआ रो रहा था। मेट ने किसी तरह कार का सीसा तोड़ डाला और मां-बेटे की जिंदगी बचा ली। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस घटना को मैट हेमिल का प्रैंक समझा। लेकिन बाद में पुलिस ने घटना को सच बताया।

तूफान की चेतावनी को समझा मजाक: 1 अप्रैल 1946 को हवाई द्वीप में सुनामी की चेतावनी जारी की गई तो अधिकांश लोगों ने इसे अप्रैल फूल प्रैंक समझ लिया। कई लोग समय रहते सुरक्षित स्थान पर भी नहीं गए। लेकिन जैसे ही घोषित समय पर तूफानी हवाएं चलनी शुरू हुईं, तब खबर पर अविश्वास करने वाले लोग समझे कि वे अपने पूर्वाग्रह के कारण कैसे मूर्ख बन गए। *

टेक्नोलाइफ / विवेक कुमार

फूल बनाने या प्रैंक करने के लिए लोग अब अपने जानने वालों को ही नहीं अजनबियों से भी परहेज नहीं करते हैं। इसकी वजह है सोशल मीडिया पर प्रैंक वीडियोज का बढ़ता ट्रेंड। लेकिन ऐसा करना कई बार रिस्की भी साबित हो जाता है।

सोशल मीडिया पर बढ़ता फूल बनाने का ट्रेंड

एक जमाना था, जब लोग अपने दोस्तों को बेवकूफ या सहकर्मियों को फूल बनाने के लिए और अपने परिजनों को बरगलाने के लिए एक अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे का इंतजार करते थे। लेकिन अब इन सब बातों के लिए हमें 364 दिनों के बाद आने वाले एक अप्रैल का इंतजार नहीं करना होता। सोशल मीडिया ने मजाक करने, बरगलाने और फूल बनाने को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बना दिया है। सोशल मीडिया पर हर दिन हम ऐसे सैकड़ों वीडियो देख सकते हैं और उनका आनंद ले सकते हैं, जिसमें लोग एक-दूसरे का मजाक बनाते हैं।

बढ़ रहा प्रैंक वीडियो का क्रेज: नई पीढ़ी तो अकसर ऐसे प्रैंक वीडियोज को बहुत पसंद करती है। शायद यही कारण है कि आजकल सोशल मीडिया में हर दिन लाखों प्रैंक वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं और उन्हें खूब दर्शक भी मिलते हैं। दरअसल, प्रैंक वीडियो इसलिए भी युवाओं को पसंद होते हैं, क्योंकि इनमें कुछ अलग ही तरह का रोमांच होता है। सार्वजनिक जगहों पर अंजाने लोगों से मजाक करना, ऐसी हरकतें करना, जिससे सामने वाले को गुस्सा आ जाए और फिर जब वह गुस्से में फट पड़ने को हो, तो मुस्कुराकर कह देना, 'अरे, हम तो प्रैंक वीडियो बना रहे थे।' ये ऐसी हरकतें हैं, जो भले उन लोगों को पसंद न आती हों, जिनके साथ ये मजाक हो रहा हो, लेकिन देखने वालों को ये वीडियो खूब मजा देते हैं।

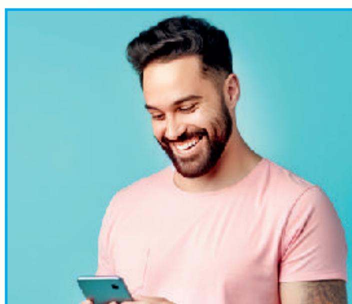

रिस्की है अंजानों से प्रैंक: वास्तव में अप्रैल फूल डे का सारा मकसद ही यही होता है कि हम अपने किसी जानने वाले को, किसी बात को लेकर बेहद डरा दें या फिर उसे चने के झाड़ पर चढ़ा दें और फिर जब वो वहां भरपूर तरीके से अपना जलवा बिखेरने लगे तो यह कहकर उसे फ्यूज कर दें कि यह तो प्रैंक है यानी मजाक है। लेकिन कई बार अंजाने लोगों से किया गया कोई मजाक भारी भी पड़ जाता है। पिछले दिनों दो युवक मुंबई के एक रेलवे स्टेशन पर चुपके से प्रैंक वीडियो बना रहे थे, जिसमें एक युवक स्वचालित सीढ़ियों से ऊपर से नीचे की तरफ जा रहा था और बगल में दूसरी स्वचालित सीढ़ियों से एक मध्य उम्र की महिला नीचे से ऊपर जा रही थी। तभी अचानक वह युवक, महिला के चेहरे को अपनी ओर खींचता है और जब तक वह कुछ समझ पाए उसका चुंबन ले लेता है। महिला हतप्रभ रह जाती है, लोग भी हैरान होते हैं। लेकिन यह प्रैंक बनाना उस युवक को बहुत भारी पड़ा, क्योंकि भीड़ ने युवक की अच्छी तरह से मरम्मत कर दी।

मजाक न बन जाए मुसीबत: दोस्तों के बीच अप्रैल फूल डे हमेशा गुदगुदी पैदा करने वाला दिन होता है। लेकिन अजनबियों के बीच यह अकसर खतरनाक हो जाता है। लेकिन अप्रैल फूल डे पर जब हम अपने दोस्तों, जानकारों को बरगलाते हैं या किसी बात पर बेवकूफ बनाते हैं और वे बन जाते हैं तो हम तो खिल-खिलाकर हंसते ही हैं, जिन्हें बेवकूफ बनाते हैं, वो भी हंस पड़ते हैं। लेकिन अजनबी लोगों के साथ ऐसा करना हमेशा जोखिमपूर्ण होता है। प्रैंक चल गया तो सब हंसते हैं वरना यह प्रैंक मुसीबत भी बन जाता है। इसलिए भले ही सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए आप प्रैंक करना चाह रहे हों लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में अजनबियों से प्रैंक को सोच-समझकर ही शामिल करने में भलाई है। *

व्यंग्य / सतीश सिंह

राग-खटराग

राग का अर्थ होता है, गान का विशिष्ट प्रकार। इसका मतलब अनुराग या प्रेम भी होता है, पर खटराग का अर्थ होता है, द्वेष-ईर्ष्या, लड़ाई-झगड़ा, झंझट-बखेड़ा आदि। शास्त्रीय संगीत के कई राग जैसे भैरव, मालकोस, दीपक, मेघ आदि होते हैं, लेकिन खटराग स्वयं एक राग है, जिसे सुर में गाने की परंपरा नहीं है। गायक जितना ज्यादा बेसुरा होता है, यह उतना ही कर्णप्रिय लगता है।

रागों के गाने का एक खास पहर होता है, लेकिन खटराग को चौबीसों घंटे गाया जा सकता है अर्थात इसके गाने की कोई निश्चित बेला नहीं होती है, जैसे ही बॉस के प्रति मन में अपशब्दों का गुबार हिलोरें मारने लगता है, वैसे ही खटराग गायन का आगाज होता है, जिसे गाने से गायक के मन को असीम शांति मिलती है, आनंदातिरेक में स्वर्ग जैसी अनुभूति होती है उसे।

खटराग में राग मल्हार की तरह असीमित शक्ति होती है, जिसे यदि बॉस सुन ले तो उसे हार्ट अटैक आना लाजिमी है। हालांकि ढीठ किस्म के बॉस का खटराग भी कुछ नहीं बिगाड़ पाता है। डरपोक किस्म के गायक खटराग का गायन नहीं कर सकते हैं। जो गायक दिल की सुनते हैं, वही खटराग गायन में माहिर होते हैं। ऐसे गायक थोड़े साहसी किस्म के होते हैं। वैसे, कुछ विजनरी गायक पहले से ही खटराग गायन शुरू कर देते हैं, क्योंकि उन्हें इल्म हो जाता है कि बॉस उन्हें ठेंगा दिखाने वाला है। रेवड़ी पाने के लालच में कछुए भी खरगोश बन जाते हैं और निखट्टू, मेहनती और ईमानदार। इश्क और जंग की तरह वे हर कानूनी व गैर-कानूनी हथकंडों को लक्ष्य हासिल करने में जायज मानते हैं। रेवड़ियां पाने वाले नामों की घोषणा हर साल अप्रैल महीने के एक निश्चित दिन के अर्धरात्रि में की जाती है, ताकि सुबह में गायक कूल रहे और लुतम-जूतम अलाप लगाने के लिए प्रेरित न हो। रेवड़ी पाने वालों को सुबह से ही बल्ले-बल्ले के ऊंचे सुर के साथ भांगड़ा करते हुए गली, सड़क, नुक्कड़ हर जगह न्यूसेंस क्रिएट करते हुए देखा जा सकता है, जबकि अन्य को असफल प्रेमियों की तरह पब या देसी दारू के ठेके पर खटराग गायन करते हुए देखा जा सकता है। कोई बॉस को तो कोई मैडम को तो कोई बच्चों को हैप्पी करने की जुगत में रहता है। वैसे मैडम को खुश करना सबसे आसान होता है, क्योंकि सोने का जेवर देखते ही उनका चेहरा हजार वाट के बल्ब की तरह चमकने लगता है। सबसे मुश्किल है बच्चों के चित्त को शांत करना, क्योंकि जूनियर बॉस, खुद को सीनियर समझता है और घर-बाहर हर जगह रायता फैलाता रहता है। कभी-कभार उसकी जठराग्नि तुम-ताम करके शांत हो जाती है तो कभी एकाध लीटर खून पीकर ही वह चैन की सांस लेता है। आमतौर पर रेवड़ी वैसे गायक को देने की संभावना रहती है, जो बॉस के घर में झाड़ू-पोछा लगाकर रिकॉर्ड समय में ऑफिस पहुंच कर बॉस के कार का दरवाजा खोलने के लिए पोर्टिको में करबद्ध खड़ा रहे। ऐसा गायक अमूमन ओपन माइंडेड होता है। उसे डॉगी तक की सेवा करने से कोई गुरेज नहीं होता है। वह बेबीसिटर के साथ-साथ डॉगी सिटर भी होता है। बेबी हो या डॉगी, दोनों के पॉटी को उठाने से उसे गुरेज नहीं होता है। बॉस के पिल्ले के भौंकने या काटने को वह अपना सौभाग्य मानता है, लेकिन कभी-कभार कुत्ते को देखकर वह खुद को भी कुत्ता समझने लगता है। चूंकि, बॉस खाया-अघाया और हर तरह का खेल खेलने में माहिर होता है, इसलिए वह गायक को खटराग गायन से दूर रखने के लिए निरंतर कोशिश करता रहता है। इसके लिए वह समय-समय पर गायक के समक्ष हड्डी भी फेंकता रहता है, ताकि गायक का उत्साह जीरो वॉट के बल्ब की तरह कभी भी मद्धिम न पड़े।

चम्मचों के चम्मच, चम्मचाधिराज महाराज किस्म के गायकों को कभी भी खटराग गाने की जरूरत नहीं होती है, क्योंकि वे आसानी से बॉस को पालतू बना लेते हैं। इसलिए ये शुद्ध शास्त्रीय गायन करते हैं। हर राग को गाने में एक्सपर्ट होते हैं। इस प्रजाति के पास ईश्वर की विशेष नेमत होती है। वे कभी भी किसी रेस में शामिल नहीं होते हैं। उनकी इंट्री बैक डोर से होती है, इसके लिए वे सिर्फ बॉस की बीवी को अपना हथियार बनाते हैं और हमेशा जंग फतह करके ही घर वापस लौटते हैं।

चम्मचाधिराज महाराज जैसे गुण सभी में इनबिल्ट नहीं होते हैं, लिहाजा, चम्मचाधिराज महाराज उनके लिए 10 दिनों का क्रैश कोर्स चलाते हैं। बहुत ही कम फीस लेते हैं। उनका मानना है कि अपने सगे-संबंधियों के साथ कैसा कारोबार। बड़े सात्विक विचारों वाले होते हैं ऐसे चम्मचाधिराज महाराज। मार्च महीने में उनके क्रैश कोर्स की आवृत्ति बढ़ जाती है। चम्मचाधिराज महाराज, दूसरे शहरों में रहने वाले सहकर्मियों के लिए ऑनलाइन कोर्स करवाते हैं। चम्मचाधिराज महाराज का मानना है कि हर दिन 'बॉस दिवस' मनाकर जंग को जीता जा सकता है। कितना भी निष्ठुर बॉस हो, वह अपने भक्तों की कठोर तपस्या का कभी भी अनादर नहीं कर सकता है। चम्मचाधिराज महाराज बड़े लोकप्रिय हैं, क्योंकि बॉस चाहे ऐंठे हुए हों या आड़े-तिरछे हों या लबलबाते हों या तुर्रमखां हों या सत्यवादी हरिश्चंद्र हों या मक्कार हों या फरेबी हों या फिर झूठे हों, प्रत्येक बॉस ने चम्मचाधिराज महाराज को हमेशा रेवड़ी दी है। बॉस को शीशे में उतारना चम्मचाधिराज महाराज के बाएं हाथ का खेल है, क्योंकि हर बॉस को मुफ्त का नौकर या चाटुकार या दुम हिलाता हुआ कुत्ता अच्छा लगता है। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 19000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

लोकसभा क्षेत्र
मंडला

1 भाजपा प्रत्याशी
फग्गन सिंह कुलस्ते

2 कांग्रेस प्रत्याशी
ओमकार सिंह मरकाम

पिछली बार कौन जीता
फग्गन सिंह कुलस्ते

जीत का अंतर
97 हजार, 674 वोट

क्या रहेंगे मुद्दे?

विकास और माहौल के लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी दिखता है लेकिन कांग्रेस के पास भी मुद्दों का अकाल नहीं है। भाजपा राम मंदिर, धारा 370 के साथ केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कामों को मुद्दा बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा और अमित शाह जैसा रणनीतिकार पार्टी के पास है ही। दूसरी तरफ राहुल गांधी की यात्रा से कांग्रेस को ताकत मिली है। महंगाई और बेरोजगारी को रोक पाने में केंद्र की नाकामी भी एक मुद्दा है। भाजपा द्वारा विधानभा का चुनाव हार जाने के बाद भी फग्गन को प्रत्याशी बनाने से मतदाताओं के साथ भाजपा के अंदर भी असंतोष के स्वर उभर रहे हैं। कांग्रेस की विभिन्न वर्गों के लिए दी जा रहीं गारंटियां पार्टी का मुद्दा बन रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री कुलस्ते की राह आसान नहीं, कांग्रेस के ओमकार से मिल रही कड़ी चुनौती

मंडला में भाजपा-कांग्रेस के आदिवासी चेहरों के बीच कड़ा मुकाबला

आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित मंडला लोकसभा क्षेत्र में इस बार भाजपा-कांग्रेस के आदिवासी चेहरों के बीच कड़ा मुकाबला है। भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते आठवीं बार मैदान में हैं। कांग्रेस ने इनके मुकाबले विधानसभा का चुनाव लगातार जीत रहे ओमकार सिंह मरकाम पर दांव लगाया है। फग्गन विधानसभा का चुनाव हारने के कारण ज्यादा सतर्क है, जबकि ओमकार उन्हें घेरने का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे।

ग्राउंड रिपोर्ट

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

मंडला लोकसभा सीट में केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भाजपा की ओर से आठवीं बार मैदान में हैं। 2009 का सिर्फ एक चुनाव वे कांग्रेस के बसोरी सिंह मेशराम से 65 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हार गए थे। एक बार फिर उनकी राह आसान नहीं है।

केंद्रीय मंत्री रहते विधानसभा का चुनाव हार जाने के कारण वे सतर्क हैं और बैकफुट पर भी। कांग्रेस की ओर से मैदान में उतरे ओमकार सिंह मरकाम 2014 का चुनाव फग्गन से हार चुके हैं लेकिन इस बार उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। वे उन्हें चारों तरफ से घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

फग्गन सिंह कुलस्ते

ओमकार सिंह मरकाम

विधानसभा चुनाव में फग्गन खुद को मुख्यमंत्री का भावी उम्मीदवार बता रहे थे, इसे लेकर भी उनका घेराव हो रहा है। 'तू डाल डाल, मैं पात पात' की तर्ज पर दोनों ओर से दांव चले जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव की दृष्टि से कांग्रेस कमजोर नहीं है। इसलिए भी कांग्रेस का मनोबल बढ़ा हुआ है लेकिन भाजपा को भरोसा है कि वह मोदी लहर के भरोसे चुनाव की नैया किनारे लगा लेगी। कांग्रेस में भगदड़ से भी भाजपा के पक्ष में माहौल बन रहा है। चुनाव का परिदृश्य इस बार इस मायने में बदला हुआ है कि दोनों दलों में नेतृत्व बदला नजर आ रहा है। भाजपा के स्टार रहे शिवराज सिंह चौहान अब मुख्यमंत्री नहीं है। वे लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इसी प्रकार कांग्रेस के स्टार कमलनाथ और दिग्विजय सिंह प्रचार अभियान में हिस्सा लेने की बजाय अपने क्षेत्रों में सिमट कर रह गए हैं। कमलनाथ के बेटे छिंदवाड़ा और दिग्विजय सिंह खुद राजगढ़ से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। शिवराज, कमलनाथ और दिग्विजय अब भी भाजपा-कांग्रेस की स्टार प्रचारकों की सूची में तो शामिल हैं लेकिन ये सभी सीटों में वैसे सक्रिय नहीं है, जैसे हर बार रहते थे। शिवराज को जीत का भरोसा है, लेकिन वे जीत का अंतर बढ़ाने अपने क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि कमलनाथ को बेटे नकुलनाथ एवं दिग्विजय को जीत के लिए पसीना बहाना पड़ रहा है।

विस सीटों के लिहाज से कांग्रेस को बढ़त

मंडला लोकसभा क्षेत्र के तहत 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। विधानसभा चुनाव में इनमें से 5 पर जीत दर्ज कर कांग्रेस ने भाजपा पर बढ़त हासिल कर रखी है। कांग्रेस द्वारा जीती गई विधानसभा सीटें बिछिया, निवास, डिडोरी, केवलारी, लखनादौन हैं। भाजपा सिर्फ 3 विधानसभा सीटों मंडला, शहपुरा और गोटेगांव में ही जीत हासिल कर सकी थी। मजेदार बात यह है कि खुद फग्गन कुलस्ते निवास विधानसभा सीट से 9 हजार 723 वोटों के अंतर से चुनाव हार चुके हैं। जीत के अंतर के लिहाज से कांग्रेस को समूचे लोकसभा लोकसभा क्षेत्र में 16, 482 वोटों की बढ़त हासिल है। हालांकि 2019 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने 6 विधानसभा सीटें जीत कर भाजपा पर बड़ी बढ़त हासिल की थी लेकिन लोकसभा चुनाव वह 97 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हार गई थी।

मंडला सीट के तहत 4 जिलों के क्षेत्र शामिल

अनुसूचित जनजाति बहुल मंडला लोकसभा सीट का भौगोलिक क्षेत्र काफी बड़ा है। इसके अंतर्गत चार जिलों की विधानसभा सीटें आती हैं। इन जिलों में मंडला, डिंडोरी, सिवनी और नरसिंहपुर शामिल हैं। मंडला जिले की बिछिया, निवास और मंडला विधानसभा क्षेत्र इसके अतर्गत आते हैं तो डिंडोरी जिले की शहपुरा और डिंडौरी। सिवनी जिले के केवलारी और लखनादौन सीट इस लोकसभा क्षेत्र में हैं और नरसिंहपुर जिले की एक गोटेगांव। गोटेगांव में भाजपा काबिज है और सिवनी जिले की दोनों सीटों केवलारी और लखनादौन में कांग्रेस का कब्जा है। डिंडौरी जिले की एक-एक सीट भाजपा और कांग्रेस के पास है। मंडला जिले की तीन सीटों में से 2 पर कांग्रेस और एक पर भाजपा काबिज है।

आदिवासी मतदाताओं का ही बोलबाला

मंडला लोकसभा सीट आदिवासी बाहुल्य है। यहां हार-जीत का निर्णय यह वर्ग ही करता है। क्षेत्र में अन्य सभी समाज भी हैं। दूसरे नंबर पर दलित और तीसरे नंबर पर पिछड़ी जातियां हैं। चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों की पहली कोशिश आदिवासी वर्ग को ही अपनी ओर आकर्षित करने की रहती है। इसके बाद दूसरे समाजों की ओर रुख होता है। अन्य समाजों को ध्यान में रखकर नेताओं को प्रचार के लिए बुलाया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा हर जगह पहुंच रहे हैं। कांग्रेस में भी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ओर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के हाथ में प्रचार अभियान की कमान है। नेता मतदाताओं को रिझाने में ताकत झोंक रहा है।

फर्स्ट टाइम वोटर

युवाओं की वजह से लोकतंत्र नए आयाम स्थापित कर रहा

मप्र सहित देशभर में लगातार मतदान का प्रतिशत बढ़ रहा है, जिसमें युवाओं की प्रमुख भूमिका है। मैं पहली बार लोकसभा चुनाव में मतदान करूंगी। इसको लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। पहले जब मेरे मम्मी-पापा व परिवार के लोग वोटिंग के लिए जाते थे, तो उस समय मतदान केंद्र काफी दूर हुआ करते थे। आने-जाने के संसाधन कम होने से कम मतदान होता था, लेकिन अब चुनाव आयोग की ओर से मतदान केंद्र भी पास में बनाए जाते हैं। साथ ही लोगों में मतदान को लेकर जागरुकता आई है। मैं अपने साथियों के साथ समाज को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करूंगी।

नेहा रैदास, युवा मतदाता

युवाओं को जो रोजगार उपलब्ध कराएगा..उसको देंगे वोट

पहली बार मतदान करने वाले युवाओं का मुख्य मुद्दा रोजगार होगा। इस लोकसभा चुनाव में पहली बार वोटिंग करने के लिए काफी खुश हूं। मैं उस उम्मीदवार व पार्टी को वोट करूंगी, जो कि देश के विकास, युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध करा सके, क्योंकि बेरोजगारी से सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी परेशान है। इसलिए मैं उम्मीदवार व पार्टी के घोषणा देखकर वोट करूंगी। वहीं मतदान प्रतिशत बढ़ने के लिए मैं अपने साथियों व आस-पड़ोस के लोगों को प्रेरित करूंगी, जिससे अधिक से अधिक मतदान हो।

सोनाली सैन, युवा मतदाता

चुनावी चटखारे...

तुम कितनी उलझन में रहते हो...

तुम कितनी उलझन में रहते हो, रहते हो, फिर भी गठबंधन में रहते हो
बाहों में सब जाओ, फिर कहते हो रुक जाओ,
साइकिल का क्या हाल हुआ, साइकिल वाला लाल हुआ,
सब ऑफसाइड खेल रहे, गठबंधन फुटबॉल हुआ,
अपने ही गोल में तुम गोल सदा सहते हो।
तुम कितनी उलझन में...
ना पीएम का फेस मिला, फेस से लेकिन फेस मिला,
प्रश्नों का हर बार हमें उत्तर डैश-डैश-डैश मिला,
खुद ही तुम ना समझे जो बातें कहते हो, तुम कितनी उलझन में......

सुदीप भोला, व्यंग्यकार

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अब्दुल मजीद पुत्र श्री अब्दुल रशीद, निवासी– 246/39, गली नंबर 02, स्कूल ब्लॉक, इंदिरा कॉलोनी, मंडावली, दिल्ली ने मुकदमा संख्या 112/13 धारा 356/379/411/34 IPC अन्तर्गत थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल मजीद** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल मजीद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।
अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **मुकदमा संख्या 112/13 धारा 356/379/411/34 IPC अन्तर्गत थाना मधु विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अब्दुल मजीद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.07.2024** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
श्री उद्भव कुमार जैन
महानगर दंडाधिकारी–04
कमरा नं0 37, शाहदरा
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3697/ED/2024 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त एलोहुकुवु पुत्र नकेमका निवासी WZ–112 गली नंबर 34 संत गढ़ तिलक नगर, दिल्ली ने FIR No. 915/2021 U/s 14/14C F. Act. थाना तिलक नगर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त एलोहुकुवु मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रुप मे दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त एलोहुकुवु फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है FIR No. 915/2021 U/s 14/14C F. Act. थाना तिलक नगर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त एलोहुकुवु से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 06.06.2024 को या इससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुरार
श्री देवांशु सजलान
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट –07
कमरा नंबर 289, दूसरी मंजिल,
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3646/WD/2024

चाय पे चर्चा

▶▶ रेलवे स्टेशन संगम चौराहा स्थित चाय की दुकान पर भोपाल के प्रत्याशियों पर हुई चर्चा

पैंतीस साल के संघर्ष से मिलेगी जीत, मोदी लहर रहेगी हावी

पिछले पैंतीस साल से भाजपा के कब्जे की लोकसभा सीट जीतना आसान तो नहीं है, लेकिन इन सालों में कांग्रेस ने लगातार संघर्ष किया है।

इस बार कांग्रेस ने अरुण श्रीवास्तव को टिकट दिया है। उम्मीद है कि लोकसभा क्षेत्र का मतदाता बदलाव करेगा। नहीं, नहीं वर्तमान में मोदी लहर चल रही है, ऐसे में कुछ नहीं होने वाला, भाजपा के आलोक शर्मा को रिकार्ड जीत मिलेगी। यह बातचीत है, रेलवे स्टेशन संगम चौराहा स्थित एक चाय दुकान पर चाय की चुस्कियां लेने वाले आम मतदाता की। यहां चाय पी रहे महेंद्र ठाकुर ने भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों को सही बताया, वहीं कृष्ण गोपाल शर्मा ने कहा कि भाजपा का उम्मीदवार इस बार भी रिकार्ड मतों से जीतेगा। पास ही खड़े कृष्णा नामदेव और आकाश नामदेव ने कहा कि लंबे समय से भोपाल सीट से भाजपा के उम्मीदवार को जीत मिली है, ऐसे में बदलाव होना चाहिए।

अगर एक ही पार्टी के उम्मीदवार को लगातार जीत मिलेगी, तो इसका सीधा असर शहर के विकास पर पड़ेगा। इस बार मतदाताओं को चाहिए कि वह कांग्रेस के उम्मीदवार को वोट देकर

मतदान प्रचार-प्रसार...

गर्मी में मतदान, सुरक्षित मतदान

मतदान के साथ इस भीषण गर्मी में स्वयं की सुरक्षा अत्यंत जरूरी है। मार्च में गर्मी के तेवर बता रहे है कि मतदान के समय सूर्य की तपन अपने आप में जला देने वाली रहेगी। ऐसे में हमे मतदान के लिए जाते समय विशेष सावधानी रखना आवश्यक है। कोशिश करें कि सुबह-सुबह अधिक धूप होने के पहले मतदान कर ले। संभव हो तो दोपहर की तेज तपन के बाद मतदान करें, लेकिन मतदान के समय का जरूर ध्यान रख कर पालन करें। मतदान के लिए सुबह जाते समय हल्का नाश्ता करें, दोपहर में जाते समय हल्का भोजन ले। जब भी जाए पर्याप्त मात्रा मे पानी अवश्य पीये। जाते समय यदि सम्भव हो तो केरी का पना, नींबू की शिकंजी, लस्सी, नारियल पानी या पानी के साथ अन्य पेय पदार्थ का उपयोग जरूर करें, जिससे शरीर मे डिहाइड्रेशन नहीं होगा। हल्के पतले कपड़े जो सफेद या कम गहरे रंग के हो का उपयोग करें। आंखों की सुरक्षा के लिए डार्क रंग के ग्लास वाले चश्मे काम में लें। यदि सम्भव हो तो अच्छी गुणवत्ता वाले सन स्क्रिन लोशन काम में ले। मालूम हो कि चुनाव आयोग भी मतदाताओ की हर संभव सुरक्षा के लिए हर समय कार्यरत और सजग रहता है।

जीके अग्रवाल, चिकित्सक

गुमशुदा व्यक्ति की तलाश

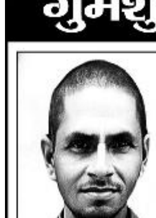
इसरार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति जिसका नाम **इसरार, पुत्र अब्बास अली,** निवासी गांव हैदराबाद, जिला अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश। आयु 32 वर्ष, कद 5", रंग गेहुंआ, गोल चेहरा, पतला शरीर, वह मानसिक रूप से कमज़ोर है जो काले रंग की आधी बाजू की टी–शर्ट, नीले रंग की जींस पैंट तथा पैरों में नारंगी रंग की चप्पल पहने हुए दिनांक 24.03.2024 को मकान नं. बी–135/7, बीडी जैन स्कूल के नज़दीक, विजय विहार, फेज़–02, दिल्ली से लापता है। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव प्रयास करने के बावजूद भी इस व्यक्ति के बारे में पता नहीं चल सका है। इस संदर्भ में एक डीडी नं. 143ए, दिनांक 26.03.2024 को थाना विजय विहार, दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी व्यक्ति को इस लापता व्यक्ति के बारे में कोई भी जानकारी या सूचना हो तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें।

वेबसाइटः http://cbi.nic.in
ईमेलः cic@cbi.gov.in
फैक्सः 011-23011334
फोन नं.: 011-23014046, 23015218

थाना प्रभारी
थानाः विजय विहार, दिल्ली
फोनः 011–27521294, 27521295

DP/3710/RD/2024

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

इंडिया के नं 1 तांत्रिक
गुरु भवानी जी
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
9988289203

ज्योतिष

समस्या बताएं तुरंत समाधान पाये
नौकरी, व्यापार, मनचाहा प्यार, शादी, ग्रहकलेश, पति पत्नी में अनबन, सौतन–दुश्मनो से छुटकारा, मुकदमा रूठो को मनाना, तलाक में बाधा, बनते–बनते काम बिगड़ जाना, लव मैरिज आदि
दीपक शास्त्री
E-13, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली–59
8586896357

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पूरे प्रदेश से कांग्रेस का होने वाला है सूपड़ा साफः डॉ. मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पूरे प्रदेश में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो रहा है और कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई है। छिंदवाड़ा के कांग्रेस विधायक कमलेश शाह सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से 1000 से अधिक कांग्रेस नेता कांग्रेस की कुनीतियों को छोड़कर एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए हैं।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में छिंदवाड़ा, रीवा, इंदौर और आगर-मालवा के 1000 से अधिक कांग्रेस के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज पूरा देश मोदी मय हुआ है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव में हमें प्रचंड बहुमत मिला था। आज पूरे प्रदेश भर में कांग्रेस के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। पूरे प्रदेश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने वाला है। हम सभी मिलकर प्रधानमंत्री मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास पर खरे उतरेंगे।

भजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त ने कहा- मध्यप्रदेश में जीत का इतिहास बनाएंगे भाजपा कार्यकर्ता

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के प्रति हर व्यक्ति का विश्वास बढ़ा है। शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है। आप सभी इस परिवार के अभिन्न सदस्य बनकर हम सभी के साथ काम करेंगे। यह अभियान देश को सर्वश्रेष्ठ बनाने और मध्यप्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए है।

लाभांडी में डायरिया के बाद फैला टाइफाइड, 7 से 8 लोगों में दिखे लक्षण, कई परिवार अपने गांव लौटे

रायपुर। राजधानी रायपुर के लाभांडी पीएम आवास के संकल्प सोसाइटी फेस-2 की स्थिति लगातार बिगड़ती ही जा रही है। एक ओर जहां होली से पहले पूरी कॉलोनी में मातम का माहौल डायरिया के चलते बना रहा। वहीं अब होली के बाद भी नागरिकों का दुख कम होने की वजह अब टाइफाइड के रूप मे बढ़ता जा रहा है।

होली विशेष रेलगाड़ियों का विस्तार

होली के उपरान्त यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ियों की सेवा अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित	विस्तारित तिथि
04096	नई दिल्ली	पटना जं.	सोमवार	28.03.24	01.04.2024 को
04074	आनन्द विहार (ट)	गया जं.	सोमवार	29.03.24	01.04.2024 को

• अन्य विवरण पूर्ववत रहेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।
रेलमदद वेबसाइट : www.railmadad.indianrailways.gov.in देखें एवं रेलमदद ऐप डाउनलोड करें।

949/2024
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
पर हमें फॉलो करें
आज़ादी का अमृत महोत्सव
उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आम चुनाव के पहले चरण को करीब 19 दिन बचे हैं, लेकिन देश में कहीं चुनावी शोर नहीं दिख रहा है। भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत इंडिया की तैयारी की तुलना की जाय तो राजग बहुत आगे है। सीट बंटवारे, टिकटों की घोषणा, समीकरण, चुनाव प्रचार, घोषणा पत्र आदि सभी मोर्चे पर भाजपा व राजग बहुत आगे दिख रहे हैं, जबकि विपक्ष इस मामले में बहुत पीछे चल रहे हैं। बिहार, यूपी, महाराष्ट्र आदि राज्यों में इंडि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। जिन राज्यों में कांग्रेस सीधे मुकाबले में है, वहां भी अब कांग्रेस मुकम्मल तौर पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं कर सकी है। कई जगह तो विपक्ष को उम्मीदवार तक नहीं मिल रहे हैं। चुनाव में सरगर्मियां तभी दिखेंगी, जि विपक्ष अधिक सक्रिय दिखाई देगा। इलेक्टोरल बॉन्ड, सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी, आयकर नोटिस, खाते सीज आदि का शोर अधिक है, जबकि लोकसभा जैसे अहम चुनाव में चुनाव प्रचार और मुद्दों का अधिक शोर सुनाई पड़ना चाहिए था। लोकसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा और राजग कहां हैं, और कांग्रेस व इंडिया कहां है? अन्य एकला चलो वाले दल कहां हैं? इन्हीं का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

’24 के रण में रणनीति विहीन विपक्ष

विश्लेषण
प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

फर्स्ट राउंड की वोटिंग 19 अप्रैल को हो जाएगी। यानि सिर्फ 19 दिन का वक्त बाकी है, लेकिन चुनाव के कैंपेन कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। न रैलियां हो रही हैं, न हैलीकॉप्टर का शोर दिख रहा है, न नेताओं के भाषण हो रहे हैं। मौसम तो बदल गया है, गर्मी भी तेज पड़ने लगी है, पर सियासी पारा अभी डाउन दिख रहा है। विपक्ष मैदान में कहीं दिख ही नहीं रहा है। पहले चरण के कैंपेन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से मैदान में उतर जाएंगे। मेरठ में रैली करके चुनावी प्रचार का आगाज करेंगे। कहने को तो विरोधी दलों ने जो इंडिया अलायन्स बनाया उसकी आज दिल्ली में बड़ी रैली है। लेकिन इसको लेकर कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। तैयारी से लेकर समीकरण और सीटों के बंटवारे तक सभी मोर्चे पर राजग आगे है।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन खत्म हो चुका है। पर्चे भरे जा चुके हैं। फर्स्ट राउंड की वोटिंग 19 अप्रैल को हो जाएगी। यानि सिर्फ 19 दिन का वक्त बाकी है, लेकिन चुनाव के कैंपेन कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। न रैलियां हो रही हैं, न हैलीकॉप्टर का शोर दिख रहा है, न नेताओं के भाषण हो रहे हैं। मौसम तो बदल गया है, गर्मी भी तेज पड़ने लगी है, पर सियासी पारा अभी डाउन दिख रहा है। विपक्ष मैदान में कहीं दिख ही नहीं रहा है। पहले चरण के कैंपेन के लिए प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी आज से मैदान में उतर जाएंगे। मेरठ में रैली करके चुनावी प्रचार का आगाज करेंगे। योगी आदित्यनाथ तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिस इलाके में फर्स्ट राउंड में वोट पड़ने हैं, वहां लगातार दौरे कर रहे हैं। पांच दिन में 15 जिलों में प्रबुद्ध सम्मेलन कर चुके हैं। लेकिन सवाल ये है कि विपक्ष कहां है। क्या विरोधी दलों ने पहले ही हार मान ली है। और अगर नहीं मानी है तो विरोधी दलों के नेता मैदान में क्यों नहीं दिख रहे हैं?

कहने को तो विरोधी दलों ने जो इंडिया अलायन्स बनाया उसकी आज दिल्ली में बड़ी रैली है। रामलीला मैदान की रैली की तैयारी पन्द्रह दिन से चल रही है। कांग्रेस के नेता इसमें जोरशोर से रंगे हैं। दावा ये किया जा रहा है कि इस रैली में एंटी मोदी मोर्चे के सभी बड़े नेता और पार्टियां मौजूद रहेंगी। सवाल ये है कि क्या दिल्ली में रैली करने से वोट मिलेंगे। दिल्ली में सिर्फ सात सीटें हैं। वो सारी की सारी दस साल से बीजेपी के पास हैं। रामलीला मैदान को भरने के लिए भीड़ तो केजरीवाल की पार्टी के नेता जुटा लेंगे। कांग्रेस, शिवसेना और समाजवादी पार्टी के लोग भी थोड़े बहुत ले आंएगे। दिल्ली की रैली में आम आदमी पार्टी के ही नेता और कार्यकर्ता डोमिनेट करेंगे। तो मुद्दे भी अपने उठाएंगे। रैली गठबंधन की है और मुद्दा होगा केजरीवाल की गिरफ्तारी। चूंकि मजमा अच्छा जुटेगा, चर्चा भी होगी। इससे फायदा सिर्फ आप को होगा। आम आदमी पार्टी के नेता इस मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

पहले चरण में ही पीछे है विपक्ष

बड़ी बात ये है कि ये वक्त तो उन चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं के पास जाने का है जहां पहले फेज में वोटिंग होनी है। पहले फेज में 21 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर मतदान होगा। इनमें असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के अलावा नॉर्थ ईस्ट के सभी राज्यों की सीटें हैं। इस सभी राज्यों में 15 मार्च से पहले तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे हो चुके हैं। उनकी रैलियां हो चुकी हैं। विरोधी दलों का प्रचार अभी शुरू नहीं हुआ है। हालांकि करीब दस महीने पहले जब नीतीश कुमार ने विरोधी दलों को मिलकर चुनाव लड़ने की बात कही थी। उसके बाद जिस तरह का रिस्पॉन्स आया। जिस तरह से पटना में 26 पार्टियों के नेता जुटे। उससे ये मैसेज तो गया था कि अगर सचमुच सब साथ आ गए तो बीजेपी को चुनैती दी जा सकती है। अक्टूबर तक सब ठीक ठाक रहा। तब बीजेपी के नेता भी परेशान थे। इसके बाद सेंध लगाने की कोशिशें शुरू हुईं। दरारों में पानी डाला गया और जोड़ टूटते चले गए।

समीकरण बनाने में भाजपा आगे

बीजेपी ने इस बार चार सौ पार का नारा दिया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए जरूरी है कि पिछले चुनाव में जिन राज्यों में बीजेपी ने सारी की सारी सीटें थी। वहां उसी प्रदर्शन को फिर दोहराए। और जिन राज्यों में बीजेपी की स्थिति कमजोर है, वहां हालात को सुधारा जाए। बीजेपी ने इसी रणनीति पर काम किया। और अब तक सफल भी रही। जबकि विरोधी दलों के नेता गठबंधन बनाने के बाद भी बिखरते गए। इसकी वजह साफ है। बीजेपी ने वास्तविक धरातल पर खड़े होकर काम किया, जबकि विरोधी दल अलायन्स के वक्त अपनी ईगो और सिर्फ अपना फायदा देखने में लगे रहे। इसीलिए मुश्किल हुई। ये कौन नहीं जानता कि अगर बिहार में लालू यादव और नीतीश कुमार मिलकर चुनाव लड़ते तो नतीजा क्या होता। पिछली बार बीजेपी नीतीश कुमार के साथ मिलकर लड़ी थी। 40 में से 39 सीटें एनडीए ने जीतीं। इसीलिए बीजेपी ने ईगो को किनारे रखकर तीसरे नंबर की पार्टी के मुखिया नीतीश कुमार को चीफ मिनिस्टर बनाना कबूल किया। जेडीयू जितनी सीटें पिछली बार लड़ी थी उतनी सीटें देने का वादा किया। चार साल से चिराग पासवान को किनारे रखने के बाद उन्हें सेन्ट्रल स्टेज पर लाई और पशुपति पारस को ठेंगा दिखा दिया। चिराग पासवान और नीतीश कुमार को एक दूसरे का साथ देने के लिए मनाया। उपेन्द्र कुशवाहा और जीतनराम मांझी को साथ लिया। यानि बीजेपी ने बिहार में खुद दो कदम पीछे हटकर अपने समीकरण ठीक कर लिए। लेकिन दूसरी तरफ आरजेडी कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां साथ साथ तो हैं। लेकिन पांच पार्टियों के दिल नहीं मिले हैं और ऊपर से असदुदीन ओबैसी ने 16 सीटों पर उम्मीदवारों को उतार कर वोटों में सेंधमारी का इंतजाम कर दिया। यही हाल दूसरे राज्यों में है। बंगाल में ममता एकला चलो की राह पर हैं। यूपी में जयन्त चौधरी साथ छोड़ गए। जबकि बीजेपी ने न सिर्फ जयन्त चौधरी को साथ लिया बल्कि ओमप्रकाश राजभर और दारा सिंह जैसे पिछड़े नेताओं को भी मंत्री बनाकर पूर्वान्चल में भी वोट का गणित ठीक लिया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अलग अलग लड़ रहे हैं। हालांकि पंजाब में बीजेपी ने रिस्क लिया है अकाली दल को साथ लेने की कोशिश कामयाब नहीं हुई तो अकेले लड़ने का फैसला लिया। मुकाबला चार पार्टियों के बीच होगा तो फायदा बीजेपी को हो सकता है। जम्मू कश्मीर में भी विरोधी दलों का गठबंधन पटरी पर नहीं है। हिमाचल में तो कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनका बेटा विक्रामदित्य का रुख ही कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी टेंशन है। विरोधी दलों का जो एलायन्स बना था वो उन राज्यों में छिन्नभिन्न हो चुका है जहां गठबंधन से फायदा की उम्मीद थी।

विपक्ष में सीट बंटवारा उलझा हुआ

जहां जहां विरोधी दलों का अलायन्स बचा है वहां सीटों के बंटवारे में मुश्किल है। यूपी में अखिलेश और कांग्रेस सीट शेयरिंग बहुत मुश्किल से हुई है। लेकिन महाराष्ट्र और बिहार में सीट शेयरिंग पर ही बवाल है। बीजेपी को विरोधी दलों के अलायन्स से सबसे ज्यादा टेंशन महाराष्ट्र में थी। लेकिन महाराष्ट्र में भी बीजेपी ने बड़ी चतुराई से सीटों का बंटवारा कर दिया। एकनाथ सिन्दे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी को उम्मीद से ज्यादा सीटें दे दी। गठबंधन को बचाए रखने के लिए बीजेपी ने महाराष्ट्र में खुद कम सीटों पर संतोष किया, लेकिन दूसरी तरफ शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग भी मुश्किल दिख रही है। प्रकाश आंबेडकर पहले ही अलान्यस से बाहर हो गए हैं। उन्होंने 11 सीटों पर कैंडिडट उतार दिए हैं। शिवसेना ने 18 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया। इससे शरद पवार और कांग्रेस नाराज हैं। कोई अपना दावा छोड़ने को तैयार नहीं हैं। शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टियां पहले ही टूट चुकी हैं। पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह भी चला गया है। इसके बाद भी अकड़ कम नहीं हुई है। मुंबई में कुल छह सीटें हैं। शरद पवार की पार्टी कम से एक सीट चाहती है। कांग्रेस भी तीन सीटों पर दावा कर रही है और उद्धव ठाकरे पांच सीटों पर उम्मीदवार उतारने की जिद पर अडे. हैं। इसी तरह सांगली, भिवड़ी, ठाणे, जैसी सीटों पर बात फंसी है। कांग्रेस के संजय निरूपम ने वगावत कर दी है। अब लग रहा है कि महाराष्ट्र में कुछ सीटों पर फ्रैंडली फाइट होगी। यानि उद्धव टाकरे के उम्मीदवार के सामने या तो शरद पवार की पार्टी का कैंडिडेट होगा या फिर कांग्रेस का और इसका फायदा बीजेपी को मिलेगा। अभी तक एनडीए में सीटों और उम्मीदवारों को लेकर झगड़ा नहीं दिख रहा है। कहीं कोई कन्फ्यूजन नहीं है। विरोधी दलों के एलायन्स में उम्मीदवारों के नाम को लेकर झगड़ा भी है व कार्यकर्ताओं में कन्फ्यूजन भी है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव अब तक छह सीटों पर उम्मीदवार बदल चुके हैं। रामपुर और मुरादाबाद में तो नॉमीनेशन के आखिरी दिन दो दो उम्मीदवारों ने पर्चे भर दिए। मुरादाबाद में अखिलेश ने सिटिंग एमपी एसटी हसन का टिकट काटकर पूर्व विधायक रुचि वीरा को टिकट दे दिया। इसी तरह रामपुर में दिल्ली के इमाम को भेज दिया। दोनों जगह बगावत हो रही है। मेरठ में जिन भानुप्रताप सिंह को टिकट दिया वो भी बाहरी हैं। उन्हें असेंबली इलेक्शन सिर्फ 1224 वोट मिले थे। इसलिए मेरठ में भी उम्मीदवार के खिलाफ बगावत है। अब वहां भी उम्मीदवार बदला जाएगा। बिहार में भी महागठबंधन में उम्मीदवारों को लेकर झगड़ा है। पूर्णिया की सीट छोड़ने से लालू ने इंकार कर दिया और अपनी पार्टी को कांग्रेस में मर्ज कर चुके पप्पू यादव पूर्णिया से ही लड़ने पर अड़े हैं। इसी तरह बेगूसराय की सीट सीपीआई को दे दी गई है। लेकिन कांग्रेस यहां से कन्हैया कुमार को लड़ना चाहती है। जो पिछला चुनाव सीपीआई के टिकट पर लड़े थे बहुत कम अंतर से हारे थे, लेकिन अब वो कांग्रेस में है और सीपीआई ये सीट कन्हैया कुमार के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है। इसी तरह पाटिलपुत्र की सीट है जहां मीसा भारती चुनाल लड़ेंगी। बीजेपी ने आरजेडी के पुराने नेता रामकृपाल को उतारा है। लेकिन अब ओवैसी की पार्टी ने भी इस सीट पर उम्मीदवार उतारने का एलान करके मामला फंसा दिया है।

दक्षिण को भी साधा

विरोधी दलों के गठबंधन का जो हाल है उससे लगता है कि उत्तर भारत में खासकर हिन्दीभाषी राज्यों में तो बीजेपी ने अपने समीकरण दुरूस्त कर लिए हैं और विरोधी दलों का मोर्चे की हालत अभी खराब लग रही है। दूसरी तरफ अब तक कर्नाटक को छोड़कर दक्षिण भारत में बीजेपी का बहुत ज्यादा बेस नहीं था। लेकिन इस बार केरल से लेकर तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी बीजेपी पूरी ताकत लगा रही है। तमिलनाडु में जयललिता की पार्टी के एक गुट के साथ समझौता किया है। आन्ध्र प्रदेश में चन्द्रबाबू नायडू का साथ पकड़ा है। तेलंगाना में बीजेपी को पिछले चुनाव में अच्छी सफलता मिली थी। इसलिए वहां बीजेपी अपने दम पर जोर आइमाइश कर रही है। दूसरी तरफ इन राज्यों में केरल और तेलंगाना को छोड़कर बाकी जगह कांग्रेस का कोई वजूद नहीं दिख रहा है। जो क्षेत्रीय पार्टियां हैं वो पहले भी चुनाव के बाद एनडीए के साथ रही हैं। इसलिए वहां कौन जीतता है इससे फर्क नहीं पड़ेगा। फिलहाल जो हालात दिखाई दे रहे हैं, उसमें अगर बीजेपी अपने चार सौ पार के नारे पर खरी उतरती है तो बहुत आश्चर्य की बात नहीं होगी। और अगर ऐसा हुआ तो इसके लिए कमजोर विपक्ष और विरोधी दलों के अलायन्स में शामिल पार्टियों की प्रबल महात्वाकांक्षा ही सबसे बड़ी वजह होगी।

उम्मीद नहीं जगा पा रहा ‘इंडिया’

लोस तैयारी
विनोद पाठक
वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जहां भभाजपा नेतृत्व के नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की तैयारियां जोरदार नजर आ रही हैं, वहीं विपक्षी इंडी अलायंस अभी भी सीटों के बंटवारे की जद्दोजहद में माथापच्ची कर रहा है। पश्चिम बंगाल, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में इंडी गठबंधन के सहयोगी आपस में एक-दूसरे के सामने ताल ठोक रहे हैं। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए के लिए 400 सीटों का टारगेट रखकर काफी पहले चुनावी समर में उतर चुके हैं। खासकर नरेंद्र मोदी की नजर उत्तर के साथ दक्षिण भारत पर भी है। मोदी इस बार तमिलनाडु और केरल में पार्टी का खाता खोलने के लिए आतुर नजर आ रहे हैं। एनडीए की नजर उत्तर प्रदेश पर विशेष रूप से टिकी है, जहां देश में सर्वाधिक 80 सीटें हैं। नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की जोड़ी यूपी में वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव वाला करिश्मा दोहराना चाहते हैं, तब भाजपा ने 80 में से 71 सीटें जीती थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक बात कही जाती है कि वो साढ़े चार साल सरकार चलाते हैं और छह महीने राजनीति करते हैं। पिछले छह महीनों में यह स्पष्ट रूप से दिख भी रहा है। मोदी एक रणनीति के तहत लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हुए हैं। वे देशभर में करीब-करीब सभी राज्यों में जनसभाएं कर चुके हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भी उत्तर पूर्व से पश्चिम तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल चुके हैं, जो दक्षिण से उत्तर तक निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा का पार्ट-2 थी, लेकिन यह यात्रा कोई खास असर छोड़ती नजर नहीं आई। राहुल गांधी यात्रा के दौरान ब्रेक भी लेते रहे। राहुल के अलावा अन्य किसी विपक्षी नेता ने अधिक संख्या में रैलियां या यात्राएं नहीं की हैं। विपक्ष या तो सरेंडर होता दिख रहा है या फिर वो किसी करिश्मे के इंतजार में है।

एनडीए का कुनबा बढ़ाना हो या छोटी पार्टियों को साधना हो, भाजपा बखूबी इस काम को पिछले कई महीनों से करती आ रही है। विशेषकर इंडी अलायंस के गठन के साथ वो चौंकना हो गई थी। शुरुआत में जब अधिकांश विपक्षी पार्टियां एकजुट हो रही थीं तो भाजपा ने रक्षात्मक रुख अपनाते हुए यह जताने का प्रयास किया था कि इंडी अलायंस से बड़ा गठबंधन तो उसका है। हालांकि, भाजपा ने इंडी अलायंस में फूट डालने के प्रयास शुरू कर दिए थे। इसका उदाहरण, बिहार में जनता दल (यू) का इंडी अलायंस को छोड़कर एनडीए के साथ आना है, जबकि जदयू के मुखिया नीतीश कुमार ने स्वयं इंडी अलायंस की नींव डाली थी। नीतीश कुमार न केवल स्वयं इंडी अलायंस से बाहर

आए, बल्कि राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी को भी एनडीए में शामिल करा लिया। महाराष्ट्र में पवार व उद्धव के दलों को पहले ही भाजपा ने बांट दिया है।

जहां भाजपा नेतृत्व में एनडीए अपने दलों को लेकर नरम रुख अपनाता दिखता है, वहीं इंडी अलायंस के दलों का 'ईगो' आपस में टकरा रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सबसे पहले एकला चलो का नारा दिया। उन्हें कांग्रेस बर्दाश्त नहीं है। वो अकेले चुनाव लड़ रही हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी को कांग्रेस पसंद नहीं है। दोनों दलों ने दिल्ली में तो मजबूरी में सीटों का बंटवारा कर लिया, लेकिन पंजाब में एक-दूसरे के सामने हैं। जहां उत्तर प्रदेश में भाजपा ने मजबूत गठबंधन खड़ा कर लिया है, वहीं समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ खास जुगलबंदी नहीं कर पा रही है। उसे प्रत्याशी नहीं मिल रहे। सपा की स्थिति का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि उत्तर प्रदेश में कहीं नहीं दिख रही कांग्रेस के लिए उसने 17 सीटें छोड़ दी हैं, जबकि बिहार में राष्ट्रीय जनता दल ने कांग्रेस को मात्र 9 सीटें दी हैं। कांग्रेस के लिए गंभीर स्थिति यह है कि जहां-जहां वो भाजपा से सीधी टक्कर में है, वहां उसके नेताओं में भगदड़ मची हुई है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस के नेता रोज पार्टी छोड़ रहे हैं। राजस्थान में तो घोषित प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बहुजन समाज पार्टी इंडी अलायंस के लिए चुनौती पेश कर रही है। बसपा ने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं, जो इंडी अलायंस के वोटों में ही सेंध लगाएंगे।

पिछले दो लोकसभा चुनावों 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए का ग्राफ बढ़ा है। 2014 में भाजपा ने अपने दम पर 282 सीटों पर जीत हासिल की थी और उसे 17.16 करोड़ वोट मिले थे। यह आंकड़ा 2019 में बढ़ गया। भाजपा ने 303 सीटें हासिल कीं और उसे 22.90 करोड़ वोट मिले, यानी पांच साल में नरेंद्र मोदी ने 5.74 करोड़ नए वोटर्स अपने खाते में जोड़ लिए। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में तो भाजपा ने 7.24 प्रतिशत वोटों का इजाफा 2014 से 2019 के बीच किया। भाजपा को राज्य में 2014 में 42.32 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 49.56 प्रतिशत हो गए। कुछ-कुछ यही स्थिति अन्य हिंदी पट्टी के अन्य राज्यों में रही।

चुनावी विश्लेषक तीसरी बार भी भाजपा का ग्राफ बढ़ने का अनुमान लगा रहे हैं। वैसे भी इस बार राम मंदिर जैसा बड़ा मुद्दा भाजपा के पास है, जिसका व्यापक असर यूपी, गुजरात, राजस्थान, एमपी, महाराष्ट्र, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में दिख रहा है। यही वो राज्य हैं, जो दो बार से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा रहे हैं। साथ ही, भाजपा ने इस बार चुनाव की टाइमिंग कुछ इस तरह रखवाई है कि वो प्रथम चरण की वोटिंग से पहले एकबार फिर देश को राममय करने की तैयारी कर चुकी है, क्योंकि 19 अप्रैल को वोटिंग से दो दिन पहले 17 अप्रैल को राम नवमी है, जिसका जवाब विपक्ष के पास नहीं है।

कुल मिलाकर कमजोर विपक्ष जहां अभी सीटों की चर्चाओं में व्यस्त है, वहीं भाजपा मतदाताओं के बीच पहुंच चुकी है। अब चर्चा इस बात की है कि एनडीए की 400 सीटों से ऊपर जाएगी या थोड़ी कम रहेगी। हालांकि, एक बात से सभी सहमत नजर आते हैं कि नरेंद्र मोदी 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव जैसा करिश्मा एक बार फिर दोहरा रहे हैं।

चुनाव की मुकम्मल तैयारी बनाम अधूरी तैयारी

वस्तुस्थिति
डॉ. भारत
विधि व्याख्याता व
चुनाव विश्लेषक

केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा 16 मार्च को 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव-कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही देश में सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव के केन्द्र में दो प्रमुख राजनीतिक गठबंधन है – विपक्षी “इंडिया ब्लॉक” और सत्तारूढ़ “राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन” (एनडीए)। इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस, राजद,राकांपा पवार, आप, टीएमसी, कम्युनिस्ट पार्टी, सपा आदि दल शामिल हैं। जबकि एनडीए में भाजपा, महा विकास आघाड़ी, पाट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके), जनता दल (यूनाइटेड) आदि शामिल हैं। बिना किसी राष्ट्रीय गठबंधन के साथ जुड़े, कुछ राज्यों में राजनीतिक दल अकेले चुनाव लड़ रहे हैं, जैसे ओडिशा में बीजद, आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसी, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल व आप, हरियाणा में इनेलो व जजपा आदि। जहाँ एक ओर सत्तारूढ़-पक्ष का लक्ष्य लगातार तीसरा कार्यकाल सुरक्षित करना है और उसकी नज़र लोकसभा में 370 से अधिक सीटों पर है, वही दूसरी ओर विपक्ष सत्तारूढ़-पक्ष को बेदखल कर सत्तासीन होना चाहता है।

राजग के तरकश तीर से भरे

सत्तारूढ़ दल 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के मूल मंत्र पर चलते हुए 'विकास' को चुनावी मुद्दों का केंद्र बिंदु बनाने की कोशिश कर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 35-ए को ख़त्म करने से लेकर अनुच्छेद 370 में संशोधन तक, सड़कों के जाल से लेकर परिधीय और एक्सप्रेस राजमार्गों तक, काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर से लेकर राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा तक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति से लेकर आईआईटी-आईआईएम समेत प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान खोलने तक, आयुष्मान भारत मिशन द्वारा एकीकृत अंकीय स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे से लेकर अग्रणी स्वास्थ्य सेवाओं हेतु एम्स खोलने तक, नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन से लेकर नए आपराधिक, साक्ष्य और प्रक्रियात्मक कानूनों की शुरूआत तक, चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने से लेकर जी-20 की सार्थक अध्यक्षता तक, तीन-तलाक को खत्म कराने से लेकर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने तक को एनडीए अपने प्रदर्शन में प्रक्षेपित करती है तथा समान नागरिक संहिता, एक राष्ट्र-एक चुनाव, 33% महिला आरक्षण जैसे मुद्दे प्रसंस्करण प्रक्रियाधीन हैं। गत 10 वर्षों में भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और ‘सतत

विकास लक्ष्यों’ के साथ कदम-ताल करते हुए “आत्मनिर्भरता” का सपना अपनी आँखों में संजोये हुए है।

विपक्ष की झनझनाती पोटली

इसमें कोई संशय नहीं कि चुनावी परिदृश्य में स्थानीय मुद्दे हमेशा हावी रहते हैं, लेकिन खंडित और कमजोर विपक्ष व विपक्षी गठबंधन के कारण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष ‘मजबूत’ और ‘महत्वपूर्ण’ मुद्दों से वंचित ही नज़र आ रहा हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि किसानों की अशांति, अल्पसंख्यकों की पीड़ा, सेना में सेवा के लिए अग्निपथ योजना, बेरोजगारी समेत अन्य मुद्दों को उठाने के अथक प्रयासों के बावजूद विपक्ष देश भर में सत्तारूढ़ दल के खिलाफ मुद्दों का ध्रुवीकरण नहीं कर सका। प्रवर्तन-निदेशालय समेत खुफिया एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों के बीच, 2024 के चुनाव में, शायद यह ऐतिहासिक तथ्य है कि भ्रष्टाचार का मुद्दा लगातार दस साल से सत्तासीन-पक्ष के खिलाफ नहीं, बल्कि विपक्ष के खिलाफ उभर कर सामने आ रहा है। बहरहाल 'चुनावी-बांड' का मुद्दा भी अनेक राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय बन गया है। साम, दाम, दंड और भेद की नीति को अपनाते हुए आज विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती जहाँ एक ओर नेताओं के अविराम-पलायन को रोकना है, वहीं दूसरी ओर भाजपा विरोधी मतों में हो रहे बिखराव को बचाना है। और यदि वे ऐसा करने में सक्षम हो जाते हैं तो वे बहुत हद तक अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का सपना देख सकते हैं अन्यथा मंज़िल दूर ही प्रतीत होती नज़र आ रही है।

बढ़त में राजग, इंडी पीछे

स्पष्ट तथ्य यह है कि सत्तारूढ़ भाजपा पूरे चुनावी जोश में है और लोकसभा की कुल 543 सीटों में से 400 से अधिक उम्मीदवारों के 'सामाजिक' व 'जातीय' संतुलन को साधते हुए घोषणा के अलावा स्टार-प्रचारकों और राज्य चुनाव-प्रभारियों की सूची को अंतिम रूप दे चुकी है, जिससे एनडीए के कार्यकर्ताओं का मनोबल चरम पर है और उम्मीदवारों को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल चुकी है, जबकि विपक्षी-गठबंधन सीट बंटवारे के फार्मूले पर सहमति बनाने और उपयुक्त उम्मीदवार तलाशने में अभी काफी पीछे चल रहा है। किसी भी स्थिति में देरी न केवल विपक्ष के आत्मविश्वास को कमज़ोर कर रही है, बल्कि उसके लिए सत्ता की मंजिल तक पहुंचने के रास्ते दूर कर रही है।

लोकतंत्र खतरे में नहीं

संसदीय लोकतंत्र की व्यावहारिक कार्यप्रणाली को जानने के लिए लोकसभा में मतदान-प्रतिशत पर विचार करना बहुत जरूरी है। 1951 से 2019 तक के लोकसभा चुनावों में मतदान-प्रतिशत औसतन 58.33% रहा है जबकि सोलहवें और सत्रहवें चुनावों में यह 65% को पार कर क्रमशः 66.44% व 67.40% हो गया। सही अर्थों में लगातार बढ़ते मतदान-प्रतिशत से लोकतंत्र ख़तरे में कैसे हो सकता है? अन्यथा लोकसभा चुनावों के मतदान-प्रतिशत के विश्लेषण का स्पष्ट रूप से प्रमुख-निष्कर्ष तो इस ओर ही इशारा करा रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जब-जब सत्तारूढ़ दल के पक्ष में पूर्ण-जनादेश या पर्याप्त संख्या-बल होता हैं तो विपक्ष की ओर से “लोकतंत्र ख़तरे में है” की आवाज उठाना फैशन रहा है। अपनी राजनीतिक असुरक्षा के कारण अनेक राजनीतिक दल लोकतंत्र व संविधान के खतरे में होने की बात उछालते रहे हैं, असल में दलों को अपना वजूद खतरे में लगता है। ऐसा अक्सर कहा जाता है, ‘चिंता चिता समान होती है’, आखिर विपक्ष को संवैधानिक संस्था – ‘भारतीय चुनाव आयोग’ की पवित्रता पर विश्वास नहीं है? क्या सत्तारूढ़ दल पिछले एक दशक में प्रमुख राज्यों में चुनाव/उप-चुनाव नहीं हारे? इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष आवश्यक है। जैसा कि लोकप्रिय कहावत है, “सत्ता भ्रष्ट बनाती है, और पूर्ण सत्ता पूर्णतया भ्रष्ट बनाती है”। निस्संदेह यदि “विपक्ष-विहीन” संसद होगी तो यह लोकतंत्र के लिए कोई शुभ सन्देश नहीं होगा और ऐसी दूरस्थ स्थिति से बचने के लिए विपक्ष को दृढ़ संकल्प लेकर जनता का विश्वास जीतना होगा और मतदाताओं के समक्ष आश्वस्त करने वाला दूरगामी दृष्टिकोण रखना होगा।

फैसला जनता के हाथ में

निष्कर्षण सियासी बिसात में बाजी वो ही मरेगा जिसको ‘जनता-जनार्दन’ का “आशीर्वाद” प्राप्त होगा। एक बात तो तय है कि मतदाता इतना ‘परिपक्व’ और ‘प्रबुद्ध’ हैं कि वे अपने ‘भाग्य’ और ‘भविष्य’ का फैसला भलीभांति कर सकते हैं। सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश - भारत को दुनिया अपार संभावनाओं वाले देश के रूप में देखती है। इस देश का समाज सकारात्मक है, इस देश की संस्कृति समृद्ध है, इस देश की विरासत वैभवशाली है, इस देश का भविष्य स्वर्णिम है और इस सबसे बढ़कर भारत देश का लोकतंत्र जीवंत है और वह हर परीक्षा में खरा उतरता है।

यूपी में भाजपा के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत

'रामायण के राम' के लिए आज पीएम मेरठ में करेंगे मेगा रैली मंच पर होंगे जयंत चौधरी, एनडीए में ही बने रहेंगे पशुपति पारस

यूपी में लोकसभा चुनाव का आगाज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरठ से भाजपा के उम्मीदवार अरुण गोविल के पक्ष में एक मेगा रैली करने जा रहे हैं। इस रैली में उनके साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हुए राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी में मंच को साझा करेंगे।

एजेंसी ▶▶ मेरठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मेरठ में एक रैली के साथ यूपी में अपने लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे, जहां भाजपा ने टीवी धारावाहिक 'रामायण' से मशहूर हुए अभिनेता अरुण गोविल को अपना उम्मीदवार बनाया है। पीएम मोदी की होने वाली मेगा रैली में मेरठ से भाजपा के उम्मीदवार अरुण गोविल के अलावा हाल ही में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, एनडीए में शामिल हुए राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी भी पीएम के साथ मंच साझा करेंगे। एक भाजपा नेता ने बताया कि अयोध्या में मंदिर में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद, पीएम मोदी अरुण गोविल के निर्वाचन क्षेत्र से राज्य में अपना चुनाव अभियान शुरू कर रहे हैं, जिन्होंने टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाई थी और वे बहुत सम्मानित कलाकार रहे हैं। पार्टी के प्रदेश महासचिव अनूप गुप्ता को प्रधानमंत्री की रैली के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। रैली में मेरठ के अलावा आसपास के बागपत, बिजनौर, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा क्षेत्रों के लोग भी हिस्सा लेंगे।

जयंत चौधरी भी रैली में होंगे शामिल

भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक गोविंद नारायण शुक्ला ने कहा कि पीएम मोदी की मेरठ रैली पश्चिमी यूपी में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी और उसके सहयोगी राज्य की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करेंगी। उन्होंने कहा कि यह यूपी में 2024 चुनाव की पहली रैली है। पार्टी कार्यकर्ता भाग्यशाली हैं कि पीएम मेरठ से चुनाव अभियान शुरू करने जा रहे हैं। आरएलडी प्रवक्ता आतिर रिजवी के मुताबिक, रैली में पार्टी प्रमुख जयंत चौधरी भाजपा नेताओं के साथ मंच साझा करेंगे।

रैली को लेकर धारा 144 लागू

स्थानीय प्रशासन ने पीएम की रैली से पहले धारा 144 लागू कर दी है जिसके तहत रैली स्थल से आठ किलोमीटर के दायरे में ड्रोन, पतंग या गुब्बारे उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बता दें कि यूपी में लोकसभा चुनाव के सभी सात चरणों में मतदान होगा, जिसमें बिजनौर, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा क्षेत्रों में मतदान पहले चरण में 19 अप्रैल को होगा। मेरठ और बागपत में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

पशुपति पारस मोदी के परिवार में ही रहेंगे

पटना। एनडीए नेताओं और परिवार के सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद पशुपति कुमार पारस ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। उनकी पार्टी रालोजपा एनडीए में बनी रहेगी। माना जा रहा है कि अब चाचा पशुपति कुमार पारस और भतीजे चिराग पासवान के बीच सुलह हो गयी है। दरअसल, पशुपति पारस ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर कर लोकसभा चुनाव में एनडीए को समर्थन देने की जानकारी दी है। उन्होंने एक बार फिर से अपने एक्स अकाउंट पर आपने नाम के मोदी का परिवार लगाया है। पशुपति पारस ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा है कि हमारी पार्टी रालोजपा, एनडीए का अभिन्न अंग है! माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी हमारे भी नेता है और उनका निर्णय हमारे लिए सर्वोपरि है एवं उनके नेतृत्व में एनडीए पूरे देश में 400+ सीट जीतकर तीसरी बार रिकॉर्ड तोड़ बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी।

चिराग की पार्टी ने घोषित किए उम्मीदवार

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने पांच सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए। पार्टी प्रमुख चिराग पासवान हाजीपुर से चुनाव लड़ेंगे। वहीं उनके बहनोई अरुण भारती को जमुई से टिकट दिया गया है। खगड़िया से राजेश वर्मा चुनावी मैदान में हैं। समस्तीपुर से शांभवी चौधरी और वैशाली से वीणा देवी उम्मीदवार हैं।

बिहार कांग्रेस के अजय सिंह ने छोड़ी पार्टी

पटना। बिहार कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। औरंगाबाद और पूर्णिया सीट राजद के खाते में जाने से पहले ही कांग्रेस के कई नेता नाराज हैं।

अब एक दिग्गज नेता और कांग्रेस कमेटी बिहार राज्य परिषद सदस्य अजय सिंह टुन्नू ने पार्टी छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व के उपेक्षापूर्ण व्यवहार से अत्यन्त दुखी और आहत होकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि लम्बे वर्षों तक पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेवारियों (युवा, प्रखंड अध्यक्ष, युवा जिला अध्यक्ष, जहानाबाद एवं सदस्य अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) का ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन करते रहा। इसके बावजूद मेरी उपेक्षा की गई। इससे मैं आहत हूं।

सत्ता में आए तो लक्ष्मी भंडार योजना की राशि बढ़ाकर देंगे 3 हजार रुपए

टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी ने अपने लोकसभा क्षेत्र डायमंड हरबा में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर हम सत्ता में आए तो ममता बनर्जी की लक्ष्मी भंडार परियोजना को 1000 रुपए से बढ़ाकर 3000 रुपए कर देंगे। अभिषेक बेनर्जी ने कहा कि मैं इन भाजपा नेताओं से कहना चाहता हूं कि आप भारत के 17 राज्यों में सरकार चला रहे हैं। अगर आप किसी एक राज्य में हर महिला को 3000 रुपए की जगह डेढ़ हजार रुपए देकर दिखा दें, तो मैं आपको चुनौती देता हूं और कहता हूं कि मैं यहां से राजनीति छोड़ दूंगा। बेनर्जी ने आगे कहा कि मैं भाजपा नेताओं, मंत्रियों और प्रधानमंत्री से हाथ नमन करके बोल रहा हूं। आपको लक्ष्मी भंडार की राशि नहीं देनी पड़ेगी, ये लक्ष्मी भंडार योजना ममता बेनर्जी देंगी। अभिषेक बेनर्जी ने भाजपा को चुनौती देते हुए आगे कहा कि यदि आप कर सकते हैं, तो बस 1000 टका रसोई गैस मुफ्त में दे दें और एक नोटिफिकेशन जारी करें कि केंद्र सरकार पांच साल तक मुफ्त रसोई गैस देगी। मैं इस मंच से बताने जा रहा हूं कि मैं 42 निर्वाचन क्षेत्रों से सभी उम्मीदवारों को वापस ले लूंगा।

महाराष्ट्र में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका

पूर्व लोकसभा स्पीकर शिवराज पाटिल की बहू अर्चना भाजपा में शामिल

मुंबई। लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में कांग्रेस को एक और झटका लगा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल चाकुरकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गईं। वे पूर्व लोकसभा स्पीकर और कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल की बहू हैं। वह उदगीर में लाइफकेयर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की चेयरपर्सन हैं। अर्चना के पति शैलेश पाटिल चंद्रुकर महाराष्ट्र कांग्रेस के राज्य सचिव हैं।

मोदी की नीतियों से प्रभावित

अर्चना पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि मैं राजनीतिक क्षेत्र में काम करने के लिए भाजपा में शामिल हुई हूं। मैं पीएम मोदी द्वारा लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बहुत प्रभावित हूं। यह महिलाओं को समान अवसर देने के लिए है। उन्होंने कहा कि मैंने लातूर में जमीनी स्तर पर काम किया। अब भाजपा के साथ भी जमीनी स्तर पर काम करेंगी।

एनसीपी शरद गुट की पहली सूची जारी

मुंबई। महाराष्ट्र में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने राज्य की 5 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। इसमें वर्धा से अमर काले, डिंडोरी से भास्कर राव बगरे, बारामती से सुप्रिया सुले, शिरूर से अमोल कोल्हे और अहमदनगर से नीलेश लंके के नाम हैं। शरद पवार गुट के नेता जयंत पाटिल ने कहा कि भिवंडी सीट को लेकर कांग्रेस से चर्चा चल रही है। चर्चा के बाद पार्टी भिवंडी सीट पर अपना उम्मीदवार घोषित करेगी। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीटें हैं। कांग्रेस, एनसीपी (शरद गुट) और शिवसेना (उद्धव गुट) महाविकास अघाड़ी अलायंस के तहत गठबंधन में है।

ओडिशा में कांग्रेस ने उम्मीदवारों से मांगे 50 हजार रुपए

भुवनेश्वर। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से 50 हजार रुपए जमा करने को कहा है। कमेटी अध्यक्ष शरत पटनायक ने संभावित उम्मीदवारों को लेटर भी जारी किया है। पटनायक ने कहा कि पार्टी की ओर से चयनित किए गए उम्मीदवारों से 50 हजार रुपए के चेक ले रही है ताकि प्रचार से जुड़ी सामग्री दी जा सके। कांग्रेस को 147 ओडिशा विधानसभा सीटों और 21 लोकसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों से लगभग 3,000 आवेदन प्राप्त हुए थे। पटनायक ने उन शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की संख्या का खुलासा नहीं किया जिन्होंने राशि का भुगतान किया है।

खबर संक्षेप

पूर्व मंत्री नवाब मलिक की तबीयत बिगड़ी

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई है। पूर्व मंत्री को सांस लेने में कठिनाई की शिकायत के बाद कुर्ला के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बात की जानकारी उनकी बेटी ने दी है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता नवाब मलिक को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत भी मेडिकल आधार पर मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत छह महीने के लिए बढ़ा दी थी।

तब 10 हजार इलेक्टोरल बॉन्ड छापने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर से इलेक्टोरल बांड को असंवैधानिक करार देने से तीन दिन पहले ही वित्त मंत्रालय ने 10,000 बॉन्ड की छपाई को मंजूरी दी थी। मंत्रालय की ओर से सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया को 1 करोड़ रुपए की मूल्य के 10,000 चुनावी बांड की छपाई के लिए अंतिम मंजूरी दी गई थी। वित्त मंत्रालय ने कोर्ट के आदेश के दो सप्ताह बाद 28 फरवरी को एसबीआई को बांड की छपाई पर तुरंत रोक लगाने का निर्देश दिया था।

एनआईए ने आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने असम के गुवाहाटी से 2019 में जाली मुद्रा जब्त करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने बताया कि खैरुल अलोम खांदकार, सितजल हक और सुदीप विश्वास के खिलाफ दूसरा पूरक आरोप पत्र दाखिल किया। इसी के साथ आरोपी बनाए गए लोगों की संख्या सात हो गई है।

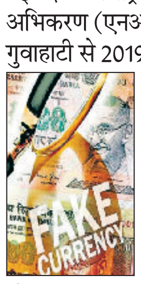

72 साल पुरानी गेर... जिदंगी का दिखा 'असली रंग'

रंगपंचमी पर निकल रहा था जोरदार गेर इंदौरियों ने राजवाड़ा में एंबुलेंस को रास्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर/भोपाल

रंग पंचमी के त्योहार पर लोग रंगों में रंगते हुए नजर आ रहे थे। वहीं, इंदौर में भी लोग जमकर रंग पंचमी का मजा ले रहे थे। इस बीच इंदोरियों ने मिसाल भी पेश की है। दरअसल, राजवाड़ा पर पंचमी के कार्यक्रम के चलते एंबुलेंस फंस गई थी। लेकिन, रंग प्रेमी जनता ने तुरंत जगह बनाकर एंबुलेंस को आसानी से रास्ता दिया। बता दे इंदौर में 72 साल पुराने गेर उत्सव में शामिल होने के लिए सीएम मोहन यादव भी पहुंचे थे।

लेकिन, इसके पहले गेर में राजवाड़ा पर लोग जमकर होली खेल रहे थे, तभी एक एंबुलेंस आ गई और रंगप्रेमी जनता ने तुरंत जगह बनाकर एंबुलेंस को आसानी से रास्ता दिया। रंगपंचमी का उत्सव उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से शुरू हुआ। पहले भगवान महाकाल की भस्म आरती की गई, और उन्हें केसरयुक्त जल से अर्पित किया गया। बाबा महाकाल को भांग, चंदन, और सूखे मेवे से श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं को जांच के बाद ही मंदिर में प्रवेश दिया गया। इंदौर में परंपरागत गेर का आयोजन किया गया। इस दौरान, हजारों की संख्या में लोग ऐतिहासिक राजवाड़ा पर उमड़े। यहां लोगों ने एक-दूसरे पर रंग फेका और पानी की बौछार की।

इसीलिए, पीएम मोदी ने कहा था- इंदौर एक शहर ही नहीं...एक 'दौर' है...

उज्जैन में भगवान महाकाल की भस्म आरती की गई, और उन्हें केसरयुक्त जल अर्पित किया गया। उनका भांग चंदन से श्रृंगार किया गया।

जैसे ही गेर समाप्त हुई, निगम ने चकाचक कर दिया रूट

रंगपंचमी के उत्सव के दौरान मॉरल क्लब की गेर ने सबसे पहले राजवाड़ा की ओर मूव किया। इसके बाद रसिया गेर, फिर हिंद रक्षक, और अंत में संगम कॉर्नर की गेर राजवाड़ा पहुंची। हिंद रक्षक की गेर में राम मंदिर की झांकी भी नजर आई। इंदौर में, गेर के रूट को 10 ड्रोन और 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। जैसे ही गेर समाप्त हुआ, नगर निगम की टीम ने तुरंत साफ-सफाई कार्य शुरू किया और रास्ते को आनन-फानन में चकाचक कर दिया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उपराष्ट्रपति बोले

जिन्हें लगा वे कानून से ऊपर हैं, अब कानून उनके पीछे है

नई दिल्ली। शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका की रीढ़ की हड्डी की ताकत बरकरार है। जिन्हें लगता था कि वे कानून से ऊपर हैं, अब कानून उनके पीछे है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ दिल्ली में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि वे कहते हैं कि चुनाव के समय कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। क्या आप नैतिकता के आधार पर कह सकते हैं कि भ्रष्टाचारियों से इसलिए नहीं निपटा जाना चाहिए, क्योंकि यह त्योहारों का मौसम है या खेती का मौसम है? जो दोषी हैं उन्हें बचाने का कोई मौसम कैसे हो सकता है?

भारत में मजबूत न्यायिक व्यवस्था

जगदीप धनखड़ ने अमेरिका, जर्मनी और यूनाइटेड नेशन्स के दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मुद्दे पर बयान देने पर कहा कि भारत में मजबूत न्यायिक व्यवस्था है। भारत को कानून को लेकर किसी से सबक लेने की जरूरत नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के न्यायिक व्यवस्था को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में कानून के लिए सब लोग समान है। समानता नया आदर्श है और जो लोग सोचते हैं कि वे कानून से परे हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जा रहा है।

भ्रष्टचार अब जेल जाने का रास्ता

31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन द्वारा केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन को उपराष्ट्रपति ने कहा कि जैसे ही कानून अपना काम करने लगता है, वैसे ही कुछ लोग सड़कों पर आ जाते हैं। भ्रष्टाचार से अब रोजगार या कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलते। अब भ्रष्टाचार जेल जाने का रास्ता है।

लालू की बेटी मीसा भारती को राहत

आचार संहिता उल्लंघन केस, कोर्ट ने दी जमानत

एजेंसी ▶▶ पटना

पाटलिपुत्र से लोकसभा के राजद प्रत्याशी और लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती कड़ी सुरक्षा के बीच दानापुर के व्यवहार न्यायालय में उपस्थित हुईं। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के द्वारा सुनवाई के बाद उन्हें जमानत दे दी गई। वर्ष 2019 में चुनाव के दौरान मीसा भारती पर आचार संहिता के उल्लंघन का मामला मनेर थाना में दर्ज कराया गया था। तब से वह मामला लंबित था। इस मामले में कोर्ट ने मीसा भारती को उपस्थित होने का आदेश दिया था। दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने मीसा भारती को दस हजार रुपए मुचलके पर उन्हें न्यायालय द्वारा जमानत दे दी गई।

नौकरी के बदले जमीन मामले में भी नाम

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेलवे की नौकरियों के बदले जमीन मामले में जो पहला आरोप पत्र दायर किया था, उसमें मीसा भारती का नाम था। बता दें कि लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती राजद के टिकट पर चुनाव लड़ने की बात सामने आ रही है। हालांकि वह दो बार यहां से भाजपा के रामकृपाल यादव से चुनाव हार चुकी हैं। दो बार लालू प्रसाद ने उन्हें राज्य सभा भी भेजा। इस सीट पर राजद विधायक रीतलाल यादव और विधायक भाई वीरेन्द्र की भी दावेदारी रही है।

पटना हाईकोर्ट की वैवाहिक मसले पर अहम टिप्पणी

पति या पत्नी को 'भूत' और 'पिशाच' कहना क्रूरता नहीं

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना हाई कोर्ट ने कहा कि एक-दूसरे से अलग रह रहे जोड़े द्वारा 'गंदी भाषा' का इस्तेमाल, जो एक-दूसरे को 'भूत' और 'पिशाच' जैसे नामों से बुलाते हैं, यह 'क्रूरता' के अंतर्गत नहीं आता है। दरअसल, यह टिप्पणी न्यायमूर्ति बिबेक चौधरी की एकल-न्यायाधीश पीठ की ओर से आई है। न्यायमूर्ति बिबेक की पीठ झारखंड से सटे बोकारो के निवासी सहदेव गुप्ता और उनके बेटे नरेश कुमार गुप्ता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जानकारी के मुताबिक, पिता-पुत्र ने नरेश गुप्ता की तलाकशुदा पत्नी द्वारा अपने मूल निवास स्थान नवादा में दायर एक शिकायत पर बिहार के नालंदा जिले की अदालतों द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी थी।

झारखंड हाईकोर्ट ने तलाक को दी मंजूरी

शिकायतकर्ता ने 1994 में अपने पति और ससुर के खिलाफ दहेज में कार की मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए शारीरिक और भौतिक यातना देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था।उसके बाद पिता-पुत्र की प्रार्थना पर मामले को नवादा से नालंदा स्थानांतरित कर दिया गया। उन्हें 2008 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा एक वर्ष के लिए कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। जबकि अतिरिक्त सत्र न्यायालय के समक्ष उनकी अपील दस साल बाद खारिज कर दी गई। इस बीच, झारखंड हाई कोर्ट ने जोड़े को तलाक की मंजूरी दे दी। पटना हाई कोर्ट के समक्ष दायर याचिका का विरोध करते हुए, तलाकशुदा महिला के वकील ने दलील दी कि 21वीं सदी में एक महिला को उसके ससुराल वालों द्वारा भूत और पिशाच कहा जाता था, जो अत्यधिक क्रूरता का एक रूप था।

याचिकाकर्ता के खिलाफ विशिष्ट आरोप नहीं

हालांकि, अदालत ने कहा कि वह इस तरह के तर्क को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। अदालत ने कहा कि वैवाहिक संबंधों में, विशेष रूप से असफल वैवाहिक संबंधों में, पति और पत्नी दोनों द्वारा 'गंदी भाषा' के साथ 'एक-दूसरे को गाली देने' के उदाहरण सामने आए हैं। हालांकि, ऐसे सभी आरोप क्रूरता के दायरे में नहीं आते हैं। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि उसे सभी आरोपी व्यक्तियों द्वारा परेशान और क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किया गया था। लेकिन याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप नहीं थे। इसलिए निचली अदालतों द्वारा पारित निर्णयों को रद्द कर दिया गया।

यूपी मदरसा एक्ट को रद्द करने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट के इस फैसले को अब उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को हाईकोर्ट में असंवैधानिक करार दिए जाने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि हाइकोर्ट के पास यह अधिकार नहीं है कि वह इस एक्ट को रद्द कर दे। इजाजुतूल उलूम के मैनेजर अंजुम कादरी की तरफ से हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। बता दें, हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बड़ा फैसला सुनाते हुए यूपी बोर्ड आफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार दिया है।

वित्तीय स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं तो कुछ निवेश संकल्प अपनाएं

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए निवेश की करें बढ़िया प्लानिंग

निवेश मंत्रा
रजत मेहरोत्रा

यदि आप इस बारे में थोड़ा और विचार कर रहे हैं कि नए साल की शुरुआत में अपने वित्तीय लक्ष्यों तक कैसे पहुंचें, तो आप अकेले नहीं हैं। यह दुनिया भर में एक आम प्रथा है और हजारों वर्षों से चली आ रही है। नए साल के संकल्प अक्सर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में होते हैं। अधिक कसरत करें, जंक फूड कम खाएं, दिन में एक बार ध्यान करें, धूम्रपान छोड़ें, सोशल मीडिया पर कम समय बिताएं, लेकिन वित्तीय स्वास्थ्य का क्या? क्या आपने 2024 में अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार के बारे में सोचा है? और जबकि हम सोचते हैं कि आपके वित्तीय स्वास्थ्य का ख्याल रखना साल भर प्राथमिकता होनी चाहिए, नया साल चेक-इन करने और यह देखने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है कि आप संभावित रूप से अपने वित्तीय खेल को कैसे बेहतर बना सकते हैं। 2024 वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन थोड़ी प्रेरणा की आवश्यकता है? तो यहां नए साल के 13 बेहतरीन वित्तीय संकल्प दिए गए हैं, जिनकी मदद से आप शुरुआत कर सकते हैं।

व्यक्तिगत ऋण का भुगतान करें

कर्ज कैसे चुकाएं यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप पर किस प्रकार का कर्ज है। क्योंकि क्रेडिट कार्ड पर अक्सर उच्च ब्याज दरें होती हैं, और जारीकर्ता दशकों तक आपको उस नए टीवी के लिए भुगतान करने में प्रसन्न होते हैं-ब्याज के साथ-साथ ब्याज बढ़ने पर-क्रेडिट का भुगतान करने की योजना बनाना एक अच्छा विचार हो सकता है।

किसी महंगी आदत को छोड़ें

हो सकता है कि यह आपकी दैनिक लजीज कॉफ़ी हो, एक प्रीमियम मूवी चैनल पैकेज हो या दोपहर की मीठी दावत हो। छोटी-छोटी चीजें जुड़ जाती हैं। अपनी जेब में अधिक पैसा वापस लाने के लिए कुछ अच्छी वित्तीय आदतों के लिए अपने महंगे पैटर्न को बदलने का प्रयास करें। कारें खराब हो गईं, परिवार में किसी को सर्जरी का पता चला, नौकरी चली गई और टीवी/वॉशिंग मशीन खराब हो गई। जीवन आश्चर्यों से भरा है। अप्रत्याशित की उम्मीद करें और कर्ज से बचने और उन अप्रत्याशित खर्चों को कवर करने के लिए एक आपातकालीन निधि बनाएं।

निवल संपत्ति की गणना करे

आपकी निवल संपत्ति जानना एक अच्छी बात है, क्योंकि यह आपको किसी भी समय आपके वित्तीय स्वास्थ्य की एक बड़ी तस्वीर देता है, और यह यह देखने का एक प्रभावी तरीका है कि आपका वित्त आपके लक्ष्यों की ओर सही रास्ते पर है या नहीं। यह आपको यह पहचानने में भी मदद कर सकता है कि आप कहां अपने कर्ज को कम करने और अपनी संपत्ति को बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं।

वसीयत लिखें

वसीयत यह सुनिश्चित करती है कि आपकी अंतिम इच्छाएं आपकी इच्छानुसार पूरी की जाएंगी। इसके बिना, आपकी संपत्ति प्रोबेट नामक एक लंबी प्रक्रिया से गुजर सकती है, जिसमें अदालतें यह तय करती हैं कि आपकी संपत्ति कैसे वितरित की जाए।

एक वित्तीय योजना बनाएं

भले ही आप अपने करियर के शुरुआती दौर में हों या समाप्ति रेखा के करीब हों, इससे पहले कि आपको पता चले, आपके सुनहरे साल यहीं होंगे। अपने अल्पकालिक और दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को लिखने से आपको उस भविष्य की दिशा में प्रगति करने में मदद मिल सकती है जिसकी आप कल्पना करते हैं।

वित्तीय साक्षरता में सुधार करें

हर सप्ताहांत या महीने में, एक अलग वित्तीय या निवेश पॉडकास्ट डाउनलोड करें और ट्यून करें। या, यदि आप बहुत व्यस्त हैं, तो प्रति तिमाही एक बार व्यक्तिगत वित्त पुस्तक या प्रति माह एक बार एक शैक्षिक लेख पढ़ने का संकल्प लें। बचत युक्तियों और तरकीबों का खजाना खोजने के बाद, आप स्वयं भी विशेषज्ञ बन सकते हैं।

वित्तीय सलाहकार से बात करें

साल के अंत तक मानवीय सलाह लें। एक वित्तीय सलाहकार आपको यह निर्धारित करने में मदद कर सकता है कि आपके वित्तीय लक्ष्य क्या हैं, आपको आपके विकल्पों के बारे में बता सकता है और एक वैयक्तिकृत योजना प्रदान कर सकता है। जब आप तटस्थता में फंसे हों तो मार्गदर्शन प्राप्त करने से आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।

सेवानिवृत्ति अंशदान दर बढ़ाएं

हो सकता है कि आप पहले से ही अपने साथी से मिल रहे हों, या आप इसे एक पायदान ऊपर उठाना चाह रहे हों। अपनी बचत दिनचर्या में लागू करने के लिए एक अच्छी रणनीति यह है कि आप अपने सेवानिवृत्ति योजना खाते में 10% (या इससे भी अधिक) का योगदान देना शुरू करें। और जब आपका घर ले जाने वाला वेतन कम हो जाएगा, तो कर-पूर्व योगदान के साथ आपकी कर योग्य आय भी कम हो जाएगी और आपके सेवानिवृत्ति में वृद्धि होने की संभावना है। सशक्त अंतर्दृष्टि से पता चलता है कि जिन लोगों ने अपनी योगदान दर कम से कम 10% निर्धारित की है, वे भविष्य में अपनी कामकाजी आय का 100% बदलने की राह पर हैं।

वर्तमान निवेश का मूल्यांकन करें

अपने जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा और आपातकालीन निधि की स्थिति दोबारा जांचें। अगर कोई कमी है तो पहले उसे बढ़ाने पर ध्यान दें. वे व्यक्तिगत वित्त की नींव की तरह हैं। पहले ये आधार तैयार किए बिना कभी भी संपत्ति न बनाएं। अन्यथा, यह किसी भी समय गिर सकता है।

जोखिम के आधार पर उत्पाद चुनें

किसी निवेश उत्पाद को चुनने में सबसे शक्तिशाली आधारों में से एक पिछला रिटर्न है। हम सभी जानते हैं कि पिछला प्रदर्शन भविष्य की गारंटी नहीं है। इस बात की कोई चिंता नहीं कि पिछला प्रदर्शन इतना शानदार क्यों है। बल्कि हम इंसानों का दृढ़ विश्वास है कि पिछला प्रदर्शन भविष्य में भी जारी रहेगा।

ऐसे उत्पाद से बचें जिसमें टैगलाइन हो

देखें कि अलग-अलग शक्लों में बंदोबस्ती जीवन बीमा उत्पाद निवेशकों को कैसे बेचे जाते हैं। एजेंट और बीमा कंपनियाँ आमतौर पर उन टैगलाइनों के साथ उत्पाद पेश करती हैं जिनका मैंने ऊपर उल्लेख किया है। हालाँकि, इनमें से अधिकांश उत्पाद तरलता के मुद्दों और आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए मुद्रास्फीति को मात देने में विफलता के कारण फंसे हुए हैं।इसलिए, निवेश के विचार के रूप में बीमा उत्पादों से बचें। इसके बजाय, बीमा उत्पादों को जोखिम-हस्तांतरण उत्पादों के रूप में खरीदें।

खर्च और निवेश के लिए विलंबित संतुष्टि का पालन करें

याद रखें कि हम जो भी खरीदते हैं, उसका 60 प्रतिशत से अधिक हमारी सूची में नहीं था। हम क्यों खरीदें: खरीदारी का विज्ञान,हम छूट, ऑफ़र या क्रेडिट कार्ड पॉइंट से भर गए हैं। लेकिन जरा अपनी सांस रोकिए और सोचिए कि वे अपना प्रॉफिट मार्जिन कम करके डिस्काउंट क्यों दे रहे हैं। क्या ये ऑफर या जाल हैं? उनमें से अधिकांश अपने बिक्री लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जाल हैं। ऐसी बिक्री रणनीति के लिए कभी भी बलि का बकरा न बनें। आपको जो चाहिए वह खरीदें और यदि आपको लगता है कि वे चाहते हैं, तो विलंबित संतुष्टि रणनीति का पालन करें। यही बात निवेश पर भी लागू होती है. उदाहरण के तौर पर देखें तो फिलहाल भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में करीब 1400 म्यूचुअल फंड हैं। ये एएमसी आपके लिए एक मानसिकता बनाते हैं कि ये सभी 1,400+ फंड आपके लिए आवश्यक हैं और इनके बिना आपकी धन सृजन यात्रा समाप्त है। हालांकि, एक निवेशक के रूप में, आपको अपना पोर्टफोलियो बनाने के लिए केवल 5 से कम फंड की आवश्यकता है। इसलिए आप जो भी सुनें या सलाह लें, उस पर हां कहने के जाल से बचें। जब भी कोई आपको कोई सेवा या उत्पाद पेश करेगा तो पालन करने का सरल नियम यह है-क्या यह मेरे लिए या उस व्यक्ति के लिए एक आवश्यकता है जो मुझे पेशकश कर रहा है? जब कोई आपको अपनी सेवा या उत्पाद की पेशकश कर रहा है तो हितों का टकराव क्या है? विलंबित संतुष्टि का पालन करें और उचित शोध और सलाह के बाद ही एनएफओ और आईपीओ में निवेश करें। वे म्यूचुअल फंड कंपनियों, बिचौलियों और कंपनियों के प्रमोटरों के लिए उपलब्धियां हैं, लेकिन आपके लिए नहीं।

-(लेखक वित्तीय कर सलाहकार, शेयर बाजार विशेषज्ञ और वर्तमान में एक रिसर्च स्कॉलर के रूप में प्रबंधन विभाग-बिट्स पिलानी से जुड़े हुए हैं।)

म्यूचुअल फंड में निवेश की ऐसे करें शुरुआत

- ऑनलाइन ई-केवाईसी म्यूचुअल फंड्स की दुनिया की चाबी
- केवाईसी के लिए सबसे पहले पैन और आधार कार्ड जरूरी

बिजनेस डेस्क

इस समय निवेश के परंपरागत साधनों में रिटर्न काफी कम हो गया है। इन साधनों में उतना भी रिटर्न नहीं है कि महंगाई की दर या इंफ्लेशन रेट को बीट कर सकें। इन पर इनकम टैक्स अलग से लगता है। निवेश के इन साधनों की तुलना में म्यूचुअल फंड में बढ़िया रिटर्न मिलता है। जो स्मार्ट इनवेस्टर्स हैं, वे बहुत पहले म्यूचुअल फंड का रास्ता अख्तियार कर चुके हैं। अब म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना बेहद आसान और सरल हो गया है। इसमें निवेश के लिए कोई अतिरिक्त दस्तावेजों की जरूरत भी नहीं पड़ती। कोई भी व्यक्ति कुछ सामान्य दस्तावेजों या डॉक्यूमेंट्स का उपयोग कर कई फंड्स में निवेश करने के बारे में सोच सकता है। हम बता रहे हैं कि कोई सामान्य व्यक्ति कैसे म्यूचुअल फंड की जर्नी शुरू कर सकता है।

म्यूचुअल फंड में पहली बार निवेश करने वाले निवेशकों को अपना केवाईसी या नो योर कस्टमर का प्रोसेस पूरा करना होगा। यह एक बार की प्रक्रिया है। केवाईसी सत्यापन पूरा करने में आपकी मदद करने के लिए आप किसी डिस्ट्रिब्यूटर या निवेश सलाहकार के पास जा सकते हैं या आप ऑनलाइन ई-केवाईसी कर सकते हैं। केवाईसी म्यूचुअल फंड्स की दुनिया की चाबी की तरह है। अपना केवाईसी पूरा होने के बाद, आप हर निवेश के लिए आगे सत्यापन से गुजरे बिना किसी भी फंड में निवेश कर सकते हैं।

केवाईसी के लिए कौन से कागजात चाहिए

आपको केवाईसी के लिए सबसे पहले पैन कार्ड जी जरूरत पड़ेगी। इसके अलावा एड्रेस प्रूफ के लिए कोई दस्तावेज चाहिए। आमतौर पर लोग एड्रेस प्रूफ के लिए आधार कार्ड का उपयोग करते हैं। इसके साथ ही आपको किसी बैंक में खाता भी होना जरूरी है, क्योंकि म्यूचुअल फंड में निवेश की शुरुआत करने के लिए आपके बैंक अकाउंट के बारे में भी पूछा जाएगा और आपसे एक कैंसिल्ड चेक भी मांगा जाएगा। केवाईसी सत्यापन के बाद निवेश करने के लिए तैयार होने पर, आप किसी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रिब्यूटर, रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार, स्टॉक मार्केट ब्रोकर, बैंक या किसी अन्य वित्तीय प्रतिनिधि की मदद से निवेश करने का चुनाव कर सकते हैं। लेकिन अगर आप खुद निवेश करना चाहते हैं, तो आप फंड हाउस के नजदीकी कार्यालय में जा सकते हैं या ऑनलाइन निवेश करने के लिए उनकी वेबसाइट पर जा सकते हैं अथवा किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। सीधे निवेश करने या किसी डिस्ट्रिब्यूटर के माध्यम से निवेश करने के बीच चुनाव व्यक्तिगत है। अगर आपको खुद अपने निवेश का प्रबंधन करना पसंद है, तो आप बेशक फंड की वेबसाइट या किसी ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन निवेश कर सकते हैं। लेकिन अगर आप सलाह लेना चाहते हैं या आपको निवेश करने में मदद की जरूरत है, तो आप किसी प्रतिनिधि के माध्यम से निवेश कर सकते हैं, जैसे डिस्ट्रिब्यूटर, निवेश सलाहकार, बैंक आदि।

सही स्कीम चुनें

म्यूचुअल फंड में निवेश से पहले सही स्कीम का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसमें टाइम होरिजन या समय सीमा, रिस्क प्रोफ़ाइल और टैक्स इम्लीकेशन के आधार पर निवेश के लिए सही योजना का चयन किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आप 1-2 साल की अवधि के लिए निवेश करना चाह रहे हैं और कुछ जोखिम ले सकते हैं और टैक्स इफीशिएंसी चाहते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड या डेट फंड के बजाय इक्विटी सेविंग फंड चुन सकते हैं। यदि आप डेट फंड चुनते हैं, तो लाभ आपकी आय के अनुरूप कर के अधीन होगा, जबकि इक्विटी फंड से बाजार में गिरावट आने पर अल्पावधि में नुकसान हो सकता है। किसी योजना को बीच में बदलने से एक्जिट लोड या अधिक अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर लग सकता है। जब आप म्यूचुअल फंड में निवेश करना शुरू करते हैं तो यह जरूरी है कि आप अपने बैंक खाते को फोलियो से जोड़ें। म्यूचुअल फंड के अकाउंट में आप नॉमिनी जरूर बनाएं। सही नॉमिनी महत्वपूर्ण है।

एसआईपी की पांच स्कीमों ने तीन साल में निवेश को किया डबल

- निवेशकों को दिया बढ़िया मुनाफा, हो रहे मालामाल
- इक्विटी में सीधे पैसा लगाने को लेकर थोड़ा रिस्क जरूर

बिजनेस डेस्क

निवेशकों के मन में अक्सर यह सवाल रहता कि क्या मम्युचुअल फंड में एसआईपी के जरीये तीन साल में निवेश की गई राशि डबल हो सकती है। आमतौर पर जेहन में यही रहता है कि जल्द से जल्द आपका पैसा डबल या ट्रिपल कैसे हो। इसके लिए कहां निवेश करें। एफडी, आरडी, एसआईपी या अन्य कोई स्कीम जो जल्द से जल्द आपके पैसे को डबल कर सके। अक्सर देखने में आता है कि बैंक की एफडी या आरडी में तो पैसे डबल होने में ही 9 से 10 साल लग जाते हैं। वहीं, इक्विटी में सीधे पैसा लगाने को लेकर थोड़ा रिस्क होता है, लेकिन निवेशकों को घबराने की जरूरत नहीं है। बाजार में कुछ ऐसी स्कीम हैं, जिनमें 3 साल में ही पैसे डबल या ट्रिपल हो गए हैं। 3 साल में पैसे ट्रिपल यानी ऐसी डील आपके लिए बेहतरीन हो सकती है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर कौन सी ऐसी स्कीम हैं, जिनमें इतना ज्यादा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी 5 म्यूचुअल फंड स्कीम के बारे में जानकारी देंगे, जिन्होंने पैसे को डबल करवा दिया।

तीन साल में डबल पैसा करने वाली स्कीम

1. निप्पॉन इंडिया ईटीएफ निफ्टी पीएसयू बैंक बीईईएस
- रिटर्न: 46.71% सालाना
- एबसॉल्यूट रिटर्न: 216.79%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू: 3,16,786
- एसआईपी रिटर्न: 57.54% सालाना
- एसआईपी पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 117.42%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 3 साल में वैल्यू: 3,91,435 रुपये
- एसआईपी में कुल निवेश: 1,80,000
- फंड साइज: 2560.7 करोड़
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.49%

2. कोटक निफ्टी पीएसयू बैंक ईटीएफ
- रिटर्न: 46.63% सालाना
- एबसॉल्यूट रिटर्न: 216.27%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू: 3,16,265
- एसआईपी रिटर्न: 57.54% सालाना
- एसआईपी पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 117.41%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 3 साल में वैल्यू: 3,91,334 रुपये
- एसआईपी में कुल निवेश: 1,80,000
- फंड साइज: 1379.35 करोड़
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.49%

3. एबीएसएल पीएसयू इक्विटी फंड
- रिटर्न: 42.00% सालाना
- एबसॉल्यूट रिटर्न: 187%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,87,381
- एसआईपी रिटर्न: 51.46% सालाना
- एसआईपी पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 102%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 3 साल में वैल्यू: 3,63,755 रुपये
- एसआईपी में कुल निवेश: 1,80,000
- फंड साइज: 33303 करोड़
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.53%

4. क्वांट स्मॉलकैप फंड
- रिटर्न: 41.96% सालाना
- एबसॉल्यूट रिटर्न: 186.95%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,86,936
- एसआईपी रिटर्न: 37.72% सालाना
- एसआईपी पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 70%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 3 साल में वैल्यू: 3,06,182 रुपये
- एसआईपी में कुल निवेश: 1,80,000
- फंड साइज: 17193 करोड़
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.70%

5. आईसीआईसीआई प्रू इंफ्रास्ट्रक्चर फंड
- रिटर्न: 39% सालाना
- एबसॉल्यूट रिटर्न: 169%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,68,746
- एसआईपी रिटर्न: 42% सालाना
- एसआईपी पर एबसॉल्यूट रिटर्न: 80%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 3 साल में वैल्यू: 3,23,933 रुपये
- एसआईपी में कुल निवेश: 1,80,000
- फंड साइज: 4932.44 करोड़
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.02%

म्यूचुअल फंड में कम है रिस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड को सीधे इक्विटी में पैसा लगाने की तुलना में सुरक्षित माना जाता है। हालांकि इनमें फिक्स्ड इनकम या स्मॉल सेविंग्स की तुलना में कुछ जोखिम होता है। म्यूचुअल फंड स्कीम में आपका एक पैसा सिर्फ एक ही स्टॉक में नहीं, बल्कि अलग अलग कंपनियों के स्टॉक में लगाया जाता है। स्टॉक का सेलेक्शन फंड मैनेजर द्वारा रिसर्च के बाद सावधानी से किया जाता है।

चुनाव परिणाम आने के समय बाज़ार में अस्थिरता की आशंका

बिजनेस डेस्क

वैल्यू स्टॉक्स जो कि एक स्मॉलकेस मैनेजर है, के द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, शेयर बाजार आमतौर पर चुनाव परिणामों के अनुकूल रहता है, जबकि चुनाव से पहले के महीनों में कुछ अस्थिरता देखी जा सकती है, जो बहुत थोड़े समय तक रहती है। हालांकि, मजबूत आधारभूत संरचना को देखते हुए, बाजार लंबे समय तक लाभप्रद बने रहने की संभावना है। चुनावों संबंधी अपरिहार्य किंतु आवश्यक अटकलों और आशंकाओं से इतर, आंकड़े पिछले 20 वर्षों के चुनाव चक्रों को दर्शाते हैं कि इनमें से प्रत्येक अवधि के दौरान, निवेशकों ने लगातार, चुनाव परिणामों की घोषणा से पहले अथवा बाद में, औसत से अधिक रिटर्न प्राप्त किया है। इसके अलावा, उपर्युक्त आंकड़े यह भी इंगित करते हैं कि एक वर्ष की न्यूनतम निवेश समय-सीमा के भीतर भी निवेशकों ने अच्छा लाभ कमाया है। इसलिए, हम अनुशंसा करते हैं कि निवेशक चुनाव संबंधी समाचारों या अफवाहों से बचते हुए अस्थिरता की परवाह किए बिना बाजार में डटे रहें। वैल्यू स्टॉक्स के संस्थापक और स्मॉलकेस मैनेजर शैलेश सराफ ने कहा, "2023 में, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं के आरंभ और उनके प्रभावशाली प्रदर्शन से भारतीय बाजार भी समृद्ध हुआ। इस असाधारण अवधि में आईपीओ की रिकॉर्ड-तोड़ संख्या के साथ-साथ मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में उछाल देखा गया। विशेष रूप से, 2023 में निफ्टी50 में 20% की वृद्धि देखी गई।"

स्मॉलकेस पेशकशें अवसर का प्रतीक

सराफ ने आगे कहा, शेयर बाजार के इस गतिशील परिदृश्य में, हमारी स्मॉलकेस पेशकशें अवसर का प्रतीक साबित होंगी, जो 'ग्रोथ लेना है, सस्ता लेना है' के सिद्धांत द्वारा निर्देशित हैं। प्रत्येक स्मॉलकेस को एक प्रभावशाली मूल्यांकन पर उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले वृद्धि शेयरों के सार को समाहित करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। चाहे वह स्मॉल-कैप आधारित स्मॉलकेस सेगमेंट के छिपे हुए रत्नों को उजागर करना हो या ब्लू-चिप शेयरों के बीच दिग्गजों की पहचान करना हो, स्मॉलकेस रणनीतियां निष्ठापूर्वक अपना काम करती हैं। इसके अलावा, हमने पीएसयू शेयरों के बारे में भी छानबीन की है, जिससे हमें पीएसयू केंद्रित स्मॉलकेस रणनीति के माध्यम से सरकार समर्थित उद्यमों की क्षमता के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। संक्षेप में, हमारे स्मॉलकेस, निवेशकों के लिए अनुकूल कीमतों पर ऐसेट खरीद पाने की यात्रा में वाहन का काम करते हैं, जो समान माप में मूल्य और वृद्धि प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

> लंबे समय के निवेशों के संदर्भ में मूल्यों में वृद्धि होगी
>
> **वैल्यू स्टॉक ने जारी किया अनुमान**
>
> सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने हालिया दिनों में बेहतर प्रदर्शन किया
>
> 2023 में, निफ्टी पीएसई इंडेक्स में 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने हालिया दिनों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उनकी बढ़ती लाभप्रदता के कारण पीएसयू शेयरों को रडार पर रखा जाना चाहिए। 2023 में, निफ्टी पीएसई इंडेक्स में 77% की वृद्धि हुई, जो निफ्टी50 के 20% रिटर्न को पार कर गई। 2024 में भी पीएसई इंडेक्स ने 21% का रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी50 का रिटर्न 3% ही रहा। कम वैल्यूएशन के कारण इसमें आगे भी वृद्धि की संभावना है क्योंकि निफ्टी पीएसई इंडेक्स अभी भी 10 पीई पर कारोबार कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के सूचकांक जैसे निफ्टी पीएसई, निफ्टी सीपीएसई और निफ्टी पीएसयू बैंक ने एक साल की समय-सीमा में प्रमुख भारतीय सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे पता चलता है कि देश अब सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर विश्वास कर रहा है जिससे बाजार और भी अधिक मजबूत हो रहा है।

निवेशक आशावादी : शैलेश सराफ ने बताया, "निवेशक भारत सरकार की विकास योजनाओं को लेकर आशावादी हैं। रेलवे और रक्षा क्षेत्र पर सरकारी व्यय की वृद्धि और 'मेक इन इंडिया' पहल से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को लाभ हुआ। इससे बाजार पूंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 20 लाख करोड़ के करीब पहुंच गई। 2024 के आम चुनावों में वर्तमान सरकार की जीत की उम्मीद और ऑर्डर बुक के सशक्त आंकड़ों ने भी पीएसई स्टॉक की वृद्धि में योगदान दिया, जो मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी तत्वों और उच्च मांग का संकेत देता है।"

रिपोर्ट में, कुछ प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रदर्शन और उनके भविष्य के दृष्टिकोण पर भी चर्चा की गई।

रेलवे: भारत आने वाले वर्षों में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारियों में जुटा हुआ है। इस एजेंडे में विभिन्न पहलें शामिल हैं, जिनमें 8 हाई-स्पीड बुलेट ट्रेनों की खरीद, 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार और अगले 5 वर्षों के भीतर 400 वंदे भारत ट्रेनों और 3000 नई यात्री ट्रेनों में निवेश शामिल है। इसके अलावा, भारत की महत्वाकांक्षी परियोजना 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' को आगे बढ़ाया जाएगा, जिसका लक्ष्य देश की 45% माल ढुलाई को समायोजित करना है। ये प्रयास सामूहिक रूप से रेलवे में 50 लाख करोड़ रुपये का एक बड़ा सेक्टर कैपेक्स अवसर प्रस्तुत करते हैं, जिससे एक बड़ा बजार निर्मित होगा।

रक्षा : 2023 में, भारत ने रक्षा क्षेत्र में 81 बिलियन डॉलर का व्यय किया, रक्षा क्षेत्र पर व्यय के मामले में यह विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है। रक्षा निर्यात में 20% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर देखी गई, इसमें 84 देशों तक निर्यात शामिल है। इस व्यय में, पनडुब्बियों, टॉरपीडो, विमान वाहक, लड़ाकू जेट, मिसाइलों का अधिग्रहण, दो रक्षा गलियारों की स्थापना, और 150 रक्षा और रडार प्रणालियों की खरीद शामिल है, जिनमें से 70% घरेलू स्तर पर उपलब्ध थे। इस क्षेत्र के विभिन्न पीएसयू शेयरों ने सरकार से भारी ऑर्डर बुक हासिल करने के कारण 100% से अधिक रिटर्न दिया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और वित्तीय संस्थान: निरंतर ऋण वृद्धि, परिसंपत्ति की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार, और सीमांत लाभ के स्थिर रहने या उसमें वृद्धि के कारण राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों का आय प्रदर्शन बेहतर रहा जिससे उनके शेयरों की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अधिकांश बैंकों ने यह विश्वास व्यक्त किया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और ग्रामीण क्षेत्रों से मांग में क्रमिक वृद्धि के कारण 2024 में दोहरे अंकों में ऋण वृद्धि जारी रहेगी। आय की गुणवत्ता, विकास की सकारात्मक संभावनाओं और पीएसयू संस्थाओं के व्यापक पुनर्मूल्यांकन के कारण इस क्षेत्र में लगातार वृद्धि की उम्मीद है। दूसरा कारण इन सरकारी बैंकों की लाभप्रदता में वृद्धि है। भारत में पीएसयू बैंकों ने साल-दर-साल 29% की लाभ वृद्धि और तिमाही-दर-तिमाही 11% की वृद्धि दर्ज की है, जो इन पीएसबी के प्रदर्शन को दर्शाता है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
चेन्नई	2	2	0	4
कोलकाता	2	2	0	4
राजस्थान	2	2	0	4
हैदराबाद	2	1	1	2
लखनऊ	2	1	1	2
पंजाब	3	1	2	2
बेंगलोर	3	1	2	2
गुजरात	2	1	1	2
दिल्ली	2	0	2	0
मुंबई	2	0	2	0

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
181 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

मुस्तफिजुर रहमान
06 विकेट
चेन्नई

आईपीएल टीमों ने खर्च किए करोड़ों, फिर भी दिल तोड़े, अंग्रेज खिलाड़ी छोड़ गए साथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी इंग्लैंड के खिलाड़ियों को काफी तवज्जो देती रही हैं। लेकिन हर बार अंग्रेज खिलाड़ी इन फ्रेंचाइजियों का दिल तोड़ते रहे हैं। यह सीजन भी अपवाद नहीं है। इस बार भी इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी में जगह दी गई थी। टीमों को उम्मीद थी कि यह खिलाड़ी उनके लिए बेहतर प्रदर्शन करेंगे। लेकिन इनमें से कई खिलाड़ियों ने एक के बाद एक नाम वापस ले लिया। इनमें से कुछ खिलाड़ियों को तो ईसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए नाम वापसी पर मजबूर कर दिया। वहीं, कुछ खिलाड़ियों ने निजी कारणों को हवाला देकर खुद को आईपीएल से अलग कर लिया।

एटकिंसन हटे

गस एटकिंसन को केकेआर ने दो करोड़ रुपए की कीमत पर अपने साथ जोड़ा था। लेकिन ईसीबी ने इस गेंदबाज को भी टी20 वर्ल्डकप की योजनाओं में रखा है और इसीलिए एटकिंसन ने अपना नाम वापस ले लिया।

रॉय ने भी तोड़ी उम्मीद

इंग्लैंड के जिन खिलाड़ियों ने आईपीएल से नाम वापस लिया है, उसमें दिग्गज बल्लेबाज जेसन रॉय का नाम भी शामिल है। जेसन रॉय ने पिछले सीजन में केकेआर के लिए कुल आठ मैच खेले थे। इस दौरान उन्होंने 151.60 की बेहतरीन औसत से 285 रन बनाए थे। ऐसे में टीम और फैन्स को उम्मीद थी कि वह इस सीजन में भी अहम भूमिका निभाएंगे। लेकिन जेसन रॉय परिवार के साथ समय बिताने का हवाला देकर अपना नाम वापस ले लिया।

ब्रूक की दादी का निधन

हैरी ब्रूक ने भी इस साल आईपीएल से अपना नाम वापस ले लिया। हैरी ब्रूक को दिल्ली कैपिटल्स ने मिनी ऑक्शन में 4 करोड़ रुपए की कीमत देकर अपने साथ जोड़ा था। लेकिन सीजन शुरू होने से पहले ही हैरी ब्रूक की दादी का निधन हो गया। हैरी के मुताबिक वह बचपन से अपनी दादी के बेहद करीब रहे हैं और। हैरी की दादी ने उनके क्रिकेट करियर को परवान चढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

विली, वुड ने लखनऊ को दिया धोखा

इंग्लैंड के ऑलराउंडर डेविड विली ने भी इस साल आईपीएल से अपना नाम वापस ले लिया है। विली इस साल लखनऊ सुपरजायंट्स के साथ थे। इसके अलावा मार्क वुड भी लखनऊ सुपरजायंट्स टीम के साथ थे और उन्होंने भी अपना नाम वापस ले लिया था। वुड ने ईसीबी के कहने पर अपना नाम वापस लिया था। ईसीबी चाहता है कि वुड टी20 वर्ल्ड कप पर ध्यान लगाएं।

खबर संक्षेप

बाबर को फिर कप्तान बनाना चाहता है पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को सफेद गेंद के प्रारूप में कप्तानी की पेशकश की है लेकिन इस स्टार खिलाड़ी ने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। सूत्रों ने दावा किया कि पीसीबी अध्यक्ष ने बाबर को यह पेशकश की है। यह भी पता चला है कि बाबर ने कप्तानी स्वीकार करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं जिसमें कोचों की नियुक्ति में भी उनकी राय लेना शामिल है। बाबर ने यह भी कहा है कि उन्हें तीनों प्रारूपों में टीम की कमान सौंपी जानी चाहिए।

हार से गेंदबाजी की कमियां उजागर

बेंगलुरु। कोई भी राय बनाने के लिए तीन मैच भले ही काफी कम हों लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की गेंदबाजी में 'वैराइटी' की कमी को देखते हुए लगता है कि यह इंडियन प्रीमियर लीग सत्र उनके लिए थकाऊ होने वाला है। शुक्रवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 183 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए आरसीबी के गेंदबाज प्रतिद्वंद्वी टीम के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोक नहीं सके जिससे उन्हें सात विकेट से हार मिली।

धीरे-धीरे कप्तानी के गुर सीख जाएगा गिल

अहमदाबाद। पूर्व चैंपियन गुजरात टाइटंस की आईपीएल 2024 में शुरुआत भले ही उतार चढ़ाव भरी रही हो लेकिन उसके मेंटोर गैरी कर्स्टन ने शुभमन गिल का बचाव करते हुए कहा है कि इस तेज रफ्तार टी20 प्रारूप में रणनीतिक फैसले लेना वह सीख जाएगा। आईपीएल 2022 की चैंपियन और मौजूदा उपविजेता टाइटंस दों मैचों में एक जीत और एक हार के बाद सातवें स्थान पर है। कर्स्टन ने कहा, 'यह तेज रफ्तार खेल है। नियमित आधार पर तकनीकी फैसले लेने होते हैं। यह टेस्ट क्रिकेट नहीं है जो लंबा चलता है। मैं कप्तान के तौर पर उससे काफी प्रभावित हूं।'

हार के बाद डुप्लेसिस ने पिच पर फोड़ा ठीकरा

बेंगलुरु। अपने घर में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने हार के लिए यहां की पिच को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि खेल के पहले हाफ में यह पिच बैटिंग के लिए मुश्किल थी, जबकि दूसरे हाफ में जब केकेआर बैटिंग पर उतरा तो यह बल्लेबाजों के लिए आसान हो गई। केकेआर ने यहां 7 विकेट से जीत दर्ज की। डुप्लेसी ने मैच के बाद कहा, 'पहली पारी में कुछ गेंद रुक कर आ रहीं थी लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए पिच बेहतर हो गई। पहली पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं था और आप देख सकते हैं कि विराट को भी थोड़ा संघर्ष करना पड़ा।'

रियल कश्मीर ने नेरोका एफसी को हराया

श्रीनगर। रियल कश्मीर एफसी ने आई लीग फुटबॉल के मैच में नेरोका एफसी को 3-0 से हराकर उसे दूसरी श्रेणी में धकेल दिया। कश्मीर के लिए नोहेरे क्रिजो ने 35वें, हैदर युसूफ ने 45वें और शाहीन ने 67वें मिनट में गोल दागे।

डी कॉक की फिफ्टी, सुपर जाइंट्स की पहली जीत

मयंक की शानदार गेंदबाजी से लखनऊ ने पंजाब को हराया

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

भारत को तेज गेंदबाजी में एक नया सितारा मिल गया जिसने 27 रन देकर तीन विकेट लिये और लखनऊ सुपर जाइंट्स को शनिवार को आईपीएल के मैच में पंजाब किंग्स पर 21 रन से जीत दिलाने में सूत्रधार की भूमिका निभाई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने कृणाल पंड्या की आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर आठ विकेट पर 199 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक ने 38 गेंद में 54 रन बनाये जबकि कार्यवाहक कप्तान निकोलस पूरन ने 21 गेंद में 42 रन की पारी खेली। कृणाल ने दो छक्के और चार चौके लगाकर 22 गेंद में 43 रन बनाये और टीम को दो सौ के पास पहुंचाया। जवाब में मयंक की गेंदबाजी के दम पर लखनऊ ने इस सत्र में पहली जीत दर्ज की। पंजाब की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी। उसे लियाम लिविंगस्टोन की कमी चौथे नंबर पर महसूस हुई जो चोट के कारण उस क्रम पर नहीं उतरे। वह 17 गेंद में 28 रन बनाकर नाबाद रहे। मयंक ने पंजाब की पारी के 12वें ओवर में टूर्नामेंट की सबसे तेज गेंद 155.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से डाली ।जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा उनकी गेंदों का सामना नहीं कर सके। शिखर धवन ने 50 गेंद में 70 और बेयरस्टो ने 29 गेंद में 42 रन बनाये। पावरप्ले में पंजाब का सकोर बिना किसी नुकसान के 61 रन था। धवन ने रवि बिश्नोई को छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

लखनऊ-199/8 (20)

खिलाड़ी	रन
डिकॉक का जितेश बो अर्शदीप	54
राहुल का बेयरस्टो बो अर्शदीप	15
देवदत्त का धवन बो कुरेन	9
मार्कस स्टोइनिस बो चाहर	19
निकोलस पूरन बो रबाडा	42
आयुष का बेयरस्टो बो कुरेन	8
कृणाल पंड्या नाबाद	43
रवि का तनय बो कुरेन	0
मोहसिन खान रन आउट	2
नवीनुल हक नाबाद	0

अतिरिक्त : सात रन
कुल योग : 20 ओवर में आठ विकेट पर 199 रन
विकेट पतन : 1-35, 2-45, 3-78, 4-125, 5-146, 6-189, 7-189, 8-197
गेंदबाजी: कुरेन 4-0-28-3, अर्शदीप 3-0-30-2, रबाडा 4-0-38-1, चाहर 3-0-42-1, बरार 2-0-14-0, पटेल 4-0- 45-0

पंजाब-178/5 (20)

खिलाड़ी	रन
धवन का डिकॉक बो मोहसिन	70
बेयरस्टो का स्टोइनिस बो यादव	42
प्रभसिमरन का नवीनुल बो यादव	19
जितेश शर्मा का नवीनुल बो यादव	6
लियाम लिविंगस्टोन नाबाद	28
सैम कुरेन का पूरन बो मोहसिन	0
शशांक सिंह नाबाद	9

अतिरिक्त : चार रन
कुल योग : 20 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन
विकेट पतन : 1-102, 2-128, 3- 139, 4-141 , 5-141
गेंदबाजी: सिद्धार्थ 2-0-21-0, नवीनुल 4-0-43-0, मोहसिन 4-0-34-2, कृणाल 3-0-26-0, बिश्नोई 3-0-25-0, यादव 4-0-27-3

आज आईपीएल का डबल डोज

हैदराबाद की तूफानी फॉर्म से गुजरात को खतरा, दिल्ली के सामने चेन्नई की चुनौती

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात टाइटन्स को अगर रविवार को होने वाले आईपीएल मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की शानदार लय को रोकने की कोशिश करनी है तो उसे अपने गेंदबाजी आक्रमण में सुधार करना होगा। सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 277 रन बनाकर आईपीएल का सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया और सत्र की पहली जीत हासिल की। गुजरात टाइटन्स ने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस पर जीत से शुरुआत की लेकिन पिछले मैच में चेन्नई में उसे हार का सामना करना पड़ा। 63 रन से मिली हार से टाइटन्स का नेट रन रेट प्रभावित हुआ जो -1.425 पहुंच गया है और यह लीग की 10 टीम में सबसे खराब है। टूर्नामेंट के अंतिम छोर में यह उसके लिए कुछ समस्याएं खड़ी कर सकता है।

दिल्ली को पृथ्वी शॉ की जरूरत

विशाखापट्टनम। दिल्ली कैपिटल्स को रविवार को यहां गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करके विस्फोटक पृथ्वी शॉ को शामिल करने की जरूरत होगी। टी20 प्रारूप में हालांकि काफी कुछ टॉस पर निर्भर करता है लेकिन दिल्ली कैपिटल्स पिछली चार भिड़ंत में सीएसके की चुनौती से पार नहीं पा सकी है और इसमें भी उसकी हार का अंतर 91 रन, 27 रन और 77 रन रहा है जो उसकी हालत दर्शाने के लिए काफी है।

अय्यप्पन के शतक से अन्ना युनिवर्सिटी चेन्नई ने जलगांव युनिवर्सिटी को 8 विकेट से हराया

- ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी क्रिकेट (पुरूष) चैंपियनशिप के उद्घाटन पर हुआ पहला मुकाबला
- लेफ्टिनेंट जनरल एसपीएस कटेवा ने किया चैंपियनशिप का उद्घाटन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/झुंझुनूं

श्री जेजेटी युनिवर्सिटी झुंझुनूं में ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में अन्ना युनिवर्सिटी चेन्नई ने राहुल अय्यपन के शानदार शतक की बदौलत कवयित्री बहिणाबाई उत्तर महाराष्ट्र युनिवर्सिटी जलगांव को 8 विकेट से हरा दिया।

शनिवार को श्री जेजेटी युनिवर्सिटी कैम्पस में ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी क्रिकेट (पुरूष) चैंपियनशिप का उद्घाटन परम विशिष्ट सेवा मैडल से अलंकृत लेफ्टिनेंट जनरल एसपीएस कटेवा ने युनिवर्सिटी चेयरपर्सन डॉ विनोद टिबड़ेवाला व युनिवर्सिटी प्रेजीडेंट डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल की मौजूदगी में किया। चैंपियनशिप का पहला मुकाबला अन्ना युनिवर्सिटी चेन्नई व कवयित्री बहिणाबाई उत्तर महाराष्ट्र युनिवर्सिटी जलगांव के बीच हुआ। टॉस जीतकर जलगांव युनिवर्सिटी ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 145 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज सम्यक जगपाल के 21 रन व तुषार के 20 रन की बदौलत जलगांव युनिवर्सिटी ने 5.1 ओवर में 41 रन बनाए। लेकिन इसके बाद अन्ना युनिवर्सिटी के गेंदबाजों ने वापसी करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट झटके। प्रशांत डोले के 24 गेंद पर 32 रन, नीरज जोशी के 17 रन, प्रद्युम्न के 19 रन की बदौलत विरोधी टीम को 146 रन का लक्ष्य दिया। अन्ना युनिवर्सिटी की तरफ से सुजीत ने 4 ओवर में 36 रन पर 3 विकेट, दीनदयाल ने 17 रन देकर 2 विकेट व गणेश ने 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अन्ना युनिवर्सिटी की शुरूवात खराब रही। पहले सलामी बल्लेबाज सूर्या को 5 रन के निजी स्कोर पर जैसल ने सौरभ के हाथों कैच आउट करवाया।

उनके बाद मैदान पर उतरे राहुल श्रवण भी 7 रन के निजी स्कोर पर बोल्ड हो गए। सलामी बल्लेबाज राहुल अय्यपन ने मोर्चा सम्भालते हुए 16 चौके और 2 छक्के की मदद से चैंपियनशिप का पहला शतक ठोकते हुए 66 गेंद पर 105 रन बनाए और टीम को 18 ओवर में ही अन्ना युनिवर्सिटी को 8 विकेट से जीत दिला दी। लेफ्टिनेंट जनरल कटेवादुश्मनों से देश के बार्डर की मुस्तैदी से सुरक्षा में अपने योगदान के लिए देश में धाक जमा चुका शेखावटी इलाके में अब सेनाओं के लिए अधिकारी तैयार होंगे।

टी20 कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे अफरीदी

लाहौर। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पाकिस्तान क्रिकेट और टी20 कप्तान के रूप में उनके भविष्य से संबंधित चर्चाओं में शामिल नहीं किए जाने से निराश हैं जिससे वह कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। शाहीन के करीबी सूत्र ने कहा कि यह गेंदबाज इस बात से नाराज है कि जहां तक कप्तानी या कोचों की नियुक्ति का सवाल है तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने एक बार भी उनसे भविष्य की योजनाओं के बारे में बात नहीं की है। सूत्र ने कहा, शाहीन राष्ट्रीय टी20 टीम का कप्तान है तो उसका निराश होना लाजमी है। उसे उम्मीद थी कि अगर बोर्ड और चयनकर्ता उन्हें हटाना भी चाहते हैं तो उन्हें इसके पीछे के कारणों के बारे में सूचित करना चाहिए। शाहीन इस बात से भी निराश थे कि जब पीसीबी प्रमुख ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और बाबर आजम से इस हफ्ते टी20 विश्व कप, कोचों की नियुक्ति और कप्तानी के बारे में चर्चा की थी तो उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया।

रोहतक की बेटी ने चमकाया नाम

चेष्टा ने नेशनल वुमन कुश्ती अंडर-15 में जीता गोल्ड

- अब तक कई पदक जीत चुकी है चेष्टा
- छोटूराम स्टेडियम में करती है अभ्यास

रोहतक। रोहतक की रहने वाली चेष्टा ने नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन धूम मनीकपुर, नोएडा में आयोजित नेशनल वुमन कुश्ती प्रतियोगिता अंडर-15 के 39 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर प्रथम स्थान हासिल किया। चेष्टा ने कड़े मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को पटकनी देते हुए चित कर दिया। बेटी के प्रदर्शन से गदगद कोच मनदीप ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चेष्टा लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रही है। वह अब तक कई पदक जीत चुकी है। अब वह दिन दूर नहीं जब चेष्टा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीतेगी। उन्होंने कहा कि चेष्टा अलसुबह ही रोहतक के छोटूराम स्टेडियम में पहुंच जाती है और कड़ा अभ्यास करती है। वहीं, चेष्टा के पिता अमन भुटानी ने भी कहा कि वह एक दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम चमकाएगी। चेष्टा कड़ी मेहनत कर रही है। वह भी आलस नहीं करती और हा समय अभ्यास के लिए तैयार रहती है।

कोहली ने रिंकू सिंह को गिफ्ट में दिया बैट

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में 59 गेंद में 83 रन की दमदार पारी खेली।

हालांकि उनकी इस धमाकेदार पारी के बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विराट कोहली ने मैच के बाद रिंकू सिंह को एक बैट गिफ्ट किया है, जिसकी तस्वीरें कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर की है। रिंकू सिंह ने भी विराट कोहली को बैट गिफ्ट में देने के लिए धन्यवाद दिया है। रिंकू सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर विराट के साथ की तस्वीरें शेयर की है और लिखा, ''भैया बैट के लिए और सलाह के लिए धन्यवाद।''

अमेरिका और वेस्टइंडीज में होगा टूर्नामेंट

अप्रैल में चुनी जाएगी भारतीय टी20 विश्व कप टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम के अप्रैल के अंतिम हफ्ते में चुने जाने की संभावना है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टीम सौंपने की अंतिम तारीख एक मई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। लेकिन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली प्रत्येक टीम को 25 मई तक अपनी शुरुआती टीम में खिलाड़ियों को बदलने का मौका मिलेगा। बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'भारतीय टीम का चयन अप्रैल के अंतिम हफ्ते के दौरान किया जाएगा और इस समय तक इंडियन प्रीमियर लीग का पहला हिस्सा खत्म हो जाएगा जिससे राष्ट्रीय चयन समिति दावेदारों की फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने की स्थिति में होगी। क्रिकेटरों का पहला जत्था 19 मई को आईपीएल का लीग चरण खत्म होने के तुरंत बाद न्यूयॉर्क के लिए रवाना होगा। जिन खिलाड़ियों की टीम अंतिम चार के लिए क्वालीफाई नहीं करती हैं, वे भी जल्दी जाएंगे जैसा कि पिछले साल डब्लूटीसी फाइनल्स के दौरान हुआ था।'

'स्टैंड बाई' खिलाड़ी भी जाएंगे साथ में

टी20 विश्व कप टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज में हो रहा है तो उम्मीद है कि कुछ 'स्टैंड बाई' खिलाड़ी भी टीम के साथ यात्रा करेंगे ताकि मुख्य टीम के किसी भी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में या फिर किसी भी अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण हटने से कोई 'लॉजिस्टिकल' परेशानी नहीं उठानी पड़े। चारों राष्ट्रीय चयनकर्ता ज्यादातर मैच देखने के लिए यात्रा करेंगे। पता चला है कि विश्व कप के लिए किसी भी दावेदार को कार्यभार प्रबंधन के बारे में कोई निर्देश नहीं दिया गया है क्योंकि इन दो महीनों में वे फ्रेंचाइजी के अधीन खेलेंगे।

यानिक सिनर-दिमित्रोव में होगा मियामी ओपन का खिताबी जंग

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

दूसरे वरीय यानिक सिनर ने शुक्रवार को यहां तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव पर जीत से मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

रविवार को फाइनल में सिनर का सामना 11वें वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने चौथे वरीय एलेक्जैंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल में शिकस्त दी। सिनर ने सेमीफाइनल में दमदार खेल दिखाते हुए मेदवेदेव को 6-1, 6-2 से मात दी।दिमित्रोव ने शीर्ष वरीय कार्लोस अल्काराज को क्वार्टर फाइनल में हराने के बाद सेमीफाइनल में जर्मनी के ज्वेरेव को 6-4, 6-7, 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

नीदरलैंड का एडे शहर कैद, 150 घर कराए खाली

एजेंसी ▶▶ एडे शहर

यूरोपीय देश नीदरलैंड के एडे शहर में शनिवार को दर्जनों लोगों को एक इमारत में बंधक बना लिया गया। भारी-भरकम हथियारों से लैस नीदरलैंड पुलिस ने एडे शहर को घेर लिया है। पुलिस प्रवक्ता साइमन क्लोक ने बताया कि फिलहाल इसमें आतंकवादी मकसद के कोई संकेत नहीं मिले हैं। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने एडे के एक चौराहे के पास से 150 घरों को खाली करा लिया। जिस शख्स ने लोगों को बंधक बनाया है उसके पास बंदूकें और बम भी हैं।

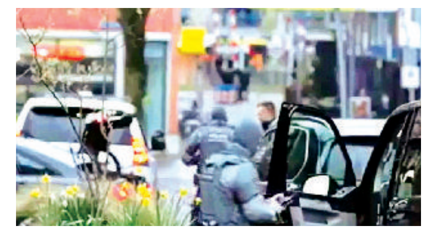

3 बंधकों को किया गया रिहा

पुलिस के मुताबिक कुछ देर पहले ही एडे शहर के क्लब में कई लोगों को बंधक बनाकर रखा गया है, इनमें से 3 बंधकों को रिहा कर दिया गया है। हालांकि स्थिति अभी भी पहले जैसी ही बनी हुई है और पुलिस अलर्ट है।

समंदर में भारत का शौर्य... 9 सोमालियाई समुद्री लुटेरों का सरेंडर

भारतीय नौसेना ने ईरानी जहाज को छुड़ाया, 23 पाकिस्तानी कराए आजाद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने अदन की खाड़ी के पास समुद्री लुटेरों को उनके हमले का जवाब दिया और घंटों की कड़ी कार्रवाई के बाद 23 पाकिस्तानी नागरिकों के चालक दल को भारतीय नौसेना ने बचा लिया है।

भारतीय नौसेना ने समुद्री लुटेरों पर एक बार फिर विजय पाते हुए उनके चंगुल से एक ईरानी जहाज को छुड़ाया है। यह मछली पकड़ने वाला ईरानी जहाज था, जिसके साथ इंडियन नेवी ने 23 पाकिस्तानी चालक दल को भी सुरक्षित बचा लिया।

तकरीबन 12 घंटे से भी अधिक चले ऑपरेशन को लेकर नौसेना ने अपने बयान में कहा कि हमारी विशेषज्ञ टीम उस क्षेत्र की जांच करेगी, जिससे वह क्षेत्र दोबारा मछली पालन सहित अन्य सामान्य गतिविधियों के लिए सुरक्षित हो जाए। जहाज को डाकुओं ने गुरुवार को ही पकड़ लिया था, जिसके बाद से नौसेना ने उन्हें बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

- ***भारतीय नौसेना ने अरब सागर में 12 घंटे तक चलाया ऑपरेशन***
- ***जहाज 'एआई कंबर 786' पर सवार समुद्री लुटेरों ने किया आत्मसमर्पण***
- ***अभियान में आईएनएस त्रिशूल ने भी निभाई अहम भूमिका***
- ***ईरानी जहाज की भारतीय नौसेना कर रही जांच***

भारतीय नौसेना ने कब्जे में लिया जहाज

अरब सागर में हुआ था अपहृत

भारतीय नौसेना को 28 मार्च की देर शाम ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज 'अल-कंबर 786' को अरब सागर में अपहृत किए जाने की सूचना मिली थी। समुद्री डकैती के इनपुट पर भारतीय नौसेना ने समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए अरब सागर में तैनात 2 जहाजों को अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज (एफवी) को रोकने के लिए डायवर्ट कर दिया। घटना के समय भारतीय युद्धपोत आईएनएस सुमेधा अपहृत जहाज से लगभग 90 नॉटिकल मील दक्षिण पश्चिम में था। नौसेना को अपहृत ईरानी जहाज पर 9 सशस्त्र समुद्री डाकुओं के सवार होने की प्रारंभिक जानकारी मिली थी।

29 को चलाया ऑपरेशन

भारतीय युद्धपोत ने अपहृत एफवी अल-कंबर को 29 मार्च को अरब सागर में रोक लिया और ऑपरेशन शुरू कर दिया। भारतीय निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस त्रिशूल भी इस ऑपरेशन से जुड़ गया। 12 घंटे चले ऑपरेशन के बाद देर रात को ईरानी जहाज पर सवार समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारतीय नौसेना ने इसके बाद अपहृत जहाज को अपने कब्जे में लेने के साथ ही चालक दल के 23 पाकिस्तानी नागरिकों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित बचा लिया।

नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध

समुद्री लुटेरों से छुड़ाए गए ईरानी जहाज को सुरक्षित क्षेत्र में ले जाने के लिए भारतीय नौसेना की विशेषज्ञ टीमें एफवी की पूरी तरह से सफाई और समुद्री योग्यता जांच कर रही हैं। भारतीय नौसेना क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा के खतरों के बावजूद नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।